खुशी खुशी

कक्षा ४

भाग १

विद्या भवन ... संदर्भ केन्द्र
पुस्तकालय
क्रमांक ....
दिनांक ....
उदयपुर (राज)

इस पिटारे में

किताब को देखकर नीचे की सूची में नाम या नंबर लिखो।
जैसे की शुरू के कुछ भरे हैं।

नाम	किस पन्ने से शुरू होता है।
१. इसमें क्या शक है	2
२. अग्रेज़ी के अंक	4
३. बेर और सींक	5
४.	
५	
६.	
७.	
८.	
९.	
१०.	
११. चाचाजी - 1	17
१२. जोड़ घटा का खेल	19
१३.	
१४.	
१५.	
१६.	
१७.	
१८.	
१९.	
२०. विज्ञापन या इश्तहार	30
२१.	
२२.	
२३. सही क्रम में जमाओ	37
२४.	
२५.	
२६. शंकुली का सपना	41
२७.	
२८.	
२९.	
३०.	
३१. बिंदु के खेल	51
३२.	
३३.	
३४.	
३५.	
३६.	
३७.	
३८.	
३९. चौखट की कहानी	66
४0.	
४१.	
४२.	
४३.	
४४. कागज़ के चित्र	76
४५.	
४६.	

मध्य प्रदेश शासन के आदेश क्रमांक 46-2/89-3/20 दिनांक 29 जून 1989 के तहत चयनित शालाओं के लिए एकलव्य द्वारा तैयार यह शैक्षिक सामग्री, पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित एवं आदर्श प्रिंटर्स, भोपाल द्वारा मुद्रित है। इस सामग्री को तैयार करने में बहुत से स्रोतों से मदद ली गई है।

४७. .....
४८. .....
४९. हासिल उधार 82
५०. .....
५१. .....
५२. .....
५३. .....
५४. .....
५५. सवाल 92
५६. .....
५७. .....
५८. .....
५९. .....
६०. एस्कीमो 99
६१. .....
६२. .....
६३. .....
६४. .....
६५. शिकारी पौधा 108
६६. हौदा हाथी 110
६७. .....
६८. .....
६९. .....
७०. .....
७१. इगलू 116
७२. .....
७३. .....
७४. .....
७५. तिल का ताड़ 124
७६. .....
७७. .....
७८. .....
७९. भारत का नक्शा 130
८०. .....
८१. .....
८२. कौन तेज़ चलता है? 134
८३. .....
८४. .....

विद्या भवन शिक्षा संकुल
पुस्तकालय
क्रमांक.....
दिनांक.....
उदयपुर (राज.)

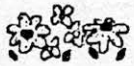

है तो वहां तुम *खुद ही ढेर सारे वैसे ही अभ्यास* बना सकते हो।

का मतलब है कि यहां *मन से सोच कर कुछ लिखने या चित्र बनाने* की जगह है।

वाले पन्नों में तुम्हारे खुद कुछ *देखने-परखने* के लिए है।

इस किताब में जहां-जहां

है वहां तुम्हें *आपस में बातचीत* करके काम करने की ज़रूरत है।

है यहां तुम्हें *पढ़कर कुछ करना* है।

है यहां तुम्हें *आसपास खोजना* है।

है यहां तुम्हें *सोचकर कुछ करना* है।

इसमें क्या शक है?

पक्षी पालने वाले एक बहेलिए को एक बहुत ही सुंदर तोते का बच्चा मिला। सब लोग अपने तोते को राम राम बोलना सिखाते हैं। बहेलिए ने भी बहुत कोशिश की। लेकिन यह तोता बहुत दिनों तक कुछ भी बोलना न सीख पाया। फिर अचानक वह एक बात बोलना सीख गया। जब भी उस तोते से कोई बात करता तो तोता कहता - इसमें क्या शक है?

बहेलिया अपने तोते को लेकर राजा के पास गया। बोला - महाराज, यह तोता अनोखा है। बिल्कुल आदमी की तरह बात करता है।

राजा ने तोते से पूछा - क्या तुम सचमुच आदमी की तरह बात करते हो?

तोता बोला - इसमें क्या शक है?

राजा खुश हो गया। बहेलिए को खूब सारे पैसे देकर राजा ने तोता खरीद लिया।

बाद में राजा ने देखा कि तोता तो हर बात के जवाब में यही कहता है- इसमें क्या शक है।

राजा को बहुत गुस्सा आया। वह तोते से बोला - तुम क्या बस यही एक बात बोलना जानते हो- इसमें क्या शक है? इसमें क्या शक है?

तोता बोला - इसमें क्या शक है?

राजा खीझकर बोला- अरे मैं क्या बेवकूफ हूं जो इतने सारे पैसे देकर तुझे खरीदा?

तोता बोला - इसमें क्या शक है?

तोते को क्या बोलना सिखाया गया था? ----------

राजा ने बाद में तोते का क्या किया? ----------

राजा ने बाद में बहेलिए को क्या कहा होगा? ----------

इस कहानी को आगे बढ़ाओ -

एक बहेलिया था। उसे तोते का एक बच्चा मिला। बहेलिए ने उस तोते को "और नहीं तो क्या?" कहना सिखाया। यदि कोई कुछ कहता तो तोता जवाब देता, "और नहीं तो क्या?"
बहेलिया उसे राजा के पास ले गया। . . . . . .

● वाक्य निकालो

नीचे के पैराग्राफ में एक ऐसा वाक्य घुस गया है, जो बाकी के वाक्यों से मेल नहीं खाता। उसे ढूंढकर अलग करो और बाकी पैराग्राफ को पट्टी पर लिखो।

वैसे तोते बोल नहीं सकते। जो भी लाइन उन्हें सिखा दी जाए वे उसे ही बार-बार दोहराते हैं। बच्छड़े खूब रंभाते हैं। उनसे कुछ भी कहो, पर तोते जवाब में अपनी वही लाईन फिर से कहते हैं।

तोते के बारे में तुम और क्या-क्या जानते हो? आपस में चर्चा करके कापी में लिखो। तोते का चित्र बनाकर उसमें रंग भी भरो।

इस कहानी में चार अक्षर वाले पांच-छह शब्द हैं: जैसे - 'सचमुच', और 'बहेलिया'। सभी चार अक्षर वाले शब्द कापी में लिखो और उनका अर्थ ढूंढ़कर उनके सामने लिखो।

तुम्हें ये कहानी कैसी लगी? फिर यह भी पता करो कि तुम्हारी कक्षा में सबको कहानी कैसी लगी। अच्छी लगी तो क्यों? अच्छी नहीं लगी तो क्यों ?

अंग्रेज़ी के अंक

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

यहां एक से दस तक की गिनती दो तरह से लिखी है। ये दोनों ही तरीके हमारे देश में उपयोग किए जाते हैं। इन दोनों को एक ही तरीके से बोला जाता है- यानि एक, दो, तीन, चार, पांच. . . . । सिक्कों, रुपयों और डाक-टिकिटों पर तुम्हें नीचे वाले तरीके से लिखे अंक ही मिलेंगे। दोनों तरीकों में एक से नौ लिखने के लिए अलग-अलग प्रतीक हैं। जैसे-

इन अंकों में १ (एक) ऐसे लिखा है – 1

९ (नौ) ऐसे लिखा है – 9

अब तुम बताओ

पांच(५) कैसे लिखा है ----

छह(६) कैसे लिखा है ----

सात(७) कैसे लिखा है ----

दस (१०) कैसे लिखा है ----

४0 कैसे लिखोगे? ----

५५ कैसे लिखोगे? ----

२४ *कैसे लिखोगे?* ----

1		3	4	5		7		9	
	12			15	16		18		20
21		23	24		26	27		29	
31		33		35		37			40
	42			45		47		49	
	52	53		55	56			59	60
61			64		66		68		70
	72	73			76		78		
	82		84	85			88	89	
91		93			96	97			100

ऊपर दूसरे प्रकार के अंकों में एक से सौ तक की गिनती लिखी है। पर इसमें कई खाली स्थान हैं -- वहां सही संख्या भरो। याद रहे नए अंक ही उपयोग करने हैं। जैसे 31 और 33 के बीच 32 लिखना है, ३२ नहीं।

इन नए अंकों और इनसे लिखी संख्याओं को ध्यान से देखो और इनका खूब अभ्यास करो। आगे से हम इन्हीं अंकों का उपयोग करेंगे – इस पुस्तक में कहीं-कहीं, और आगे की पुस्तकों में और ज़्यादा।

वैसे इस पुस्तक के पृष्ठ क्रमांक भी इन्हीं नये अंकों का उपयोग करके लिखे गए हैं। नीचे दिए पृष्ठ क्रमांक वाले पन्नों पर क्या-क्या है? ढूंढकर बताओ – (इन पर कौन-कौन से चित्र हैं)

१६	२४	३७	५९	४४	६५	३५	७
सोलह	चौबीस	सैंतीस	उन्नसठ	चव्वालिस	पैंसठ	पैंतीस	सात

बेर और सींक

बेर और तिनके या सींक से चीज़ें बनाओ – जैसे चिड़िया, घोड़ा वगैरह। आंख व चोंच के लिए माचिस की काड़ी, राई व छोटे बीजों का इस्तेमाल करो।
तिनके के नुकीले सिरे से बेर पिरोओ, लेकिन गुठली से बचाकर।

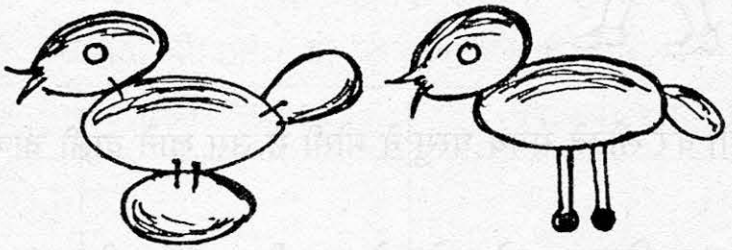

एक तिनके या सींक के तीन बराबर-बराबर टुकड़े कर लो।
तीन छोटे बेर लो और तीनों सीकों में एक-एक डालो। इन तीनों पिरोए बेरों को एक बड़े बेर में चित्र के अनुसार डालो।

मुंह, आंख व पैर बनाने के लिए - मोती, माचिस की काड़ी, पत्तियों के टुकड़े आदि का उपयोग करो।

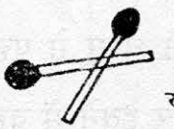
माचिस की काड़ी

राई का बीज

छोटे बीज

फूल की पंखुड़ियां

चिड़ियों के छोटे पर

पेड़ की पत्तियां

बांस की खपच्ची

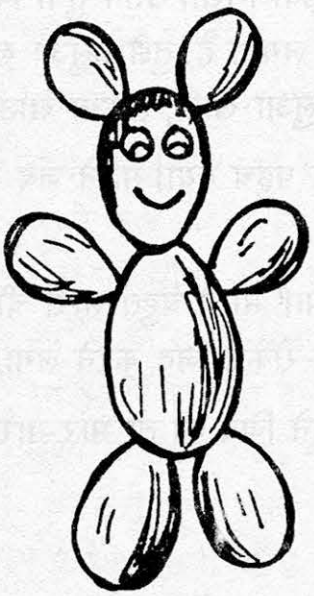

माचिस की काड़ी से चोंच और मसाले वाले भाग से आंख बना सकते हो।

बेर की जगह पर कोई भी नरम गोल चीज़ ले सकते हो, जिसमे तिनका पिरोया जा सके।

हमारे आस-पास बहुत सारी चीज़ें हैं। इनमें से ऐसी चीज़ें पहचानो जिनसे कुछ बन सके। इनको इकट्ठा करके लाओ। इनसे जो भी बन सके बनाओ।

घस्सु और चटनी

घस्सु का पूरा नाम घासीलाल था। लोग प्यार से उसे घस्सु कहकर पुकारते थे। घस्सु सब काम तो ठीक करता था, पर था बड़ा भुलक्कड़। कोई भी बात इस कान से सुनी और उस कान से निकाल दी। थोड़ी ही देर में पूछो, "क्या सुना?" तो कहता - "भूल गया"।

घस्सु एक दिन अपनी मौसी के घर गया। मौसी ने उसे बड़े प्यार से लहसुन-मिर्च की चटनी और रोटी खिलाई। घस्सु को चटनी बहुत अच्छी लगी। उसने पहली बार चटनी खायी थी। घर लौटते समय घस्सु ने मौसी से उस खाने वाली चीज़ का नाम पूछा। मौसी ने कहा - "चटनी"।

घस्सु को डर था कि वह चटनी नाम न भूल जाएगा। इसलिए वह ज़ोर-ज़ोर से "चटनी खाऊं" कहते हुए घर की तरफ बढ़ने लगा।

रास्ते में एक आदमी मिला। उसने घस्सु से पूछा "कहां जा रहे हो?"

घस्सु ने कहा- "घर और कहां।" पर इतने में वह भूल गया कि वह क्या कह रहा था। वह उस आदमी से लड़ने लगा कि तुमने मुझे गड़बड़ा दिया। आदमी ने कहा "खीर से स्वादिष्ट कुछ नहीं होता। जरूर तुम्हारी मौसी ने तुम्हें खीर खिलाई होगी।" घस्सु ने खुश होकर कहा वाह यह तो बढ़िया बात है।

वह "खीर खाऊं, कीर खाऊं," कहता हुआ आगे बढ़ा। थोड़ी दूर पर उसे एक बुढ़िया मिली। उसने सुना कि ये खीर खाऊं, कीर खाऊं बोल रहा है। वह घस्सु से बोली- "खीर से अच्छा हलुवा लगता है, तुझे हलुआ खाऊं बोलना चाहिए। तू भूल गया होगा कि मौसी ने तुझे क्या खिलाया था। बोलो-"हलुआ खाऊं, हलुआ खाऊं।"

अब घस्सु बोलने लगा - "हलुआ खाऊं, हलुआ खाऊं।" यही कहते-कहते घस्सु घर पहुंच गया। मां ने जब उसे "हलुआ काऊं, हलुआ काऊं" कहते सुना तो उसके लिए हलुआ बना दिया।

घस्सु ने खाया तो बोला - "ये नहीं, मैं तो वो खाऊंगा, जो मौसी ने खिलाया था।' मां ने बहुत सारी चीज़ों के नाम लिए फिर भी घस्सु को "चटनी" का नाम याद नहीं आया। अब वह रो-रोकर जिद करने लगा।

मां को उस पर गुस्सा आ रह था। मां ने उसे जोर से डांटा और बोली - "यदि तूने जिद की तो मार-मारकर तेरी चटनी बना दूंगी।" घस्सु ने सुना तो खुशी से उछल पड़ा। मां हैरान थी।
घस्सु बोला मुझे यही तो खानी है "चटनी"।

(1) तुमने कौन-कौन सी चटनियां खाई हैं? उनके नाम लिखो। साथ में यह भी लिखना कि किस चीज़ से बनी थी। अगर हो सके तो नीचे की तालिका भरो

क्र.	चटनी का नाम	क्या-क्या डलता है	रंग	तुम्हें कैसी लगती है

(2) सबसे ज़्यादा चटनी किस मौसम में खाते हो?
कौन-सी चटनी ज़्यादा खाते हो?

(3) अपने घर में पता करके किसी एक चटनी के लिए ज़रूरी सामग्री एवं सामान की सूची बनाओ। इसी चटनी को बनाने का तरीका अपनी कापी में लिखो।

(4) किन-किन चीज़ों का अचार डालते हैं, घर से पता करके कापी में लिखो।

(5) घासीलाल की क्या खास बात थी?
लोग उसे किस नाम से पुकारते थे?
अपने कुछ दोस्तों का सही नाम व उसके सामने उनकी खास बात भी लिखो।

(6) घस्सु की मौसी और घस्सु की मां में क्या रिश्ता होगा?

(7) घर लौटते समय घस्सु को कौन-कौन मिला। क्रम में लिखो।

(8) इन शब्दों का क्या अर्थ होता है? इन्हें उपयोग कर कापी में वाक्य बनाओ।
खुशी से उछल पड़ा, मार-मारकर चटनी बना दूंगी, इस कान से सुनी उस कान से निकाल दी।

(9) अगर तुम घस्सु की जगह होते तो चटनी नाम कैसे याद रखते।

(10) चटनी, हलवा और खीर को कहानी के क्रम में जमाओ।

फाड़ो कागज़

कागज़ का एक चौकोर टुकड़ा लो और उसे बीच से मोड़ो। अब नीचे के चित्रों को ध्यान से देखो।

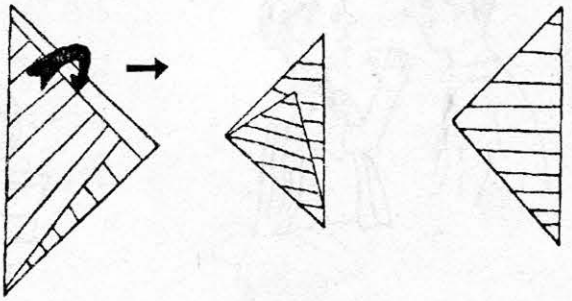

इनमें से कोई भी बिन्दी वाली लकीर चुनकर अपने मुड़े हुए कागज़ पर बनाओ। उसके बाद मुड़े हुए कागज़ को बिन्दी वाली लकीर पर काटो। उसे खोलो और जो भी आकृति बनी हो उस पर रंग भरो।

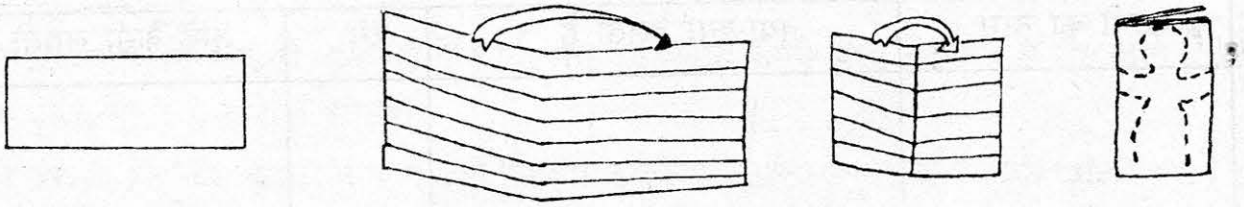

अब एक आयताकार कागज़ लो। उसे आधे में मोड़ लो। मुड़े कागज़ को एक बार और मोड़ो। अब इस पर ऐसी आकृति बनाओ जैसी कि नीचे के चित्र में बनी है। बिंदुओं पर से कागज़ को फाड़ो। अब कागज़ को खोलकर देखो।

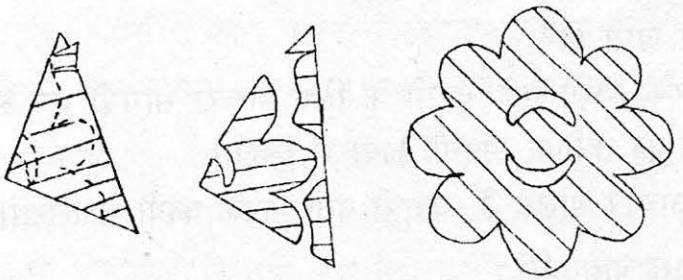

नीचे दी गई आकृतियां भी बनाने की कोशिश करो। कागज़ को अलग-अलग तरह से मोड़कर नई-नई आकृतियां बनाओ और फाड़कर देखो कि क्या बना।

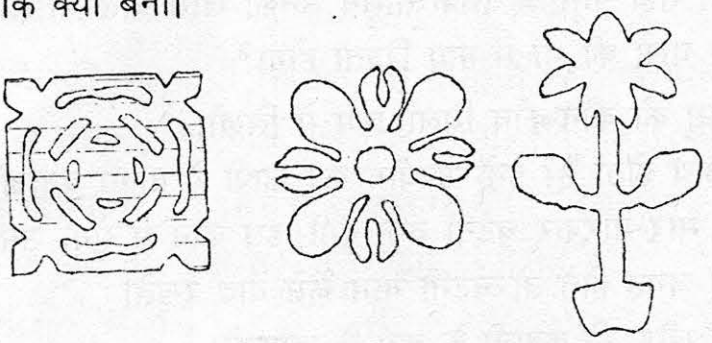

हरकत - बरकत

१- एक गिलास में ऊपर तक पानी भर दो। जब उसमें ज़रा भी और पानी नहीं आ सकता हो तो उसमें किनारे से धीरे-धीरे एक सिक्का डालो। मेरा दावा है कि सिक्का पानी में डूब जायेगा और पानी छलकेगा नहीं। मेरा यह भी दावा है कि भरे गिलास में कम से कम दस सिक्के डाले जा सकते हैं। कर के देखो, क्या हुआ?

२- एक गिलास को पानी से आधा भर लो। इसमें कंकर डालो। क्या कंकर डाल-डाल कर तुम गिलास का पानी उपर तक ला सकोगे? करके देखो। कितने कंकर लगे?
इस पर आधारित कोई कहानी क्या तुम्हें याद आती है?
उसे कापी में लिखो।
अगर गिलास सिर्फ चौथाई भरा हो तो क्या होगा? कर के देखो।

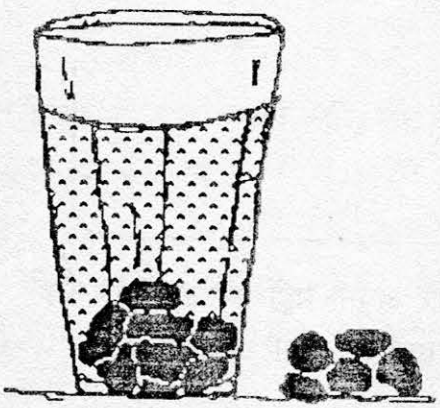

३- एक दरवाज़े की चौखट पर खड़े हो जाओ। अब जैसा चित्र में दिया है उस तरह से हाथ चौखट से सटा लो। दोनों हाथों से चौखट को ज़ोर से बाहर की ओर धकेलने कि कोशिश करो। ढकेलते हुए धीरे-धीरे तीस तक गिनती गिनो।

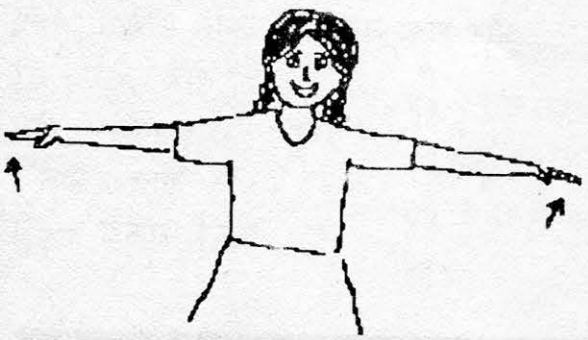

इसके बाद चौखट से हटकर हाथों को ढीला छोड़ दो। तुम्हें लगेगा कि तुम्हारे हाथ अपने आप ऊपर की ओर जा रहे हैं। जैसे हवा में उड़ रहे हों। आया न मज़ा?

कविता के लिये चित्र बनाओ

यह है गंजूराम पटेल

लगा रहा था सिर में तेल

छूट गई इतने में रेल

चूहेदानी में एक शेर

खाने पड़ते सूखे बेर

वज़न रह गया ढाई सेर

- नीचे के सवालों पर चर्चा करो और अपनी पट्टी पर उत्तर लिखो।
  रेल कैसे छूट गई? शेर का वज़न ढाई सेर क्यों रह गया ?

नीचे एक चित्र है। चित्र में आने वाले तुकबंदी के शब्द भी लिखे हैं।
अब तुम चित्र पर कविता बनाओ

आग जाग भाग

और शब्द बनाओ - उनसे कविता सोचो।

शेर - बेर - सेर

रेल - तेल - खेल

चाल - बाल -

लकड़ी मकड़ी ककड़ी

क्या तुम मेरी अम्मा हो?

एक बार एक चूज़ा जब अपने अंडे से निकला तो उसकी मां वहां पर नहीं थी। उसे अपनी मां कहीं दिखी ही नहीं।

चूज़ा उठ कर चला अपनी मां को ढूंढने। पहले पहले तो उसके कदम लड़खड़ा रहे थे, पर धीरे-धीरे संभल गये।

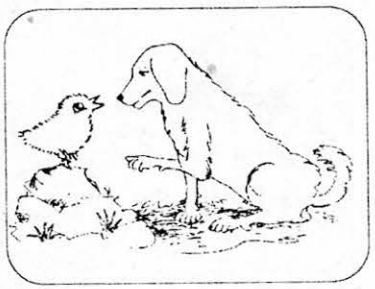

कुछ दूर पर जा कर चूज़े को एक कुत्ता मिला।
कुत्ते को देखकर चूज़े ने कहा- क्या तुम मेरी अम्मा हो?

कुत्ते ने कहा - नहीं, मेरे तो चार पैर हैं। तुम्हारी अम्मा के तो सिर्फ दो पैर हैं

चूज़ा आगे बढ़ा। एक मोड़ पर जा कर उसे एक लड़का मिला।
चूज़े ने कहा - तुम्हारे तो दो ही पैर हैं। ज़रूर तुम ही मेरी अम्मा हो।

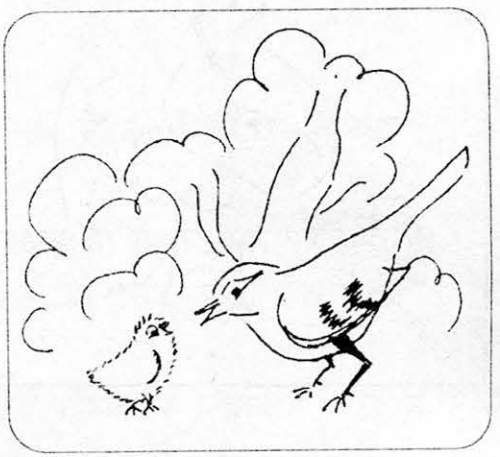

लड़के ने कहा - नहीं नहीं, मेरे तो पंख ही नहीं हैं। तुम्हारी अम्मा के तो दो पंख हैं।

चूज़ा आगे बढ़ा। एक पेड़ के पास उसे एक काला कबूतर मिला। चूज़े ने कहा - अहा, तुम्हारे तो दो पैर और दो पंख हैं। ज़रूर तुम ही मेरी अम्मा हो।

पर काले कबूतर ने कहा- मेरी चोंच तो स्लेटी रंग की है। तुम्हारी मां की तो पीली भूरी चोंच है।

चूज़ा आगे बढ़ा। रायमुनैया की एक झाड़ी के पास उसे एक मैना मिली।

चूज़े ने कहा- तुम ही हो मेरी अम्मा। तुम्हारी पीली भूरी चोंच है, दो पंख हैं, दो पैर हैं। ज़रूर तुम ही हो मेरी अम्मा।

पर मैना ने कहा - नहीं नहीं, मैं तो मैना हूं। तुम्हारी अम्मा मुझसे काफी बड़ी है।

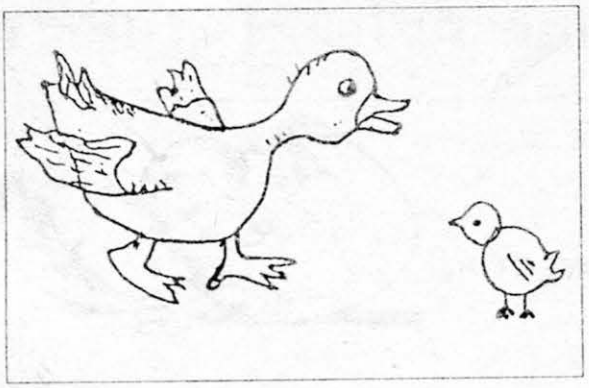

चूज़ा फिर से आगे बढ़ा। एक पानी के डबरे में उसे दिखी बत्तख। चूज़ा बहुत खुश हुआ। चिल्लाया - मिल गई।

तुम ही हो मेरी अम्मा। मैना से बड़ी हो, तुम्हारी पीली भूरी सी चोंच है, दो पंख हैं, दो पैर हैं।

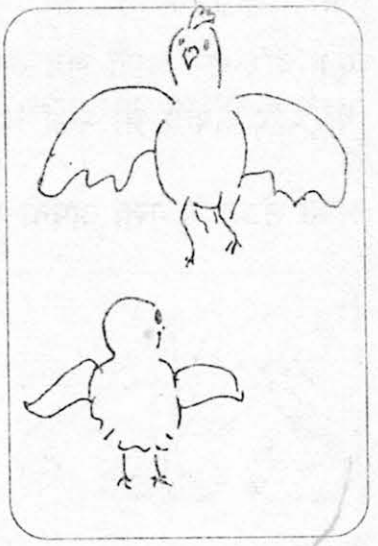

पर बत्तख ने कहा - क्वैक क्वैक, नहीं नहीं, मैं तो बत्तख हूं। मैं बोलती हूं क्वैक क्वैक, और तुम्हारी मां तो कौं-कौं-कौं बोलती है।

बेचारा चूज़ा बहुत निराश हुआ। उसकी आंखों में आंसू निकलने लगे। तभी आवाज़ सुनाई दी - कौं-कौं-कौं।

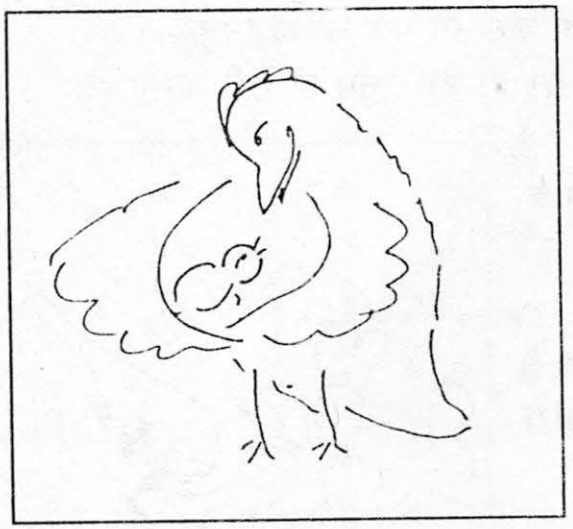

चूज़े ने देखा कि जो कौं..कौं..कौं की आवाज़ निकाल रही थी, वो मैना से बड़ी थी, उसके पीली भूरी चोंच थी, दो पंख थे, दो पैर थे।

वो दौड़ा-दौड़ा उसके पास गया और बोला - तुम ही मेरी अम्मा हो ना?

मुर्गी ने उसे अपने पंखों में समेटते हुए कहा - हां, मैं ही तुम्हारी अम्मा हूं।

.....

नीचे यही कहानी दी हुई है। उसे देखो:

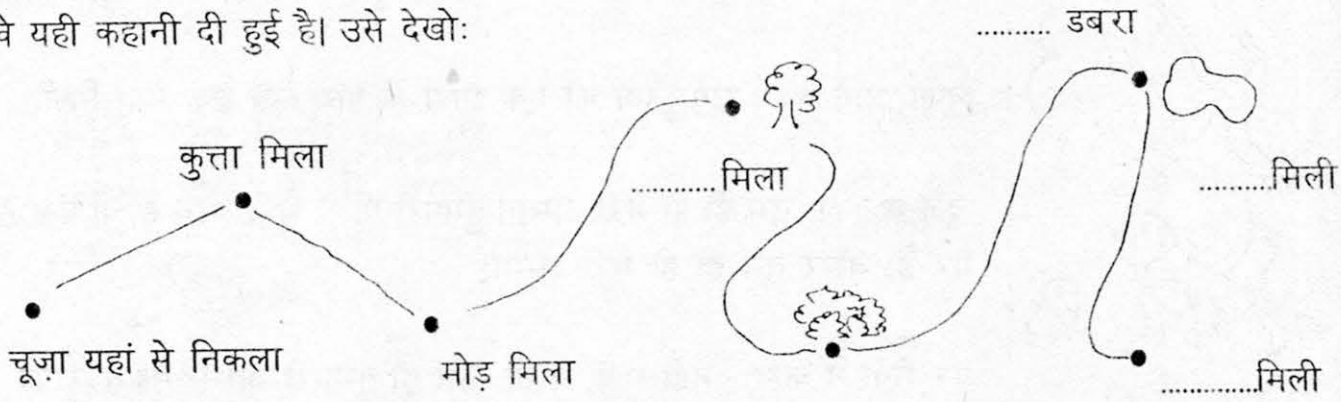

● क्या तुम भी ऐसी कहानी बना सकते हो?

नीचे के नक्शे की मदद से बगुले की कहानी आगे बढ़ाओ

एक बार जब एक चूहे के बच्चे की आंख खुली तब उसकी मां उसके पास नहीं थी। वह घबरा कर अपनी मां को खोजने निकल पड़ा। कुछ दूर पर उसे एक मछली मिली -

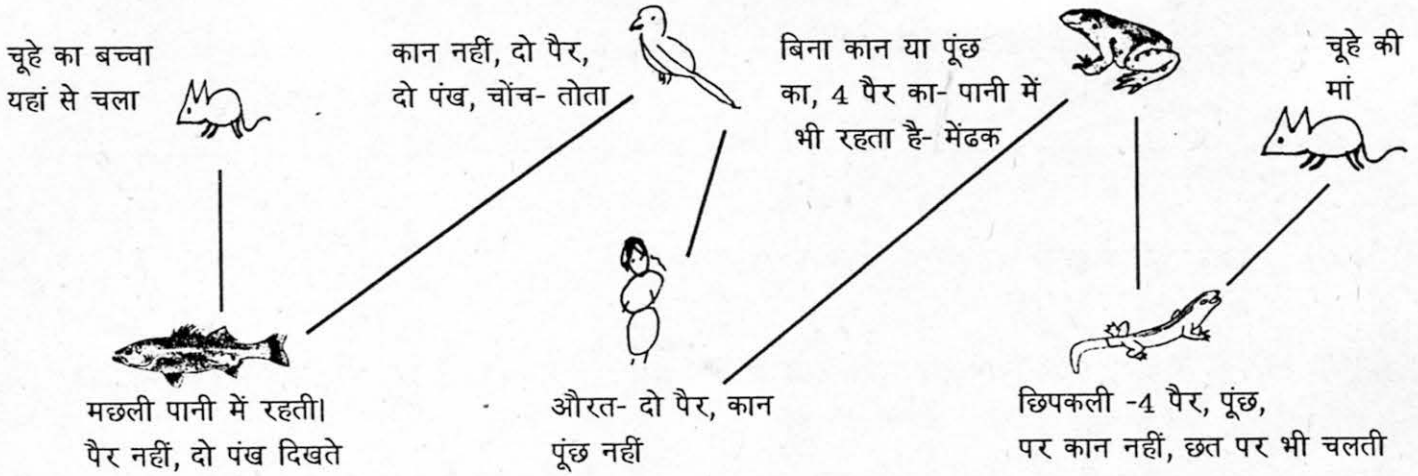

● देखो मैंने कछुए के बारे में कुछ बातें लिखी हैं-

कछुआ
पानी में रहता
चार पैर का
कड़ी पीठ का
धीरे-धीरे चलता

अब मैं कछुए के बारे में एक पैराग्राफ लिखता हूं

कछुआ पानी में रहता है। उसके चार पैर होते हैं। वह धीरे-धीरे चलता है। उसकी कड़ी पीठ होती है।

अब तुम्हारी बारी है, छिपकली के बारे में पैराग्राफ लिखो

● नीचे छिपकली के बारे में कुछ चीज़ें लिखी हैं

पीले रंग की
दीवार पर चलती
कड़ी पूंछ हिलाती
.....
.....

● *अपनी पट्टी या कापी में इनके बारे में पैराग्राफ लिखो (एक पैराग्राफ यहां भी लिखो) -*

बिच्छू, केंकड़ा, उल्लू, नेवला, टमाटर, आम, मछली, गुलाबजामुन, साईकिल

– टोली बनाकर इस कहानी का नाटक खेलो।

– चूज़ा अंडे से निकलता है। क्या कुत्ता भी अंडे से निकलता है? पता करो कि और कौन-कौन से जीव चूज़े के समान अंडे से निकलते हैं और कौन से नहीं।
इन सब के नाम कापी में दो स्तंभों वाली एक तालिका -चूज़े समान और कुत्ते समान, बनाकर भरो।

● **तालिका भरो** - कहानी में कौन-कौन से जीव आए हैं? उनके नाम लिखो और उनके बारे में तालिका में पूछी गई चीजें भरो। और भी जीवों के नाम लिखकर उनके बारे में भी कापी में तालिका बना कर लिखो।

जीव का नाम	कितने पैर	रंग	पंख	कैसी आवाज़?	क्या खाता/खाती है?

- कहानी में दिए चित्रों में जो दिख रहा है, उनके नाम लिखो।
- इस कहानी के आधार पर बताओ कि मुर्गी कैसी होती है? (बोलकर और लिखकर)

दिनांक

कक्षा के पुस्तकालय से कुछ किताबें पढ़ने के बाद इस पन्ने पर दिए सवालों के उत्तर दो।

आज मैंने पुस्तकालय से एक किताब पढ़ी।

किताब का नाम था ..... ।

मैंने अब तक ..... किताबें पढ़ी हैं, यह मेरी ..... किताब थी।

- ये किताब कितने पन्नों की थी? क्या तुम उसे पूरा पढ़ पाए?

- यह किताब तुम्हें कैसी लगी? क्यों?

- क्या इस पुस्तक में चित्र थे? कितने चित्र थे?

- किस-किस चीज़ के चित्र थे? कैसे लगे? सबसे अच्छा चित्र कौन सा लगा?

- क्या इस किताब में कुछ ऐसा था जो तुम्हें समझ नहीं आया हो?

- इस किताब में किसके बारे में लिखा गया था?

इसी तरह से और किताबों को पढ़कर उनके बारे में भी लिखो। जब भी तुम कोई किताब पढ़ो तो उसके बारे में अपनी कॉपी में लिखना।

तनजीर

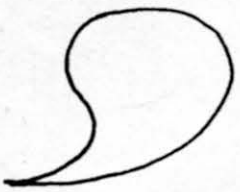

यहां कुछ आकृतियां बनी हैं। इन्हें हम तनजीर कहेंगे। तनजीर एक तरफ से नुकीला होता है और दूसरी तरफ से गोल।

कुछ तनजीर मोटे होते हैं। कुछ पतले होते हैं। कुछ लम्बे होते हैं।

यहां मैंने तनजीरों से चित्र बनाए हैं। तुम्हें हर चित्र में जो-जो भी तनजीर दिखे उन्हें गाढ़ा कर दो। देखो कि तुम भी तनजीरों से नए चित्र बना सकते हो या नहीं।

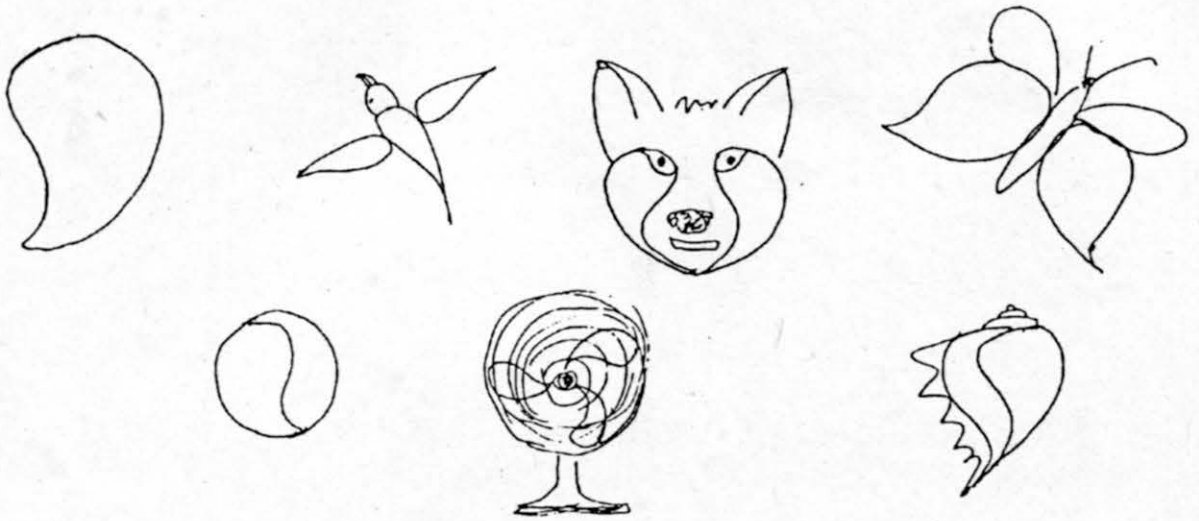

दो तनजीरों को मिलाकर ऐसी आकृति बनती है।

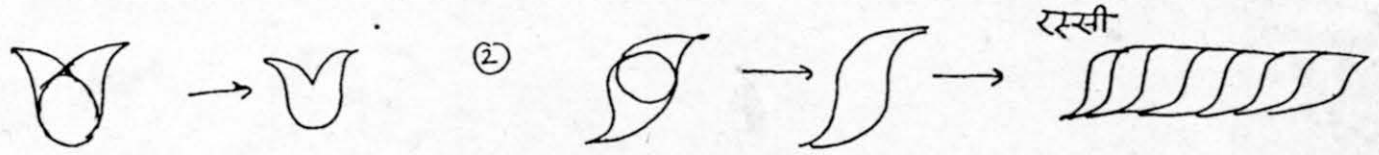

तीन और चार तनजीरों को भी मिलाया जा सकता है। ऐसे और तनजीर मिलाकर चित्र बनाओ।

तुम्हारे आसपास कौन सी चीज़ें हैं जो तनजीर के समान हैं?

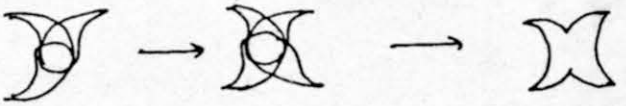

मैने कुछ आकृतियां बनाई है उन्हें देखकर सोचो कि इनका क्या नाम हो सकता है। प्रत्येक आकृति के नीचे उसके लिए सोचा नाम लिखो।

चाचा जी हमारे - 1

चादर ओढ़ के चाचा जी
रात को बनते भूत
लगा पैर पर बाजा जी
घूमा करते खूब।

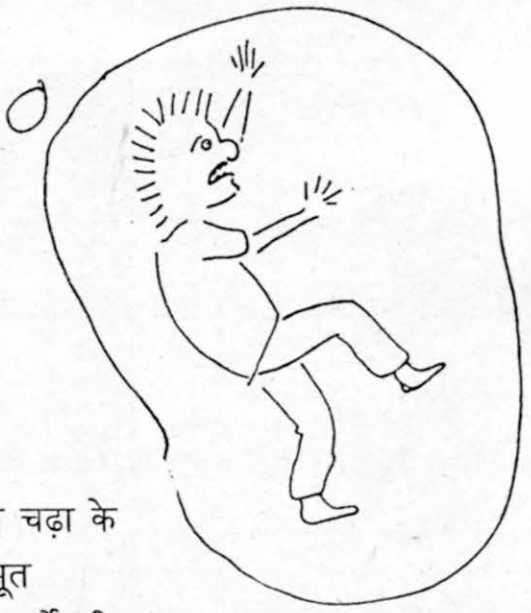

सींग लगा के, आंख चढ़ा के
रात को बनते भूत
सुनी बांग जो मुर्गे की
लाने जाते दूध।

एक बार चाचाजी ने अपने पड़ोसी को डराने की सोची। पड़ोसी अकेला था, इसलिये उन्हें लगा कि उसे डराया जा सकता है। उन्होंने वहीं अपनी चादर ओढ़ी, सिर पर सींग बांधे और पैरों पर बाजा लगाया।

फिर आधी रात को वो पड़ोसी के फाटक पर पहुंच कर हो गये शुरू। पैरों पर बंधे धुंधरू हिलाते और अपने हाथ में रखा पोंगा बजाते पैं-पैं और मैं-मैं चिल्लाते चाचाजी।

पड़ोसी ने आवाज सुनी कुछ सोते, कुछ जागते हुए। सोचने लगा क्या होगा ये? तभी उसे याद आया कि उसकी सफेद गाय आज लौटी ही नहीं थी। ज़रूर वही आई होगी, आ कर वही आवाज़ कर रही होगी।

पड़ोसी आधी नींद में चल कर बाहर आया। बाहर रोशनी बहुत कम थी, उसे सफेद शरीर दिखा, सींग भी नज़र आये, झालर की आवाज़ सुनाई दी। उसने हाथ मारा और पकड़ लिया एक पैर। बस देर किस बात की, उसने झट खूंटे से बांध दिया और अपने बिस्तर पर वापस चला गया। खूंटे से बंधी चीज़ रात भर आवाज़ करती रही, पर पड़ोसी तो सोता ही रहा।

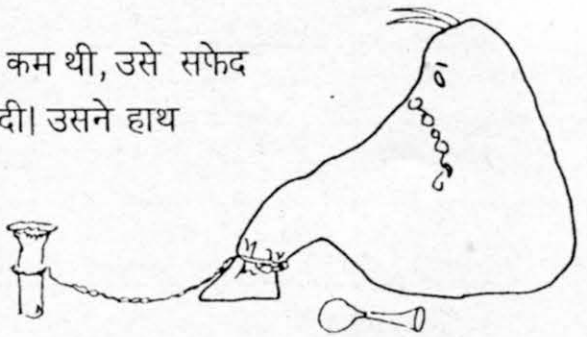

दिनांक

1. भूत कौन बना था? पड़ोसी, बकरी, गाय या चाचाजी। ----------

---

2. चाचाजी को उसी दिन क्यों लगा कि पड़ोसी डर जाएगा? ----------

---

3. पडोसी ने आवाज़ सुन कर क्या किया? ----------

---

4. बाहर आने पर पड़ोसी को क्यों लगा कि चाचाजी सफेद गाय है? ----------

---

5. चाचाजी ने भूत बनने के लिए क्या-क्या तैयारी की थी? ----------

---

6. रात को खूंटे से कौन बंधा रहा? ----------

- सुबह आकर पड़ोसी ने क्या दृश्य देखा होगा?
- अगर चाचाजी मैं मैं की जगह, हो-हो-हो चिल्लाते तो क्या होता?
- क्या तुमको किसी ने डराया? और तुम डर गए थे क्या? क्या हुआ बताओ।
- क्या तुम्हें लगता है कि भूत होते हैं? आपस में और गुरूजी से चर्चा करो। चर्चा के बाद अपना मत लिखो।

जोड़-घटा का खेल

यहां पर चार चौकोर दिए हैं। इन चौकोरों में कई खाने बने हैं। कुछ सफेद हैं और कुछ तिरछी लाइन वाले हैं।

इन पर तुम अपने साथियों के साथ कई खेल खेल सकते हो। हम कुछ खेलों को खेलने के तरीके बता रहे हैं। इन खेलों में 2 से 4 जन खेल सकते हैं।

बाहर से 15-15 कंकड़/काड़ी/इमली के बीज ले आओ। ये कंकड़ या बीज ऐसे होने चाहिए जो कि एक खाने पर रखे जा सकें।

अब दो रुप्पे या पांसे लो। तुम गुरुजी से कागज़ से पांसे बनाना सीख सकते हो। फिर घर पर भी ये खेल खेल सकते हो। (हर पांसे पर 1 से 6 तक अंक हों।)

8	2	7	3	1
5	9	8	6	3
4	12	10	11	2
10	4	6	7	0
0	1	3	5	4

12	4	10	8	0
5	11	7	2	1
9	3	6	4	2
6	10	8	7	3
0	3	1	5	4

5	10	8	7	1
11	4	2	12	0
6	7	10	9	3
8	6	4	3	2
3	1	0	5	4

4	8	6	11	1
2	7	5	10	4
7	10	4	3	3
6	12	9	8	0
3	5	1	0	2

जोड़ का खेल

सब खिलाड़ी ऊपर के चौकोर में से एक-एक चुन लो।

इस खेल में *केवल सफेद खानों* का उपयोग होगा। बारी-बारी करके दोनों पांसे इकट्ठे चलो। तुम्हारी बारी में दोनों पांसों पर जो-जो अंक आए उन्हें जोड़ लो। यदि जोड़ वाला अंक तुम्हारे चौकोर में है तो उस पर एक बीज या कंकड़ रख दो।

जैसे यदि 3 और 4 आया तो जोड़ हुआ 7, मैं पहले चौकोर में 7 पर कंकड़ रखूंगा ।

अब दूसरे की बारी है। पांसे पर आए अंकों का जोड़ देखकर उस अंक को अपने चौकोर पर ढंकना है।

जिसके चौकोर पर एक ही लाइन में 4 अंक सबसे पहले ढक जाएं वह जीतेगा। लाइन खड़ी, पड़ी या तिरछी हो सकती है।

जोड़ व घटाने का खेल

इस खेल में सफेद व तिरछी लाइन वाले खानों का उपयोग होगा। उसी तरह दो पांसे चलने हैं। दोनों पासों पर आए अंकों को *जोड़ने या घटाने* पर जो अंक आए उसे ढंक सकते हो।जैसे 5 और 3 आया तो 8 या 2 ढंक सकते हो, पर दोनों नहीं। पर हां, अब *पांच अंकों* को एक लाइन में ढंकना है खड़ी, पड़ी या तिरछी लाइनों में।

यात्रा

एक पान का पत्ता
जा पहुंचा कलकत्ता
पकड़े अपना मत्था
मिला वहां पर कत्था

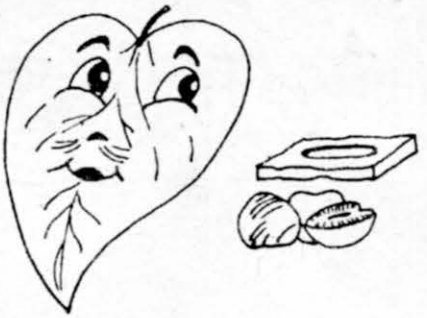

आगे मिली सुपारी
सबने की तैयारी
पहुंचे फिर सब पूना
लगा वहां पर चूना

(सूर्यकुमार पांडेय)

1. कविता का लेखक कौन है?

2. पान का पत्ता कलकत्ता कैसे पहुंचा होगा? पूना पहुंचने के लिए सबने क्या तैयारी की होगी?

3. नीचे की कविता को आगे बढ़ाओ (कील, वकील) -

एक घोड़े की नाल
जा पहुंची नेपाल .....

4. (क) कलकत्ता में पान के पत्ते को मिली टुलटुल। उसने कहा -

नोमोश्कार! तोमार नाम की? तुमि कोथा होते आश्छो? आमार नाम टुलटुल बीस्वास। आमि कलकत्ता थाके।

टुलटुल ने क्या कहा? अपनी भाषा में और हिंदी में लिखो।

(ख) पूना में एक मराठी बस कंडकटर ने पान के पत्ते से कहा - नमस्ते। तुझे नाव काय आहे? तू कोहून आलास? माझे नाम गणपतराव आहे। मी पुण्यात रहातो।

(ग) कई दिनों बाद पान का पत्ता मद्रास भी गया। मद्रास में एक तमिल चाय वाले ने उससे कहा -

वणक्कम्! उन्न पेर एन्ना? नी इंगे एन्द वरै? एन पेर शंकर। ना मद्रास लै इरकेन।

कंडक्टर और चाय वाले ने क्या कहा? अपनी भाषा में और हिंदी में लिखो।

(घ) अगर वो पान का पत्ता भोपाल आयेगा तो . . .

- ऊपर बने चित्रों में क्या-क्या दिखाया है? नाम लिखो।
- तुम कहां-कहां यात्रा पर गए हो? वहां तुमने क्या-क्या देखा, किससे मिले, सबके बारे में लिखो।

निशानेबाज़ मछली

क्या तुम्हें पता है? एक ऐसी मछली होती है जो निशाना लगाकर कीड़ों को पकड़ती है? इस मछली को **आर्चर फिश** यानी तीर चलाने वाली मछली के नाम से जाना जाता है। पर यह तीर से नहीं पानी से निशाना लगाती है।

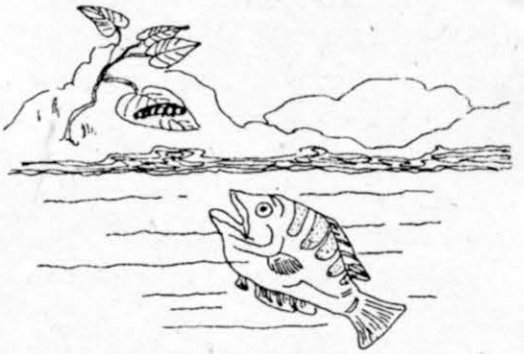

देखो यहां आर्चर फिश को तैरते-तैरते पानी के ऊपर लटके पेड की पत्ती पर एक इल्ली दिखी।
उसने झट पानी की एक पिचकारी मारी और इल्ली मछली के मुंह में आ गिरी। और मछली उसे गप कर गई।

निशानेबाज़ मछली पानी का तीर कैसे बनाती है।
इस मछली के ऊपरी जबड़े में एक लंबा गड्ढा सा रहता है। इसी जबड़े के नीचे अपनी जीभ लगाकर वह उसे एक छोटे पाइप की तरह बनाती है। फिर जब वह ज़ोर से अपना मुंह दबाती है तो पानी का एक तीर जैसा निकलता है। आर्चर फिश का निशाना बहुत सधा हुआ होता है और बहुत ही कम चूकता है।

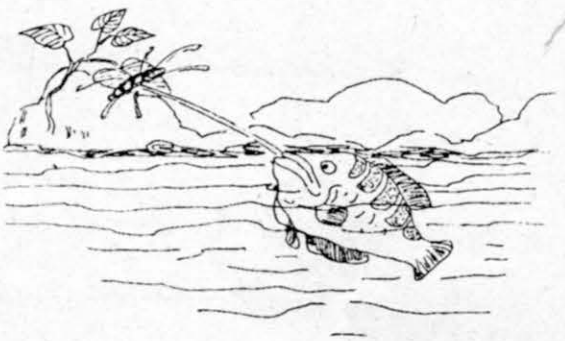

- *सही गलत छांटो*
  (क) आर्चर फिश एक घोड़ा है।
  (ख) निशानेबाज़ मछली कीड़े खाती है।
- निशानेबाज़ मछली के बारे में तीन वाक्य लिखो।

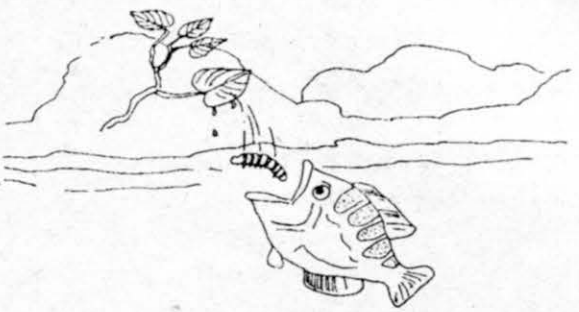

- इन शब्दों से वाक्य बनाओ : निशाना, सधा, पाइप, चूकता

- नीचे दिए वाक्यों में रेखांकित शब्द किसके बारे में है :

1) उसने झट पानी की एक पिचकारी मारी तो इल्ली नीचे आ गिरी। मछली उसे गप कर गई।
2) जबड़े के नीचे अपनी जीभ लगा कर वह उसे एक छोटे पाइप की तरह बनाती है।

मेरी गली, तुम्हारी गली

मेरा गांव काफी बड़ा है। उसमें बहुत से घर हैं, दुकाने हैं, खेत भी हैं। इस गांव में बहुत सी गलियां हैं। बड़ी-छोटी, चौड़ी भी और संकरी भी। मैं जिस गली में रहती हूं उसका नक्शा दे रही हूं।

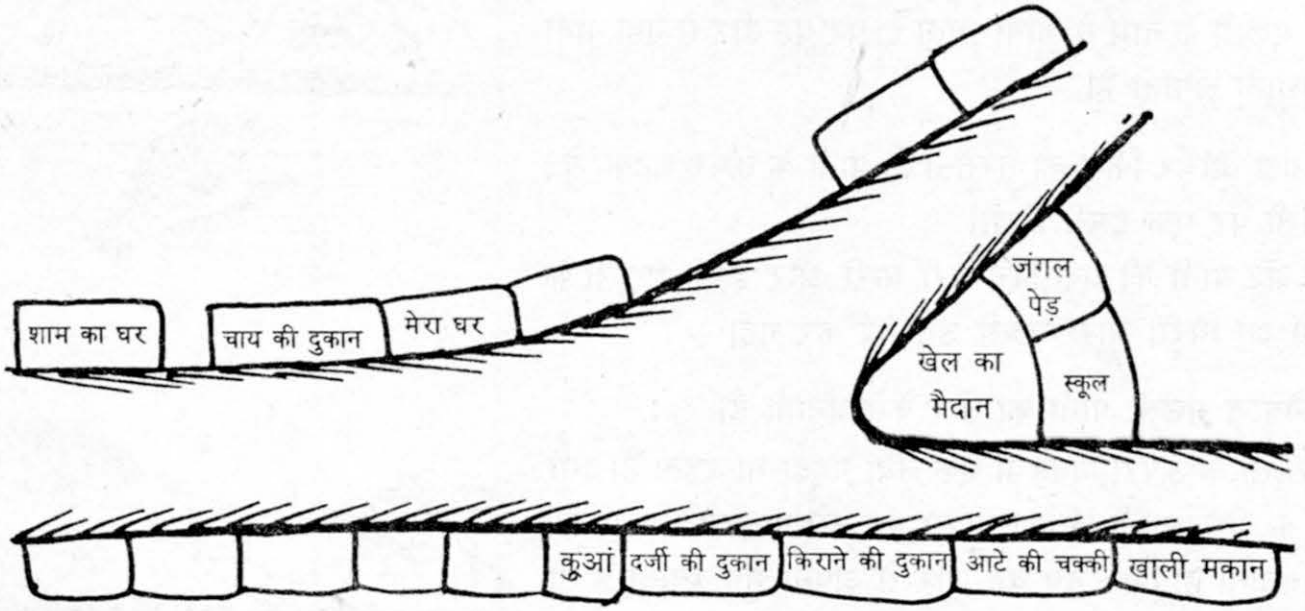

ऊपर बने गली के नक्शे के बारे में वाक्य अपनी कापी में लिखो।

जैसे - *मेरी गली में एक दर्जी की दुकान है।*
दर्जी की दुकान के साथ में शाम का घर है।

● अपनी गली का ऐसा ही नक्शा बनाओ। घर पहुंचकर नक्शे को अपनी गली से मिला कर देखो।
क्या तुमने हर दुकान मकान और सभी चीज़ें बनाई हैं? अगर कुछ छूट गया हो तो अभी बना लो।

मेरे नक्शे और अपने नक्शे में बनी चीज़ों व जगहों के लिए उपयुक्त चिन्ह सोचो। कापी में इन चिन्हों का इस्तेमाल कर यह नक्शे बनाओ।

उदाहरण

कुआं

घर

पेड़

ऐसे चिन्ह सभी दर्शायी जगहों। चीज़ों के बारे में सोचो।

पौधे और फूल

गुड्डी ने सामने बने पौधे के बारे में दो वाक्य लिखे। चित्र देख कर तुम और वाक्य जोड़ो।

भिन्डी का पौधा

यह भिन्डी का पौधा है।

इस पौधे की पत्तियां गोल हैं।

_____

_____ *कुछ और वाक्य इस पौधे*

_____ *के बारे में भी लिखो।*

यह टमाटर का पौधा है।

टमाटर का पौधा

इसकी पत्तियों के किनारे कटे हैं।

_____ *दोनों पौधों में क्या-क्या फर्क है बात करके पता करो।*

_____ *ऐसे ही और पेड़ों, पौधों के बारे में वाक्य लिखो*

_____ *और उनके चित्र बनाने की कोशिश करो।*

तुम्हें अपने दोस्त को बताना है कि गुड़हल का फूल कैसा दिखता है।

गुड़हल का फूल

दो वाक्य नीचे लिखे हैं। और जोड़ो।

उस फूल का रंग लाल है।

इसकी पंखुड़ियां बड़ी-बड़ी हैं।

_____

_____

_____

गुड़हल के फूल के बारे में तीन ऐसी लाईनें लिखो जिनमें इसका नाम न हो। लेकिन इन तीन लाईनों को पढ़कर कोई भी यह बता सके कि ये किस चीज़ के बारे में है। (पहेली समान)

ऐसी पहेली और फूलों के बारे में भी बनाओ।

बेशरम का फूल

तुमने बेशरम का फूल ज़रूर देखा होगा। उस का चित्र देखो।

_____

_____ बताओ इसमें क्या-क्या दिख रहा है।

_____

_____

खड़ी-आड़ी खेल

खड़ी लाइन

आड़ी लाइन

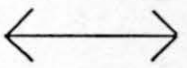

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
२	४	६	८	१०	.....	.....	.....	.....	.....
३	६	९	१२	१५	१८	.....	.....	.....	.....
४	८	१२	१६	२०	२४	.....	.....	.....	.....
५	१०	१५	२०	२५	३०	.....	.....	.....	.....
६	१२	१८	२४	३०	३६	.....	.....	.....	.....
७	१४	२१	२८	३५	४२	.....	.....	.....	.....
८	१६	२४	३२	४०	४८	.....	.....	.....	.....
९	१८	२७	३६	४५	५४	.....	.....	.....	.....
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

ऊपर के चार्ट में संख्याएं लिखी गई हैं। ये संख्याएं एक निश्चित प्रकार से लिखी गई हैं। जैसे पहली खड़ी लाईन में क्रम में १ से १० तक लिखा है। और पहली आड़ी लाइन में भी क्रम से १ से १० तक संख्या लिखी गई हैं। दूसरी खड़ी लाइन में संख्या २-२ से बढ़ रही है।

इसी प्रकार हर लाइन की कोई विशेषता है। हर लाइन की विशेषता पकड़ने की कोशिश करो।

- क्या तुम खाली जगहों में उपयुक्त संख्या भर कर चार्ट पूरा कर सकते हो?

क्या तुमने देखा?

हर खड़ी लाइन जैसी एक आड़ी लाइन है। फिर से देखो। दोनों पर एक जैसी संख्याएं लिखी हैं।

● तीसरी खड़ी लाइन को देखो। इस लाइन जैसी ही संख्याएं किस आड़ी लाइन में लिखी गई हैं ?

बाकी खड़ी लाइनों जैसी ही आड़ी लाइनें ढूंढ़ो।

दूसरी खड़ी लाइन की सभी संख्याओं में २ का भाग पूरा-पूरा जाता है। यानी कि ये सभी संख्याएं २ से **भाज्य** हैं। ऐसी और कौन सी खड़ी लाइन हैं जो २ से भाज्य हैं? देख कर पता करो।

*जिन संख्याओं में २ का भाग पूरा-पूरा जाता है, उन्हें २ के गुणज कहते हैं। यानी कि २ से भाज्य संख्याओं को २ के **गुणज** भी कहते हैं। नीचे दी संख्याओं में २ के गुणज पहचानो।*

१५, १४, १२, ५७, ११, १६, ८, ५

अब ढूंढो

● कौन-कौन सी खड़ी लाइनों की संख्याओं में ३ का भाग पूरा-पूरा जाता है? ये सभी ३ के गुणज हैं।
ऐसी और लाइनें ढूंढो जिनमें किसी दूसरी संख्या, जैसे ७ या ६ या ४ का भाग पूरा-पूरा जाता हो।

● दो खड़ी लाइनें ऐसी हैं, जिनकी संख्याएं ४ से भाज्य हैं। इनमें भूरा रंग करो।

● १० से भाज्य संख्याएं एक खड़ी लाइन में हैं। यह लाइन कौन-सी है?
इसमें हरा रंग करो और पट्टी पर उतारो।

● इसी तरह ५ से, ६ से, ८ से भाज्य संख्याओं वाली लाइनें पहचानो। उन्हें पट्टी पर भी उतारो।

● ७ से भाज्य संख्या वाली लाइन में लाल रंग करो और उसे पट्टी पर उतारो।
ये ७ के गुणज हैं।

● ३ से भाज्य संख्याओं की लाइन में कौन सी संख्याएं ५ से भी भाज्य हैं? इन्हें पट्टी पर उतारो।

● ४ से भाज्य संख्याओं की लाइन में कौन सी संख्याएं ६ से भी भाज्य हैं? इन्हें पट्टी पर उतारो।

● जिन संख्याओं में ४ और ६ दोनों का भाग जाता है, उनमें से सबसे छोटी संख्या कौन सी है?

जिन संख्याओं में ३ और ५ दोनों का भाग जाता है, उनमें से सबसे छोटी संख्या कौन सी है?

♣ **गुणज पहचानो** :- कौन-कौन सी संख्याएं ७ , ५ और ९ की गुणज हैं? इनमें से किनमें ७ और ५ दोनों का भाग जाता है?

क्या कोई ऐसी संख्या भी मिली जिसमें तीनों संख्याओं का भाग जाता है? ढूंढ सको तो ढूंढो।

संबंधित गतिविधि - बच का खेल, समूहों में गिनना, गुणा का अभ्यास।

आंधी

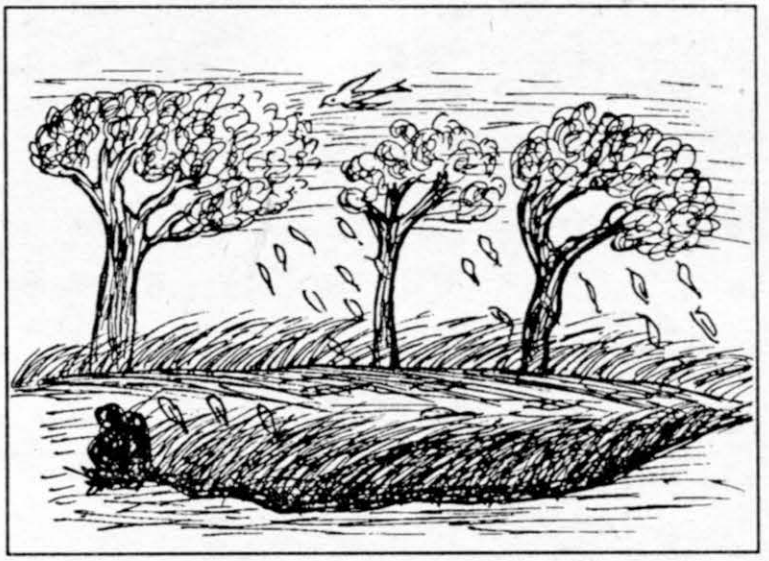

आंधी आई ताबड़ तोड़।
दिये पहाड़ों के सिर फोड़॥
फेंके जड़ से पेड़ उखाड़।
उखड़े कितने झाड़ी झाड़॥
पर तिनका था एक हंसोड़,
बोला आ तू मुझको तोड़॥

(निरंकारदेव सेवक)

1. कविता में आंधी ने क्या-क्या किया?
2. ऊपर बने चित्र में हवा किस ओर बह रही है कैसे पता कर सकते हो?
   और घर पर कैसे पता करोगे?
3. क्या आंधी तिनके को तोड़ पाई होगी? उत्तर का कारण भी बताओ?
4. तुम्हारे आसपास कई बार आंधी आई होगी। आंधी आने पर क्या-क्या होता है?

5. **पैराशूट**

एक प्लास्टिक की थैली को खोल लो। उसमें से जितना बड़े से बड़ा चौकोर टुकड़ा काट सकते हो काट लो।
अब, नाव बनाते समय जैसा कागज़ मोड़ते हैं, वैसा चार परतों में मोड़ लो।

अब इस चौकोर कागज़ पर चित्र में बताए जैसे निशान लगा लो और उस निशान पर से काट लो। अब तुम इसे खोलोगे तो कागज़ गोल आकार में कटा मिलेगा।

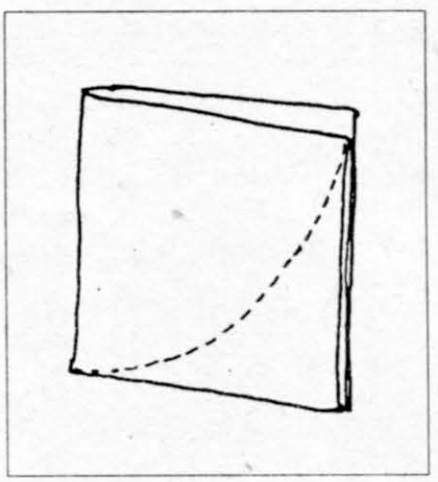

अब इस गोल टुकड़े में समान दूरी पर चार छोटे-छोटे छेद करो।
चार धागे लो। धागे पन्नी से डेढ़ गुना लंबे होना चाहिये। सभी धागे बराबर लंबाई के होना ज़रूरी है। चारों छेदों से एक-एक धागा बांध दो। निचले छोर पर चारों धागों को मिलाकर गांठ लगाओ।

बांधने के पहले देख लो कि सारे धागे बराबर लंबाई के हैं या नहीं, हो सकता है कुछ धागों को काटना पड़े।

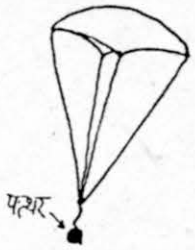

अब इसके नीचे लटकाना है "आदमी" यानी एक छोटा सा पत्थर। पत्थर को धागे से इस तरह से बांधो कि थोड़ा सा धागा बच जाये। इसको चारों धागों वाली गांठ से बांधो।

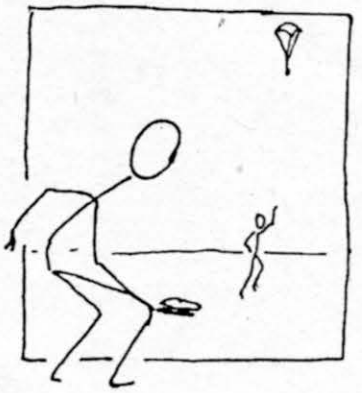

अब समय आ गया है इसे ऊपर फेंकने का। इसे ऊपर फेंकने के लिए पहले पन्नी के छतरी की तरह मोड़ो, जैसा कि चित्र में दिखाया गया है। अब पत्थर को इसके **नीचे** रखो और इस तरह उछालो कि पत्थर पन्नी के नीचे रहते हुए ही ऊपर तक जाये। अगर पत्थर पन्नी के ऊपर हो जायगा तो तुम्हारा पैराशूट खुलेगा नहीं। इसलिये थोड़ा संभाल कर भी रहना - कहीं पत्थर सीधे तुम्हारे सिर पर न आ गिरे!

प्रयोग

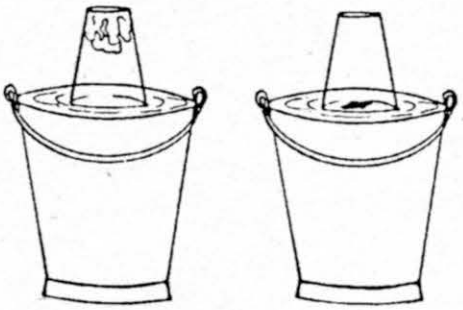

एक बाल्टी में पानी भरो। एक गिलास में कागज ठूंस दो गिलास को पानी से भरी बाल्टी में मुंह नीचे कर पेंदे तक ले जाओ। गिलास को बाहर निकालकर सीधा करो। देखो कि क्या गिलास में कागज़ गीला हुआ या नहीं। ऐसा क्यों हुआ होगा?

आंधी का नाम लेते ही खूब तेज़-तेज़ हवाएं, हवा में झूमते-गाते पेड़ और खूब उड़ती हुई धूल का ध्यान आ जाता है।

जब आंधी आने वाली होती है तो पहले ऐसा लगता है मानो चारों ओर की हवा अचानक थम गई हो। फिर ज़ोर से हवा चलने लगती है। पेड़ के पत्ते हिलते हैं और टूटकर गिर जाते हैं। फिर धूल उड़ना शुरू होती है। तेज़ हवा के चलने से, पत्तों के हिलने से, पेड़ों के झूमने से और धूल उड़ने से एक मिली-जुली आवाज़ भी होती है जिसे आमतौर पर "सांय-सांय करके हवा का चलना" कहते हैं।

आंधी के समय घरों में यह आलम होता है कि छत पर या आंगन में सूख रहे कपड़े उड़-उड़ कर भागने लगते हैं। रास्तों पर चलते हुए लोग आंखों को धूल से बचाने के लिए आंख बंद करने की कोशिश में अचानक ठिठककर खड़े हो जाते हैं।

कभी-कभी जब बहुत ज़ोर की आंधी आती है तो पेड़ों को, बिजली के खंभों को भी गिरा देती है। बिजली के तार टूट जाते हैं और घरों व बाज़ारों की बत्ती गुल हो जाती है।

कुल मिलाकर यह कि आंधी के आने से आसपास सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाता है।

अँगा

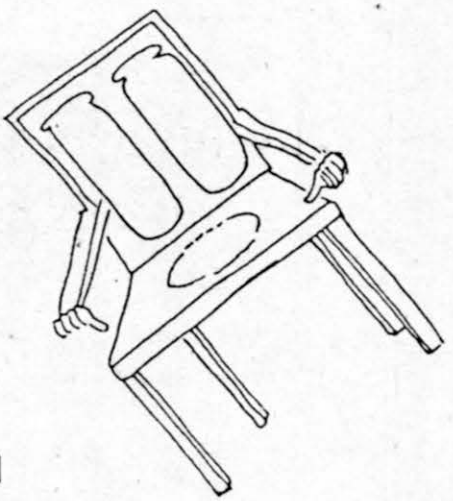

आलपिन के सिर होता, पर बाल न होता उसके एक
कुर्सी के दो बाहें हैं, पर गेंद नहीं सकती है फेंक।

कंघी के हैं दांत, मगर वह चबा नहीं सकती खाना
गला सुराही का पतला है, किन्तु गा नहीं सकती गाना।

होता है मुंह बड़ा घड़े का, पर वह बोल नहीं सकता,
चार पांव टेबिल के होते, पर वह डोल नहीं सकता।

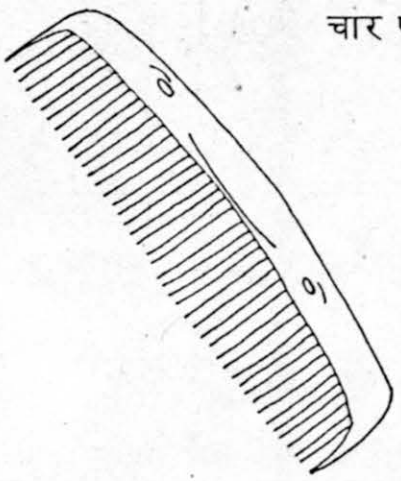

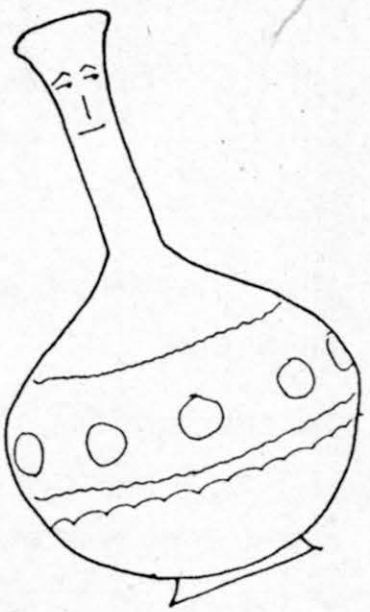

● **अब तुम बताओ :-**

किसकी आंखें होती हैं पर वह देख नहीं सकता?

किसके पैर नहीं होते पर चलती है?

किसकी जीभ होती है, पर वह चख नहीं सकता?

किसके पंख होते हैं, पर वह उड़ नहीं सकती?

वह कौन है जिसका मुंह नहीं, पर बोलता है?

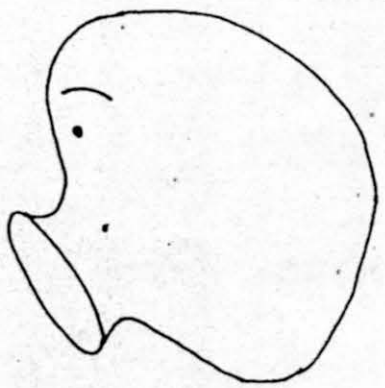

● ***जोड़ी मिलाओ और कारण बताओ***

घड़ी	रंग
आरी	मोटर
पम्प	दाढ़ी
चित्र	कांटे
नारियल	दांत

यहां पर एक टार्च के कुछ भागों के नाम दिए हुए हैं।

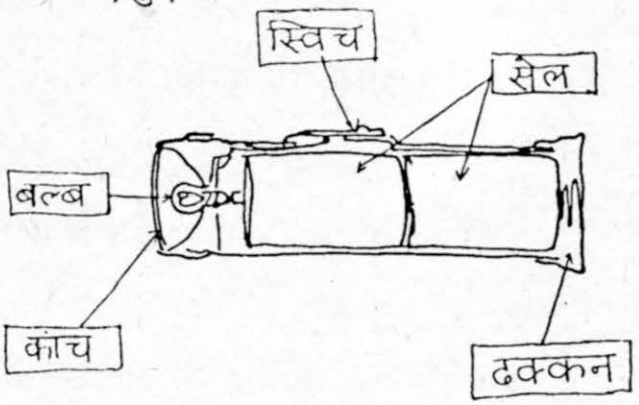

इसी तरह तुम अब नीचे लालटेन के हिस्सों के नाम भरो।

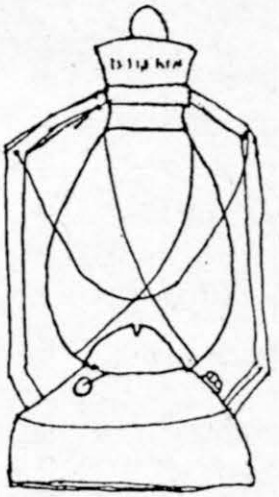

● *मैंने टार्च के बारे में कुछ वाक्यों का एक* **पैराग्राफ** *लिखा है। उसे ध्यान से पढ़ो।*

टार्च में आगे की ओर एक बल्ब रहता है। इस बल्ब के जलने पर रोशनी होती है।
यह बल्ब एक कांच के पीछे होता है। टार्च के पीछे एक ढक्कन होता है।
ढक्कन को खोल कर हम सेल (या बैटरी) डालते हैं। ऊपर एक स्विच/बटन होता है।
बटन को आगे करने पर टार्च जलता है।

● *इन सवालो के जवाब लिखो -*

1. सुराही का गला कैसा है, वह गा क्यों नही सकती?
_____

2. घड़ा ज़्यादा दुखी है या सुराही? क्यों?
_____

3. अगर आलपिन के बाल होते तो क्या होता?
_____

4. कंघी के दांत किस काम आते हैं?
_____

पैराग्राफ लिखो

_____

_____

_____

_____

_____

_____

● **कॉपी पर लालटेन, साइकिल, बस, स्टोव इनमें से जिन चीज़ों को देखा है उन पर पैराग्राफ लिखो। जिनका भी बना सको, चित्र बनाओ और भागों के नाम लिखो। किसी एक चीज़ पर पैराग्राफ ऊपर की जगह में भी लिखो।**

विज्ञापन या इश्तहार

● अपने ग्राहकों को बुलाने के लिए
एक चने बेचने वाला ये आवाज़ लगाता है

ताज़े करारे चने,
तड़केदार, मसालेदार
गरम मज़ेदार चने
चवन्नी में आधा पेट भर लो,
अठन्नी में पूरा पेट भर लो।

और दूसरा ऐसे बुलाता है-

ऐसे चने मायके में भी नहीं मिलेंगे,
एक व्यक्ति को अठन्नी से कम नहीं,
परिवार को दो रूपये से ज़्यादा नहीं,
एक रूपये में सौ ग्राम खून तैयार,
एक बार खाओ तो, खाओ बार-बार।

● संतरे वाला संतरे बेचने के लिए
बाज़ार में यूं चिल्लाता है-

ले लो ले लो संतरे,
ताज़े ताज़े संतरे,
बड़े-बड़े संतरे,
नागपुर के संतरे,
दो रूपये के ६ हो गए,
इससे सस्ते अब न होंगे,
ले लो ले लो संतरे,
मीठे मीठे संतरे

विज्ञापन

तुमने चायवालों, फूलवालों, खिलोने वालों आदि को अपना माल बेचने के लिए नई नई तरह की आवाज़ें लगाते सुना होगा।

अपना सामान बेचने के लिए उसकी खूबियों के बारे में दूसरों को बताना ताकि वे सामान खरीदने आएं - इसको ही विज्ञापन कहते हैं। विज्ञापन कई प्रकार के होते हैं।

यह एक और तरीके का विज्ञापन है

● कपड़े वाले का माल बेचने के लिए बना पोस्टर -

रंगीन मुलायम कपड़े, टिकाऊ बेहतरीन कपड़े
धोती, कुरता, साड़ी, ब्लाउज़,
शर्ट, पैंट, कमीज़, रूमाल
सब तरह के कपड़े

विज्ञापन के कुछ उदाहरण पिछले पेज पर देखे।
विज्ञापन कई तरह से किए जाते हैं। कुछ लोग अपने माल को बेचने के लिए समाचार पत्रों, पत्रिकाओं आदि में भी विज्ञापन देते हैं। ऐसे ही विज्ञापन टेलिविज़न, रेडियो और यहां तक की सड़कों पर लगे बोर्ड आदि पर भी मिलते हैं।

● तुम भी कुछ विज्ञापन बनाओ। जूते बेचने, कपड़े, पेन-पेंसिल और अन्य चीज़ों के नाम सोच कर। जैसे चाय वाले का, मीठी गोली बेचने वाली का, मोची का, किताब बेचने वाले का, केले बेचने वाली का।

विज्ञापन में ऐसे शब्द और चित्र होने चाहिए जिनसे बेची जाने वाली वस्तु की विशेषताएं पता चलें।

ऊपर की खाली जगह में अपने स्कूल के लिए एक विज्ञापन बनाओ।

● तुम्हारे आसपास किस-किस चीज़ के विज्ञापन होते हैं।
- कम से कम पांच विज्ञापनों के बारे में सभी प्रकार की जानकारी इकट्ठा करो।
- तुम्हें सबसे अच्छा विज्ञापन किस का लगा? यह विज्ञापन तुम्हें क्यों अच्छा लगा?

कछुआ उड़ा हवा में

एक था कछुआ। उसे घूम फिर कर चीज़ें देखने और बातें करने में बहुत मज़ा आता था।

वह पानी के अंदर मछलियों से मिलता था। कहता - दैया रे! तुम लोग तो बहुत सुनहरी और चौड़ी सी लग रही हो। ज़रुर ये लंबी लंबी-घासों का ही कमाल है।

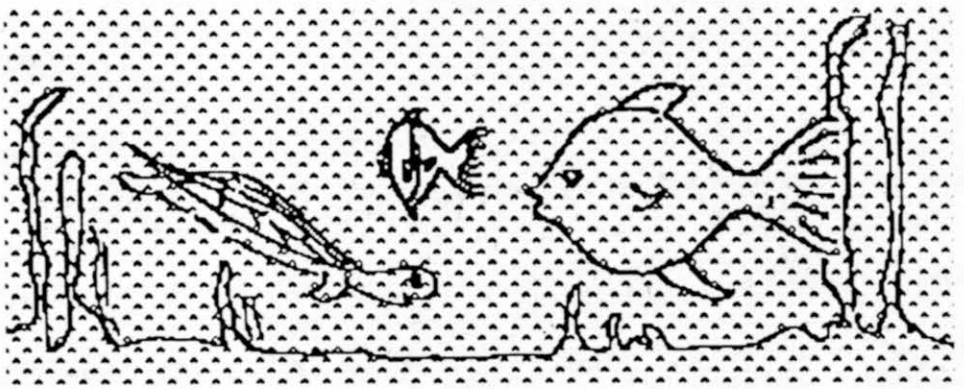

कभी वो कमल के फूलों के पास मेंढकों से बातचीत करता - दैया रे! कितने सुंदर और लंबे हैं ये कमल के फूल। बहुत मज़ा आता है।

सांप मिलता तो सांप से कहता - दैया रे! तुम तो लंबी घास में दिखाई ही नहीं देते।

एक दिन उसने पेड़ पर बगुलों के एक जोड़े को घोंसले में देखा तो कहा - दैया रे! कितना ऊंचा है तुम्हारा घर। तुम्हें चक्कर नहीं आते।

बगुलों ने कहा - नहीं। हम तो इससे भी ज़्यादा ऊपर उड़ते हैं। वहां भी सिर नहीं चकराता।

कछुए ने कहा - काश, मैं भी उड़ सकता। कितना मज़ा आता उड़ते-उड़ते दुनिया देखने में।

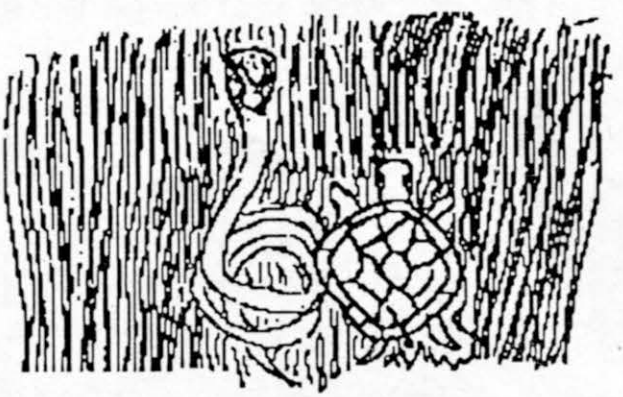

बगुलों ने कहा - उड़ तो सकते हो। एक तरीका है जिससे तुम हमारे साथ उड़ सकते हो।

कछुआ बहुत खुश हुआ। बोला - सच? दैया रे, मैं उड़ पाऊंगा?

बगुलों ने कहा - हां, लेकिन एक शर्त है, तुम्हें अपना मुंह बंद रखना होगा।

कछुआ बोला- हां हां, मैं कुछ भी करने के लिये तैयार हूं।

बगुले एक लंबी सी लकड़ी लेकर आये। उन्होंने कहा –

तुम इस लकड़ी को बीच से अपने मुंह में पकड़ लो। हम इसके दोनों छोर अपने मुंह में पकड़ कर उड़ेंगे। हम उड़ेंगे तो तुम भी उड़ोगे। लेकिन अगर तुमने ज़रा भी बात करने की कोशिश की और तुम्हारा मुंह खुला तो तुम धड़ाम से नीचे आ जाओगे।

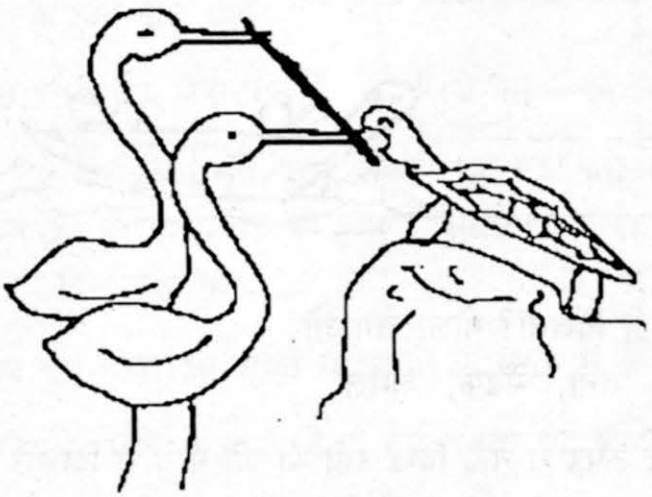

कछुआ बोला - हां हां, पर चलो उड़ें तो सही। चलो, चलो।

तीनों ने लकड़ी मुंह में पकड़ ली और उड़े। कछुए ने टंगे-टंगे ही आंखें नीचे कर के देखा।

अरे वाह। मछलियां तो ऊपर से पतली सी लग रही थीं। क्या ये सचमुच वही मछलियां थीं?

और वो घास तो पता नहीं कैसी दिख रही थी। कछुआ बगुलों को ये बताने ही जा रहा था कि उसे याद आ गया कि अभी उसे चुप ही रहना है।

वे तीनों और ऊपर उड़े। कछुए ने देखा कि कमल के फूल चौड़े-चौड़े से दिख रहे थे। और उनकी डंठलें तो नज़र ही नहीं आ रही थीं। मेंढक भी कुछ अलग लग रहे थे। वो फिर से बगुलों को ये सब बताने ही वाला था कि उसे फिर याद आ गया और उसने मुंह बंद रखा।

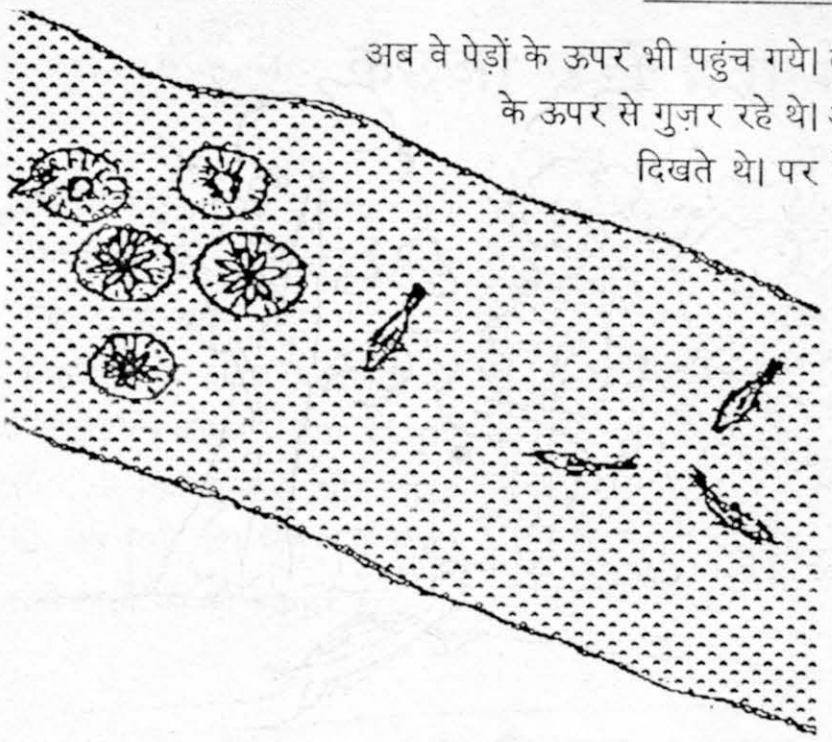

अब वे पेड़ों के ऊपर भी पहुंच गये। वहां से कछुए ने देखा कि वो बगुलों के घोंसलों के ऊपर से गुज़र रहे थे। अब तो उसे अंडे भी दिख रहे थे जो पहले नहीं दिखते थे। पर पेड़ का तना नज़र ही नहीं आ रहा था।

अचानक उसने देखा कि सांप, जो लंबी घास में आसानी से दिखाई नहीं देता था, एकदम साफ-साफ नज़र आ रहा था। उससे रहा न गया।

दैया रे!, वो चीखा। आगे का वाक्य तो उसके मुंह में ही रह गया। क्योंकि जैसे ही उसका मुंह खुला, लकड़ी छूट गई और कछुआ नीचे गिरने लगा।

छपाक! कछुआ पीठ के बल पानी में जा गिरा।
उसकी कड़ी पीठ को ज़्यादा चोट नहीं आई। उसने सोचा चलो बच गए। फिर वह घूर-घूर के चारों और देखने लगा। सब कुछ फिर से वैसा का वैसा ही दिख रहा था जैसा पहले दिखता था। वह मछली को ढूंढ़ने चला

१. कछुए ने ऊपर उड़ते हुए क्या-क्या देखा?

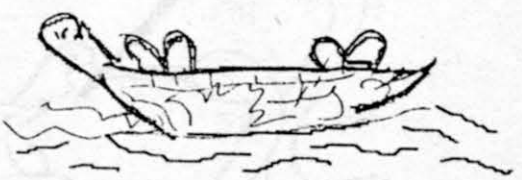

२. इनमें से कौन सी चीज़ें ऐसी हैं जो उसे ऊपर से नही दिखतीं? गोला लगाओ

घास, डंठल, पानी, अंडे, तना, मेंढक, कमल

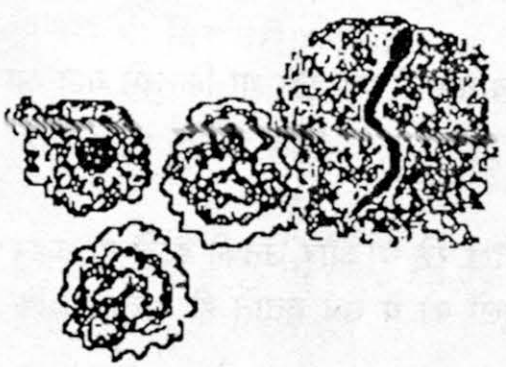

३. कौन सी चीजें ऊपर से नहीं दिख रहीं थीं जो नीचे से दिखती हैं?

---

४. कछुआ अगर तुम्हारे मोहल्ले के ऊपर से गुज़रता तो तुम्हारा घर उसे कैसा दिखता?

तुम्हारा स्कूल कैसा दिखता? कापी में चित्र बनाओ।

५. क्या कुछ ऐसा हो सकता है जिससे कछुआ उड़ भी ले और बात भी कर पाए?

६. कछुआ पानी में वापस पहुंच कर मछलियों को अपनी यात्रा के बारेमें क्या-क्या बताएगा। **अपनी कापी में** लिखकर दोस्तों को पढ़वाओ।

७. कहानी में आए चित्रों में इन सब को ढूंढ़ो :-

मछली, मेंढक, कमल, घोंसला, बगुले, सांप, अंडे, घास, कछुआ।

ढूंढ़ कर सभी चित्रों में इनके नाम इन्हीं के चित्र के नीचे लिखो।

८. कछुआ किन-किन से मिलता था?

९. कछुआ कैसे उड़ा? ----------

१०. नीचे दिए पैराग्राफ में मोटे लिखे शब्दों को ध्यान से पढ़ो।

जैसे ही उसका **मुंह खुला**, लकड़ी **छूट** गई। **कछुआ** पीठ के बल पानी में जा **गिरा**। छपाक की आवाज़ हुई। कछुए की कड़ी पीठ को ज़्यादा **चोट** नहीं आई। **उसने** चारों ओर देखा तो **पाया** कि सब-कुछ पहले जैसा ही दिख रहा था।

अब तुम यहां दिए शब्दों या शब्दों के समूह में से चुनकर नीचे दिए पैराग्राफ में खाली स्थान भरो:-

बगुले, रहते थे, काट दिया, गई, रहता था, फंस गई, रोहु, बिछाया, रहती थी।

एक तालाब के किनारे एक बगुला ---------- । उसी तालाब में एक बड़ी रोहु मछली भी ---------- । बगुले और रोहु के बीच बहुत गहरी ---- । दोनों हमेशा साथ-साथ ---------- । एक दिन एक मछुआरे ने तालाब में अपना जाल ---- । ---- जाल में ------ । -------- ने अपनी नुकीली चोंच से जाल -------- । रोहू अब आज़ाद हो ---- ।

आंख-नाक-कान-जीभ खेल

मां ने टिल्लू और मुन्नी से पूछा - हो आए बाज़ार?
दोनों ने कहा - हओ।
मां - मुन्नी तेरी आंख और नाक को क्या हो गया?
टिल्लू - मां, मां, बाज़ार में मुन्नी की हालत खराब हो गई थी।
मां ने घबराकर पूछा - अरे, क्या हो गया था इसे?
मुन्नी - बहुत छींकें आईं। इतना छींकी कि नाक बहने लगी।
मां - अरे सर्दी तो नहीं हो रही है तुझे।
मुन्नी - नहीं मां, मैंने मिर्च सूंघ ली थी ना, इसलिए छींकें आईं।
मां - मिर्च? तूने मिर्च क्यों सूंघी?
टिल्लू - खेल चल रहा था मां, कौन कितनी ज़्यादा चीज़ों की सुगंध पहचान सकता है। मुन्नी तो धनिया, मूली, साबून और फिर लाल मिर्ची के बाद ही रूक गई।
मुन्नी - तो क्या हुआ। खट्टी चीज़ें पहचानने वाले खेल में तो मैंने बहुत ज़्यादा पहचाने। तुम्हें तो पता भी नहीं था कि वो दुकानदार सूखा आंवला तौल रहा था।
टिल्लू - पर मैंने तो तुमसे ज़्यादा मीठी चीज़ें पहचानी।
मुन्नी - मैंने ज़्यादा, मैंने ज़्यादा!
मां ने दोनों को रोका - अरे झगड़ो मत। ऐसा करो, तुम दोनों नाम लिख लो, फिर तुलना करो।

पता नहीं क्यों टिल्लू-मुन्नी ने मां की बात झट से मान ली। और अपनी-अपनी सूचियां बनाने लग गये। उनकी तरह तुम भी नीचे के खानों में अपनी-अपनी वाली सूचियां बनाओ और कापी में आगे बढ़ाओ।

बाज़ार में - *सूचियां बनाओ*

क्या-क्या देखा	किस-किस की गंध आई	क्या-क्या सुना	मीठी चीज़ों की	खट्टी चीज़ों की

मेले में - इसी तरह की सूचियां मेले के बारे में अपनी कॉपी में बनाओ।

सही क्रम में जमाओ

नीचे पान बनाने और दाल बनाने के तरीके मिले-जुले ढंग से लिखे हुए हैं। उन्हें अलग करो और सही क्रम में जमाओ।

		पान बनाना	रोटी बनाना
पान मोड़कर बांधना (बीड़ा बनाना)	रोटी बेलना		
सुपारी डालना	कत्था लगाना		
आटे की लोई बनाना	पान धोना साफ करना		
रोटी तवे पर सेकना	आटा छानना		
चूना लगाना	आटा गूंथना/सानना		
पान को कैंची से काटना	रोटी आग पर फुलाना		

ये खेल बहुत सारे कामों के साथ खेला जा सकता है। जैसे मिट्टी के खिलौने बनाना, कमीज़ सिलना, सब्ज़ी बनाना, पतंग उड़ाना आदि। इन्हें भी उल्टे-सीधे क्रम में लिखकर एक-दूसरे को सही करने के लिए दो।

● हर काम के अलग-अलग हिस्से क्रम से एक-एक पर्ची पर लिखो। फिर पर्चियों को मिलाकर उनके क्रम को उल्टा-पुल्टा कर दो। अब ये पर्चियां दूसरी टोली वालों को या अपने किसी दोस्त को दे दो। देखो की दूसरी टोली वाले या तुम्हारा दोस्त इन पर्चियों को सही क्रम में रख पाते हैं या नहीं।

● तुमने कौन-कौन से कामों के लिए पर्चियां बनाईं।

भिन्न पहचानो

उन आकृतियों पर निशान लगाओ जिनमें आधा भाग रंगा हुआ है।

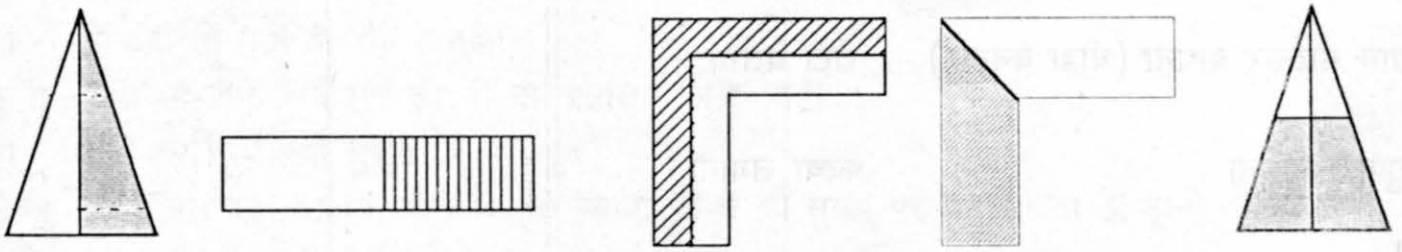

खाली आकृतियों का १/२ भाग रंगो।

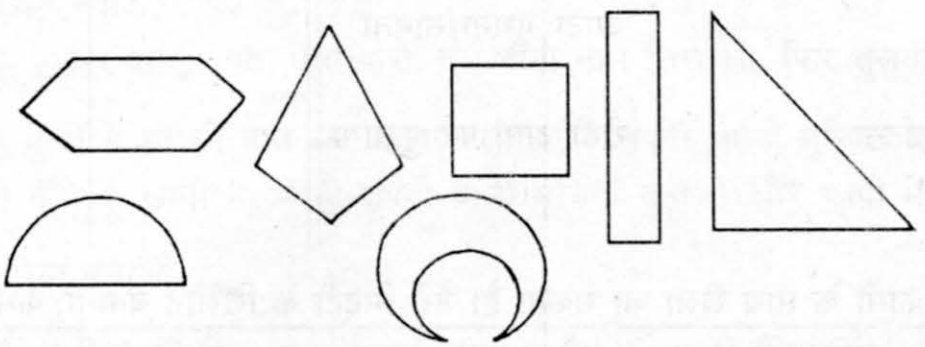

इन वर्गों के आधे भाग कई तरीकों से रंगे हुए हैं।

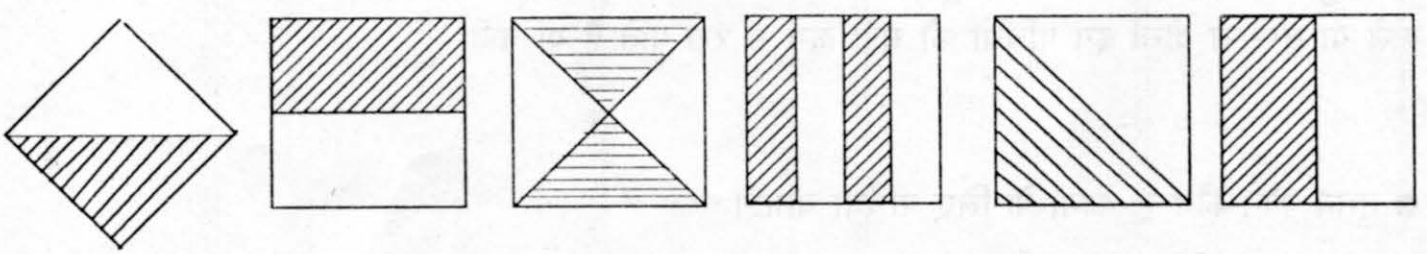

इसी तरह इन आयतों को अलग-अलग तरीकों से आधा रंगो।

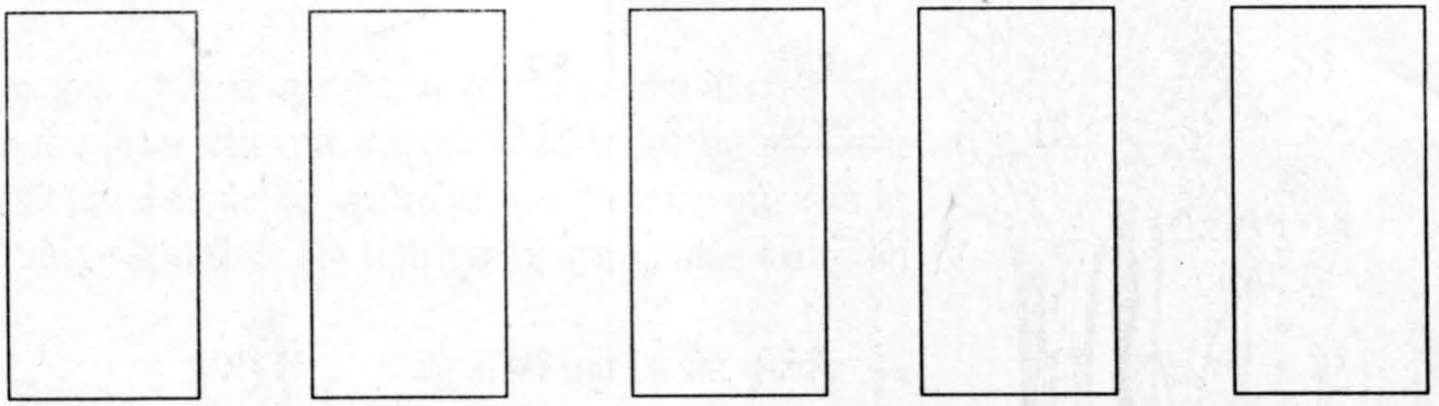

नीचे दी गई आकृतियों में से किन आकृतियों का १/४ भाग रंगा हुआ है। उन पर निशान लगाओ।

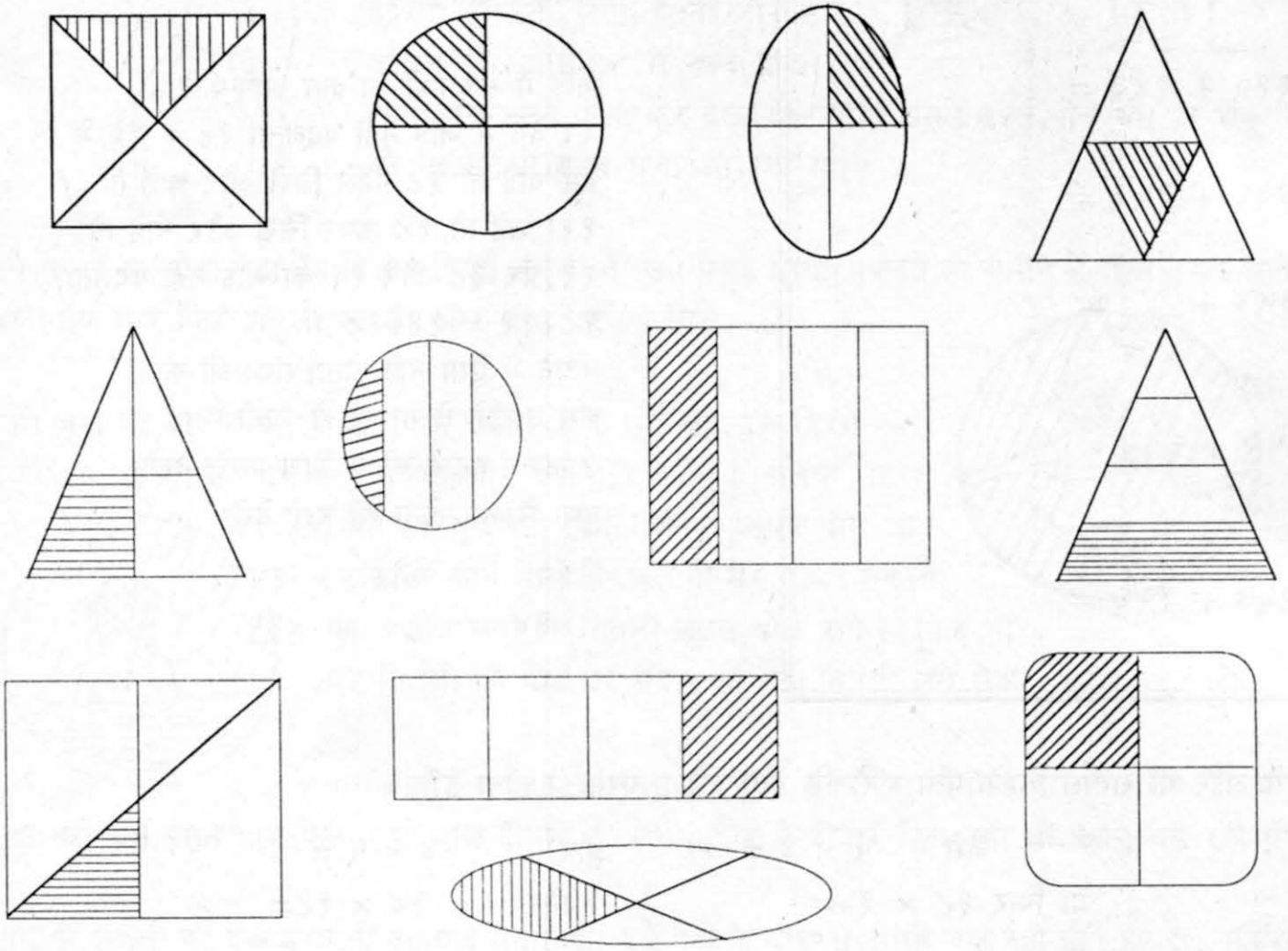

● ऐसे और भी सवाल बनाओ। खुद हल करो और साथियों को भी दो।

गुणा

१८	१५	१३	१२
×८	×११	×१७	×१४

११	१४	१२३	१७	३४५
×१५	×१२	×३	×१३	×१३४

जोड़ो

३१५ + २४३ =

४३६ + ३५३ =

३५४ + ४३ =

५२ + ६३४ =

२६७ + ३२६ =

मजेदार बात

जोड़ में संख्याओं का क्रम आगे-पीछे कर देने से जोड़ नहीं बदलता। १८ + ११ में हम चाहें तो १८ पहले लिखें और चाहें तो ११। चाहें तो १८ ऊपर लिखें और चाहें तो ११, पर १८ और ११ का जोड़ नही बदलता।
१८+११ = ११+१८
घटाने में ऐसा नहीं होता। संख्याओं का क्रम उलटने से गड़बड़ हो जाती है। उलटकर घटाने की कोशिश करके देखो।
गुणा में क्या होता है? चलो देखें।

१२	और	१४
×१४		×१२

ऐसे और भी सवाल करके पता करो कि क्या हमेशा ऐसा ही होता है?

जैसे - ५ × ४ = और ४ × ५ =

या फिर १८ × ३४= और ३४ × १८=

क्या दोनों उत्तर बराबर आए?

शंकुली का सपना

एक सुबह शंकुली को बहुत नींद आ रही थी। वह आधी नींद में ही स्कूल के लिए निकल पड़ी। रास्ते में बरगद के पेड़ के नीचे उसे एक बिल्ली सोती दिखाई दी। यह देख कर वह भी साथ में लेट गई। बस, देखते ही देखते उसकी आंखें बंद होने लगी। कुछ देर बाद वह सपना देखने लगी।

शंकुली को लगा कि उसे दूर एक ऊंट दिखाई दिया। ऊंट के ऊपर कोई बैठा हुआ था। वो देख ही रही थी कि तभी शंकुली को लगा कि ज़मीन हिल रही है। वह उछलने लगी। इतनी ज़ोर से उछली कि आसमान से बातें करने लगी। जब उसने पलट कर देखा तो ज़मीन उससे बहुत नीचे थी। पर शंकुली को उछलने में बहुत मज़ा आ रहा था।

उसे सामने एक टेढ़ा-मेढ़ा पेड़ दिखाई दिया। शंकुली ने उसे पकड़ लिया। पकड़ते ही ज़मीन तेजी से ऊपर आने लगी। एक बार फिर शंकुली उछली और घास पर जा गिरी।

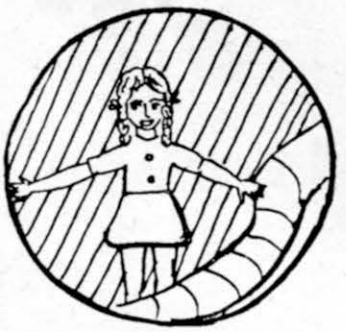

उसे ज़रा भी चोट न आई। आसपास कई तरह के छोटे-बड़े, रंग बिरंगे फूल नज़र आ रहे थे। उन पर कीड़े मकोड़े और बड़ी-बड़ी रंगीन तितलियां मंडरा रही थीं। एक खूब बड़ी सी तितली शंकुली के पास आ कर उसके कान में बोली- चलोगी मेरे साथ? शंकुली को अजीब लगा कि तितली उससे बोल रही है। फिर भी वह तितली की पीठ पर सवार हो गई। तितली उसे लेकर ऊपर उड़ चली।

अचानक घोर अंधेरा छा गया। अंधेरे में शुंकुली ने दोनों हाथ आगे किये पर वहां कुछ नहीं था। उसने हाथ फैलाए तो कुछ दीवारें सी लगीं। और वे दीवारें हिल रही थीं, आगे बढ़ रही थीं।

साथ ही शंकुली को एक डरावनी आवाज़ सुनाई दी। जैसे पेड़ों के बीच से आंधी चल रही हो ...हूऊरा... हूऊरा। और शंकुली के पैर गीले होने लगे।

पैर गीले हुए, टांगें गीली हुई और पानी छाती तक पहुंच गया। शंकुली के पैर ज़मीन से उठ गये। तितली शंकुली को पानी में छोड़कर उड़ गई थी। वह पानी के साथ बहने लगी। पानी ऊपर उठने लगा। पानी के साथ-साथ शंकुली भी उठी तो उसका सिर ज़ोर से छत से टकराया।

टकराते ही शंकुली को तारे नज़र आने लगे। उसे घंटे की तेज आवाज़ सुनाई देने लगी। शंकुली को लगा कि शायद उसकी आंखें बंद हैं। यह सोचते ही उसने अपनी आंखें खोल दीं।

1. इस कहानी में आगे क्या हुआ होगा - कहानी आगे बढ़ाओ।

2. शंकुली के सपने में क्या-क्या आया - कहानी पढ़कर सही क्रम में जमाओ। जो-जो सपने में नहीं दिखा उसे काट दो।

फूल	पानी	बिल्ली	ऊंट	टेढ़ा-मेढ़ा पेड़
तितली	ज़मीन	घास	बरगद	नाली
अंधेरा	दीवारें	आंधी	छत	घर

3. नीचे मैंने कुछ चित्र बनाए हैं। हर चीज़ का चित्र दो तरह से बना है - सामने से और बाजू से। इन्हें पहचान कर सही जोड़ियां बनाओ।

कुर्सी व गाय का चित्र इसी तरह सामने व बाजू से बनाओ।

4. ये तो था शंकुली का सपना। तुम भी अपना कोई सपना अपने दोस्तों को बताओ और अपनी कॉपी में लिखो। अपने सपने के लिये चित्र भी बनाओ और दूसरों को दिखाने के लिये कक्षा में धागे लगाकर टांगो।

5. यहां कुछ वाक्यों की जोड़ियां दी गई हैं। ऊपर वाले वाक्य को पढ़कर नीचे वाले वाक्यों को पूरा करो।

शंकुली को कई ऊंट दिखाई दिए।	एक बड़ी तितली मंडरा रही थी।
शंकुली को एक ऊंट ..... ।	कई रंगीन ..... मंडरा रहीं थीं।
शंकुली का एक पैर गीला हुआ।	एक बिल्ली सोती दिखाई दी।
शंकुली के दोनों पैर ..... ।	कई ..... सोती दिखाई दीं।

6. वाक्य खेल

कोई भी दो शब्द लो। जैसे - ऊंट, बैठा। अब दोनों को जोड़कर एक पूरा वाक्य बनाओ। ज़रूरत पड़े तो शब्दों में फेर बदल भी कर सकते हो।

जैसे - ऊंट *बैठता* नहीं है। या, ऊंट बैठ रहा था।

इस तरह नीचे के शब्दों को जोड़कर वाक्य बनाओ।

चींटीं - दौड़ना, दीवार - चढ़ना, कुर्सी - गिरना, रस्सी - चढ़ना, मिट्टी - खोदना

इसी तरह एक दूसरे के लिये जोड़ियां बनाओ। प्रत्येक जोड़ी से दो-दो वाक्य बनाओ।

7. बताओ शंकुली को अपना बस्ता स्कूल ले जाना याद रहा या नहीं? कैसे पता चला?

कमाल कैलेन्डर का

एक दिन सकीना, अंजली और हरि बैठ कर बातें कर रहे थे। सकीना ने कहा - अगर स्वतंत्रता दिवस के दिन सोमवार हो तो कितना मजा आ जायेगा। सोमवार को बाज़ार लगता है - तो स्वतंत्रता दिवस का मेला और भी बड़ा मेला बन जायेगा।

अंजली ने कहा - हां, पर स्वतंत्रता दिवस के दिन सोमवार तो है ही।

पर हरि को ये ठीक नहीं लगा। उसने कहा - अरे, तुम्हें कैसे पता कि स्वतंत्रता दिवस को सोमवार ही होगा? अभी तो स्वतंत्रता दिवस में पूरे डेढ़ महीने बाकी हैं। सात दिनों में से कोई भी दिन हो सकता है।

अंजली - नहीं, मुझे पक्का मालूम है।

हरि - हो ही नहीं सकता।

अंजली - अरे बाबा है ना! नहीं मानता तो चल, वो वीर सिंह बाबू के यहां देख आते हैं।

सकीना - उनके यहां कैसे?

अंजली - चलो तो सही, वहीं देख लेना।

तीनों पहुंचे वीर सिंह बाबू के घर और अपनी बातचीत सुनाई। वीर सिंह बाबू ने झट कैलेन्डर उठाया, एक साथ पन्ने पलटे। एक पन्ने पर कुछ देखा और देख कर कहा - हां, इस साल स्वतंत्रता दिवस तो सोमवार को ही पड़ेगा।

अंजली - देखा मैंने क्या कहा था!

सकीना - पर आपको पता कैसे चला? यह क्या है? इसे कैसे देखते है?हमें भी सिखाइये ना।

वीर सिंह बाबू ने उन्हें कैलेन्डर देखना सिखाया। फिर तो उन्हें कैलेन्डर में इतनी सारी चीजें मिलीं कि वो घंटे भर तक उसे देखते रहे और एक दूसरे से तरह-तरह के सवाल पूछते रहे।

● तुम भी एक पंचाग या कैलेन्डर ढूंढ़ के लाओ। अगर उसे देखना नहीं आता तो बहनजी/गुरूजी से सीखो। फिर कैलेन्डर से ही इन सवालों के उत्तर खोजो और कॉपी पर लिखो।

- साल भर में कुल कितने **सोमवार** हैं? कितने **बुधवार** हैं? और कितने **इतवार** हैं? ज्यादा कौन है?

- इनके अलावा और कौन-कौन से दिन हैं? हफ्ते के दिनों के नाम क्रम से लिखो।

- कितने महीनों में **३१** तारीख है, उन महीनों के नाम लिखो?

- जो महीना अभी चल रहा है, इसमें कौन सा दिन सबसे अधिक बार आता है?

- तुम्हारे कैलेन्डर में कितने त्यौहार हैं? जैसे - होली, ईद, बड़ा दिन, गुरू गोबिन्द सिंह जयन्ती, आदि। त्यौहारों की **तारीख, महीने** और **मौसम** लिखो। (यहां किसी त्यौहार के लिए चित्र बनाओ।)

त्यौहार नाम	तारीख	महीना	मौसम

- किस महीने में सबसे ज़्यादा इतवार हैं? ----------

- सबसे कम दिन किस महीने में हैं? ----------

- **अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर** और **दिसंबर** में कुल मिलाकर कितने दिन हैं? --------

- बाकी महीनों के नाम लिखो और बताओ उनमें कुल मिलाकर कितने दिन हैं? ---------

महीनों के नाम	दिन

- पूरे साल में कितने दिन हैं, कैलेन्डर से जोड़कर बताओ?

कैलेंडर से और क्या-क्या खेल बनाए जा सकते हैं? हफ्ते, महीने और साल में दिनों की संख्या के आधार पर गुणा और भाग का अभ्यास तो किया ही जा सकता है। ऐसे सवाल बना कर या ढूंढ कर हल करो।

छाया

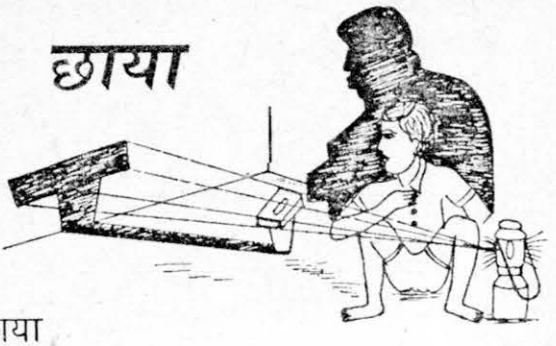

मेरी एक छोटी सी छाया
बिल्कुल मेरे जैसी काया
ऐड़ी से चोटी तक ऐसी
दिखती बिल्कुल मेरे जैसी

कभी लम्बी तो कभी ठिगनी है छाया
पर उसको साथ सदा है पाया
पानी उसे डुबा न पाता
कोई उसे मिटा न पाता

आग भी उसको जला न पाती
कुछ भी कर लो हाथ न आती
हुआ अंधेरा तो छुप जाती
हुआ उजाला तो दिख जाती

● *करो, देखो और उत्तर कॉपी में लिखो।*

- क्या पेड़ की छाया दिन भर एक सी होती है? ----------

- सबसे लम्बी छाया कब होती है? ----------

- सबसे छोटी छाया कब होती है? ----------

- अपने घर या स्कूल के पास के पेड़ की छाया का चित्र अपनी कॉपी में बनाओ।

- क्या रात को भी छाया दिखती है? यदि हां, तो कैसी? ----------

– यदि नहीं तो क्यों नहीं? ----------

- तुम्हारी सबसे बड़ी छाया तुमसे कितने गुणा बड़ी होती है? ----------

- हमारी छाया हमारे आगे कब चलती है और कब अपने पीछे? ----------

- कविता में छाया के बारे में क्या-क्या बताया गया है? अपनी कापी में लिखो।

● *गुरूजी के साथ चर्चा करो कि छाया कब और कैसे बनती है।*

यहां छाया बनने के अलग-अलग चित्र दिए गए हैं। क्या तुम बता सकते हो कि इन चित्रों में रोशनी कहां से आ रही है? रोशनी की जगह हर चित्र में गोला बनाकर दिखाओ।

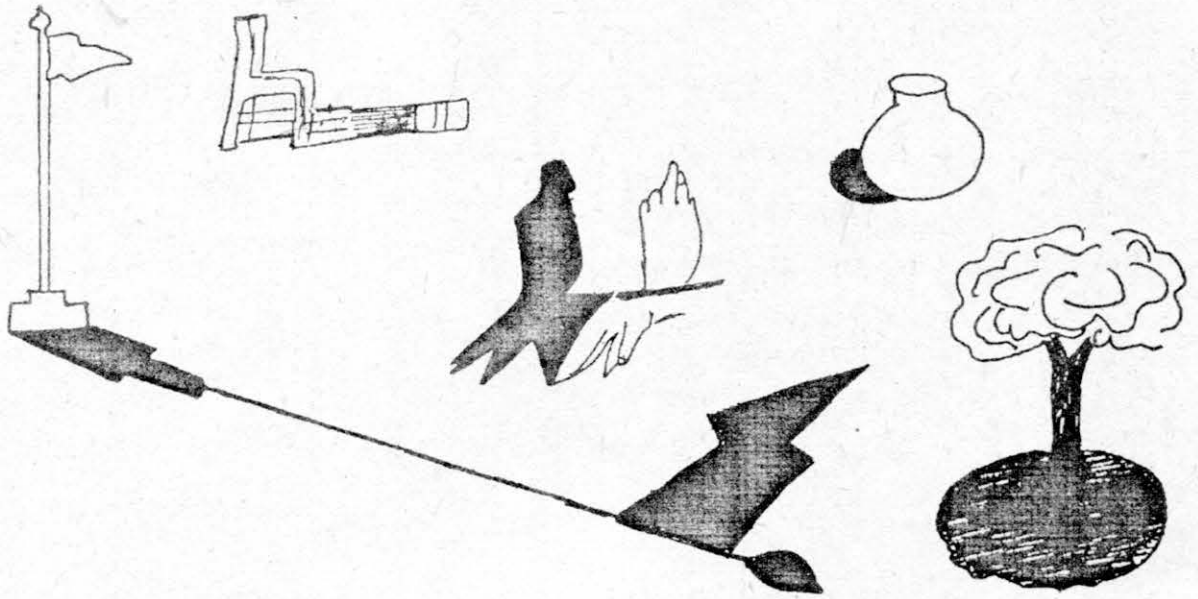

● **क्या तुम अंगूठा, अंगुली, हाथ की छाया से हिरण की आकृति उभार सकते हो?**

हाथ की उंगलियों की छाया से हिरण ही नहीं बिल्ली, बंदर, चूहा भी बना सकते हो। ऐसा करने के लिये मोमबत्ती से रोशनी करो। अच्छा होगा कि जिस कमरे में ये प्रयोग करो, वहां बाहर का उजाला कम आए। छाया को दीवार पर लो। या फिर प्रयोग खुली धूप में करो। छाया को ज़मीन पर गिरने दो।

अब हाथ को रोशनी व उस दीवार के बीच रखो जिस पर छाया पड़ रही है। अब हाथ, अंगूठा और अंगुली की छाया से अलग-अलग तरह की आकृतियां बनाने की कोशिश करो व उनके चित्र कॉपी पर बनाओ।

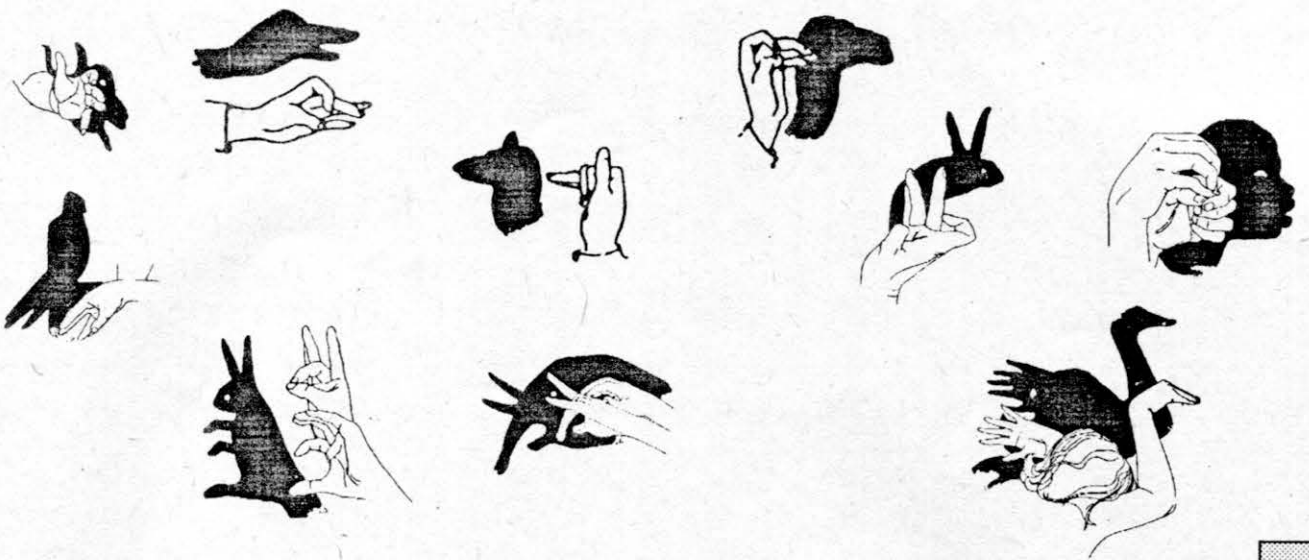

कहानी बनाओ

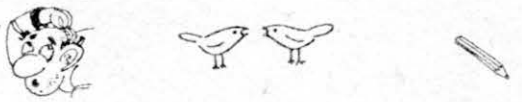

● *खाली स्थान भरो और कहानी आगे बढ़ाओ -*

एक बार एक साइकिल को एक ..... मिली। उसे देखकर साइकिल ने अपनी घंटी बजाई।

..... ओ ..... तू चलती कैसे है। इस पर ..... ने कहा, मैं तो .....

..... चलती हूं। साइकिल को बड़ा अजीब लगा। अच्छा तुम .... चलती हो?

तभी वहां से एक ..... गुजरा। दोनों ने उसे आवाज दी, ओ ..... ओ ..... जरा

रूको तो सही। इस पर ..... रूक गया। ये तो बताओ कि तुम चलते कैसे हो ?

इस पर ..... ने कहा, मैं तो ..... चलता हूं । ये सुनकर साइकिल और .....

को बड़ा अजीब लगा । ----------

● *इस कहानी को भी आगे बढ़ाओ -*

शिखा और सुखवती एक दिन ..... से खेल रहे थे। अचानक ..... गिरा और लुढ़क कर

..... में गिर गया। दोनों देखते रह गये। तभी वहां पर ..... आये। उन्होंने कहा

– इसमें क्या बात है! एक ..... लाओ और अपने ..... को निकाल लो। पर जैसे ही

..... शिखा और सुखवती के ..... को निकालने के लिए बढ़े, वे ....

..... । शिखा और सुखवती को भी .....

दही-बड़ा

सारे चूहों ने मिलजुल कर
एक बनाया दही-बड़ा।
सत्तर किलो दही मंगवाया
फिर छुड़वाया दही-बड़ा॥

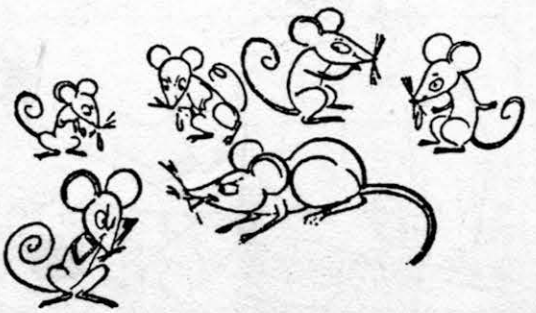

दिनभर रहा दही के अंदर
बहुत बड़ा वह दही-बड़ा।
फिर चूहों ने उसे उठाकर
दरवाज़े से किया खड़ा॥

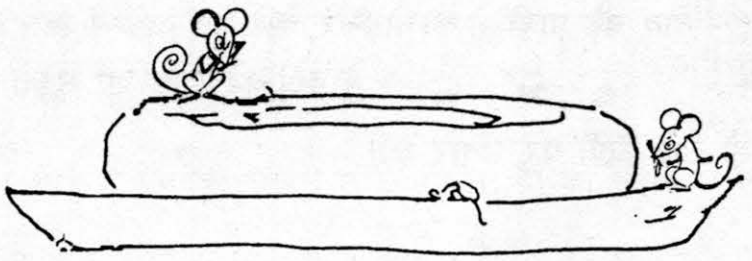

रात और दिन दही-बड़ा ही
सब चूहे अब खाते हैं।
मौज मनाते गाना गाते
कहीं न घर से जाते हैं॥

(डा. श्रीप्रसाद)

1. कविता का लेखक कौन है?

2. दही-बड़ा किसने बनाया?

3. कितने किलो दही में ये दही-बड़ा बना? ये दही-बड़ा कितना बड़ा रहा होगा?

4. चूहों ने दही-बड़े को दरवाज़े से क्यों खड़ा किया होगा?

5. चूहे अब दिन भर क्या करते हैं?

6. दही-बड़ा बनाने में जो न लगे उसे काट दो :-

शक्कर, नमक, उड़द दाल, अदरक, मिर्ची, धनिया, गेहूं, दूध,
दही, जीरा, मावा, लहसुन, इलायची, तेल, खोपरा, हल्दी, मूंगफली।

● *दही-बड़े बनाने के तरीके में जो नहीं होता, उसे काट दो -*

- उड़द दाल को पानी में भिगोकर रखो।
- शक्कर घोल लो।
- कुछ घंटे बाद दाल को पीस लो।
- मावा गरम करो।
- पीसी हुई दाल में नमक और मसाला मिला लो।
- तेल की कड़ाही गरम होने के लिये रख दो।
- कड़ाही में मावा डाल दो।
- कड़ाही को दो घंटे गरम होने दो।
- पिसी दाल के बड़े जैसे बनाकर कड़ाही में छोड़ो।
- कड़ाही में ही दही डाल दो।
- हल्के लाल होने पर निकालकर नमक वाले पानी में डालो।
- अब बड़े पानी से निचोड़कर, फेंटे हुए दही में डाल दो।
- ये दही-बड़े खाए जा सकते हैं।

काटने का काम हो जाने के बाद जो कुछ बचा हो उसे कॉपी पर उतार लो।

7. खाली स्थान भरो :-

एक चूहा खाता है।
सब चूहे .....।
रात को तारे निकलते हैं।
..... को सूरज ..... है।
चूहा घर से नहीं जाता।
..... घर से नहीं जाते।

अब इनसे वाक्य बनाओ

मोटा	पतला
धीरे	तेज़
मीठा	कड़ुआ

8. इन वाक्यों को पढ़ो -

दही-बड़ा इतना <u>बड़ा</u> था कि उसे सौ चूहे नहीं खा पाए।
लड्डू इतना <u>छोटा</u> था कि उससे एक चूहे का पेट भी नहीं भरा।

9. छोटू हलवाई २५ दही-बड़े बनाने के लिये आधा किलो दाल पीसता है। तो बताओ
१०० दही-बड़े बनाने के लिये कितनी दाल पीसनी पड़ेगी?
इसी तरह २५ दही-बड़ों में छोटू के यहां ३ लोटे दही खप जाता है।
तो १०० दही-बड़ों के लिये कितने लोटे दही की जरूरत पड़ेगी?

10. आमतौर पर दही-बड़ा कितना बड़ा होता है। तुम्हारी पूरी कक्षा ७० किलो वाला दही-बड़ा खा पायेगी कि नही?

बिन्दु के खेल

जिस पृष्ठ पर बिन्दु हैं उस पर ये खेल खेलों।

बनाओ तो जाने – किसी भी बिन्दु पर शुरू करके, बिना पेन्सिल कागज़ से उठाए ये आकृतियां बनाओ

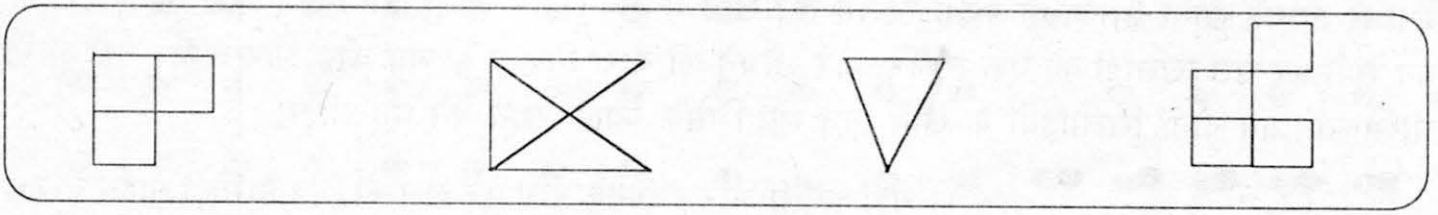

किस की आखिरी लकीर- दो दोस्त खेलो।

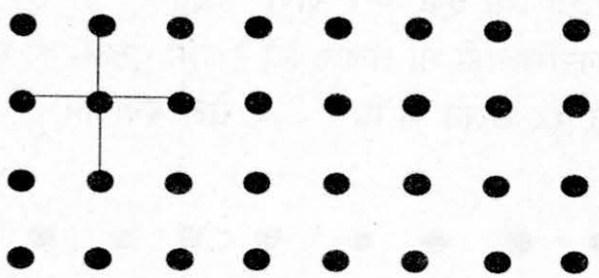

३२ बिन्दु चुन लो अब तुम दो बिन्दुओं को जोड़ती कोई भी एक सीधी लकीर खींचो खड़ी या आड़ी । (चित्र में चुने गए बिन्दु से सभी रेखाएं दिखाई हैं। तुम इनमें से कोई एक खींचोगे।
अब तुम्हारे साथी की बारी है उसे तुम्हारी लकीर के किसी एक छोर से एक ओर लकीर खींचनी है वह एक बार में एक ही लाइन खींच सकता है। जो आखिरी लकीर खीचेंगा वह हारा।

नीचे बिन्दु चार्ट में कई आकृतियां बनीं हैं।
इनमें से ४ भुजाओं वाली आकृतियों में हरा रंग भरो। ५ भुजाओं वाली आकृतियों में काला रंग भरो। कौन सी आकृति सबसे बड़ी है? कौन सी आकृति सबसे छोटी है? और कौन सी आकृतियां बराबर हैं? कैसे पता किया?

खाली बिन्दु वाली जगह पर अपने मन से आकृतियां बनाओ।

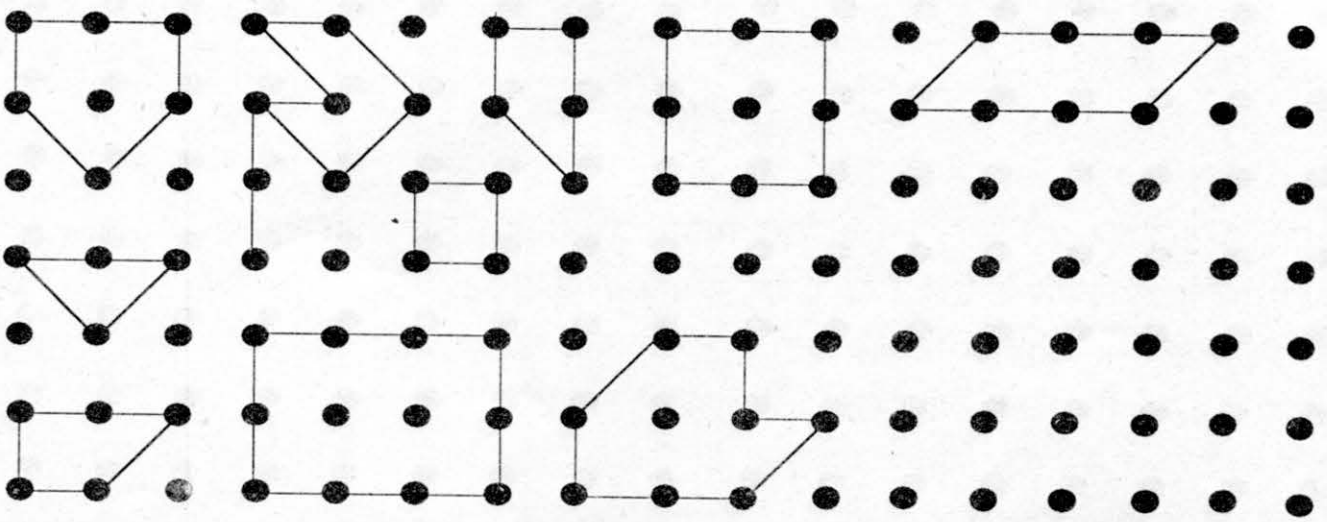

किस के ज़्यादा खाने - बिन्दुओं का एक और खेल

32 या 64 बिंदु चुन लो या पट्टी पर बना लो। अब आखिरी लकीर के खेल जैसे एक खिलाड़ी एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक आड़ी या खड़ी लकीर खींचता है। एक बार में एक ही लकीर। अब दूसरे की बारी है। वह पहली लकीर के किसी एक सिरे से एक और लकीर खींचे। जब भी कोई खिलाड़ी अपनी लकीर खींच कर एक खाना बना ले तो वह खाना उसका हो जाता है। वह उस खाने में अपने नाम का पहला अक्षर लिख ले। एक खाना बन जाने पर उस खिलाड़ी को एक लकीर और खींचने की बारी मिलती है। जब कोई और लकीर नहीं खींची जा सकती, तब दोनों खिलाड़ियों के खाने गिन लो। जिसके ज्यादा खाने बने वह जीता।

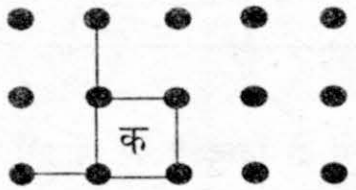

यहां कमली और रज्जनके बीच एक खेल का चित्र है। मोटी लाईन रज्जन की और पतली कमली की। खेल रज्जन ने शुरू किया था, पर कमली ने खाना बना लिया तो उसे एक और बारी मिली।

यह खेल दो से अधिक खिलाड़ी भी खेल सकते हैं। तुम गुरूजी की मदद से बिंदु वाले कागज़ पर खेलने के लिए और खेल बनाओ।

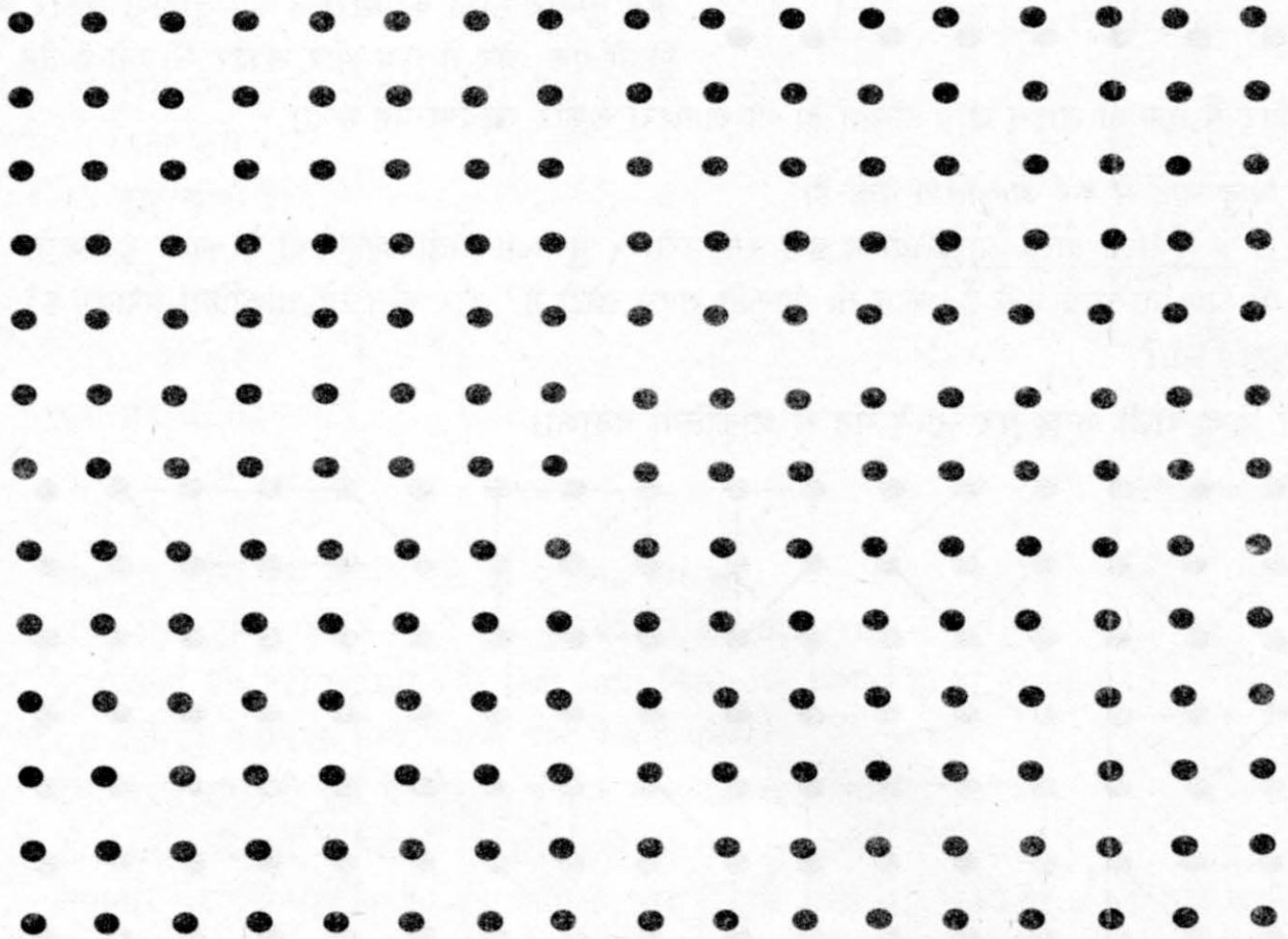

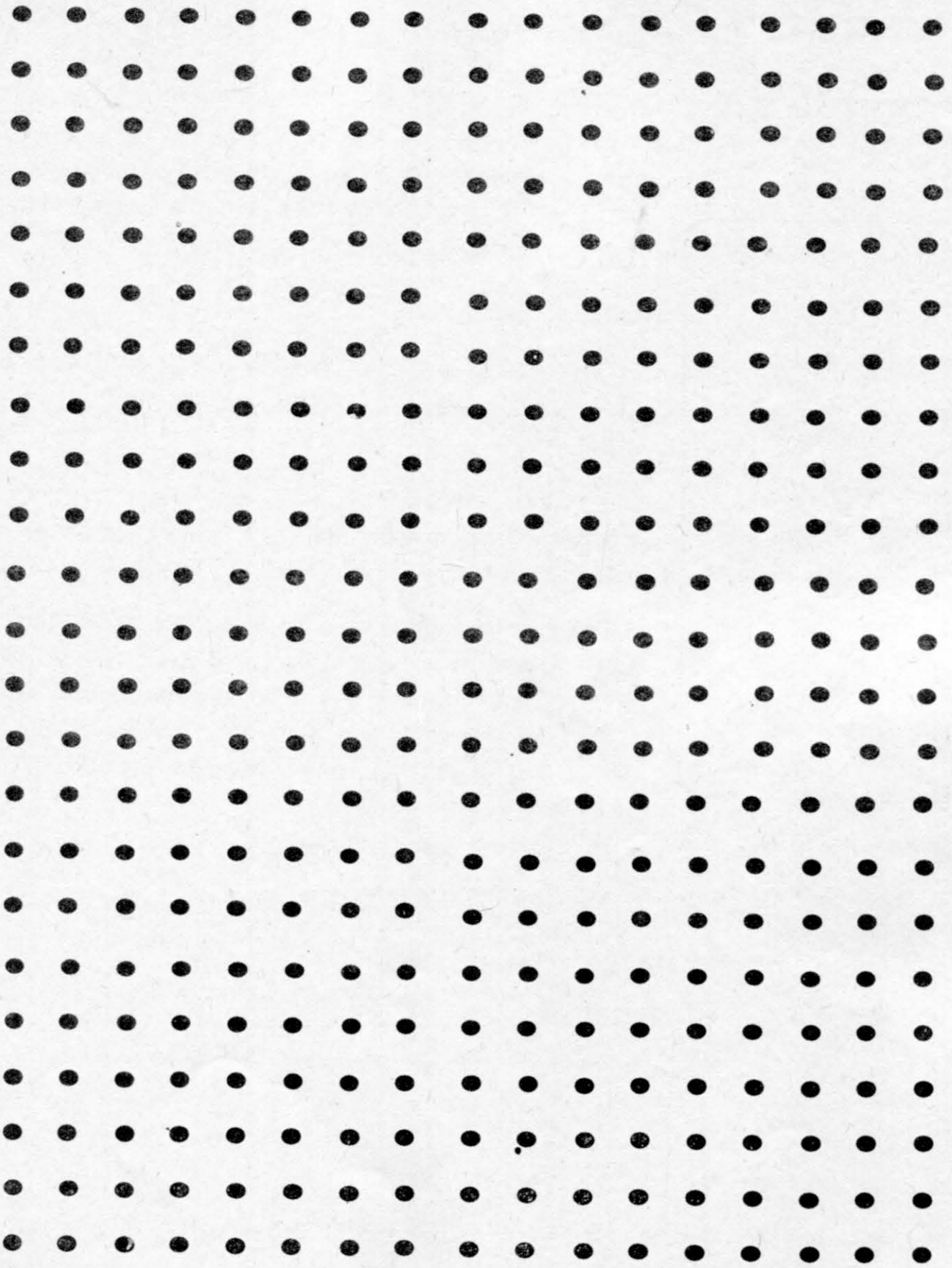

चाचाजी हमारे - 2

हमारे यहां के अख़बार में यह खबर छपी है -

सिलवाड़ी, १७ दिसंबर

खबर मिली है कि आज सुबह चाचाजी नाम से जाने वाले एक व्यक्ति अपने घर की छत से गिर पड़े और उनका पैर टूट गया। जब यह घटना घटी तब चाचाजी अपने घर की छत से छलांग लगा रहे थे। ऐसा माना जाता है कि यह व्यक्ति काफी समय से ऊंचाई से कूदने की सोच रहे थे।

कहा जाता है कि वे रोज़ नदी नहाने जाया करते थे, वहां वे दूब भी खाते थे। वहां से आने के बाद वे अपने घर की छत से कूदने की योजना बनाया करते थे। उन्होंने पैराशूट लेकर कूदने वालों के कई चित्र देखे थे। इन्हें देख कर ही चाचाजी ने कूदने की सोची थी।

आखिर उनकी योजना बन ही गई। योजना यह थी कि जमीन पर छह गद्दे एक के ऊपर एक बिछाए जाएं। दोनों हाथों में खुले छाते लेकर छत से कूदा जाए। आज उन्होंने अपनी यह योजना आजमाई। और इसी से यह दुर्घटना घटी।

चाचाजी गद्दों पर गिरने की बजाय गैंदों की क्यारी में जा गिरे। दुर्घटना को देखने वालों के अनुसार चाचाजी का पैर टूटने के अलावा उनके सिर पर भी चोट आई है। डॉक्टरों का कहना है कि चाचाजी अब तीन-चार महीनों तक चल फिर नहीं पाएंगे। फिलहाल वे अपना और दूसरों का दिल बहलाने के लिए गाना गाने का प्रयोग कर रहे हैं। आगे खबर है कि उनके गाने से आसपास के घरों की खिड़कियों के कांच टूट गए हैं।

नदी पहुंच कर चाचाजी
रोज़ चबाते दूब
कभी तैरते हाथ फैलाकर
कभी वो जाते डूब

जब आते थे घर पर वो
खोला करते छाते
छह गद्दों का छत के नीचे
ढेर बड़ा बिछाते।

छत पर चढ़ कर चाचा जी
कूदा करते खूब
फिर लंगड़ा कर चाचा जी
गाया करते खूब।

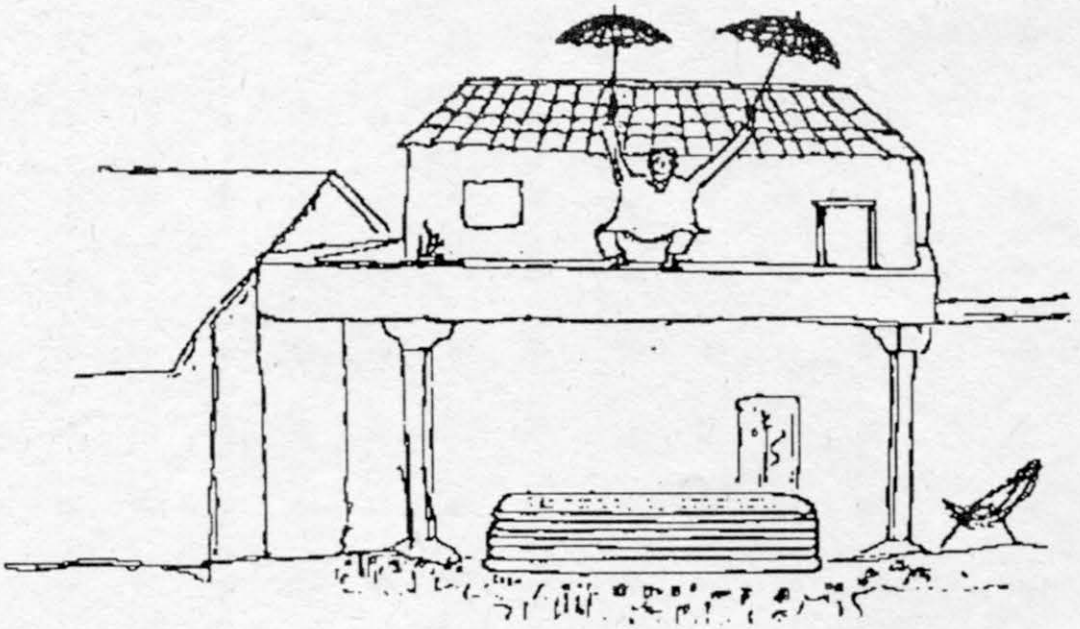

1. अखबार में छपी खबर कब और कहां की है? ----------

2. यह खबर किस घटना के बारे में है? ----------

3. चाचाजी की योजना क्या थी? ----------

---

4. चाचाजी का पैर क्यों टूट गया? ----------

---

5. चाचाजी ने इतने सारे गद्दे क्यों जमाए थे? ----------

---

6. आजकल चाचाजी क्या कर रहे हैं? ----------

7. गैंदों की क्यारी का क्या हुआ होगा? चित्र बनाओ।

8. अखबार की इस रपट में तुम्हें कौन-कौन से शब्द मुश्किल लगे। मुश्किल शब्दों पर गोला लगाओ। गुरू जी से इनका अर्थ पूछकर इनसे दो-दो नए वाक्य कॉपी में बनाओ।

9. क्या तुम भी आसपास की घटनाओं की खबर लिख सकते हो? साथियों के साथ एक अखबार निकालो। सब मिलकर अलग-अलग कागज़ पर अपनी खबर लिखो और उन्हें दीवार पर टांगो। इससे पहले वाली चाचाजी की कहानी की भी अखबारी रपट बनाओ।

10. इस रिर्पोट के लिए एक शीर्षक चुनो-

चाचाजी की कूद, चाचाजी के बनाए पैराशूट, चाचाजी की टांग, तैराक चाचाजी।

11. चाचाजी की योजना में क्या-क्या गलतियां थीं? छाते को इस तरह से उपयोग करना क्यों संभव नहीं?

सभी कुओं में पड़ गई भांग,
बकते हैं सब ऊट पटांग

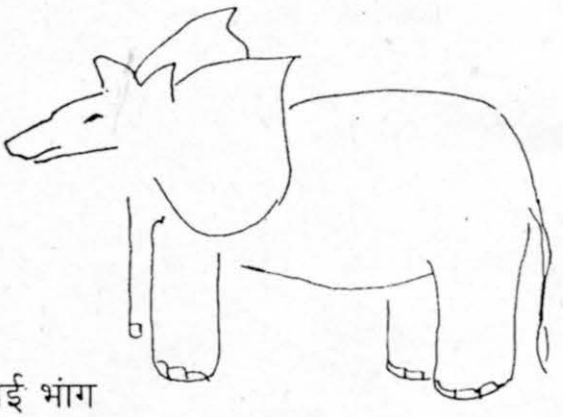

बिल्ली करती ढेंचू ढेंचू
गधा कर रहा म्याऊं म्याऊं
चूहा आगे बढ़ चिंग्घाड़े,
हाथी कहता मै गुर्राऊं
कोयल बोले कुकडूं कूं कूं
और गुटरगूं देता बांग
सभी कुओं में पड़ गई भांग
बकते हैं सब ऊट पटांग।

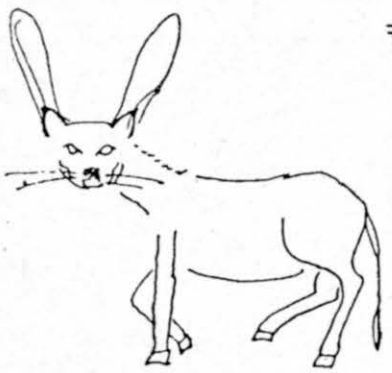

उमाकांत मालवीय

१ - कविता में आए किन-किन जानवरों ने भांग पी है? तुम्हें कैसे मालूम हुआ?

२ - बिल्ली क्या बोल रही थी? गधा और चूहा क्या-क्या बोल रहे थे?

इनके बोलने को ऊट पटांग क्यों कहा जा रहा है?

३ - इन सब ने भी भांग पी है, तो बताओ कौन क्या बक रहा होगा? (कॉपी में लिखो।)

शेर, बकरी, मुर्गा, कुत्ता, मोर, कौआ, तोता, भैंस, गाय, बछड़ा और चींटी।

४ - सही जोड़ी मिलाओ-(यदि जीवों ने भांग न पी हो तो कैसे बोलेंगे।)

१ - कोयल	कूकडूं कूं करता है।
२ - गधा	चीं चीं करता है।
३ - बिल्ली	कुहू कुहू करती है।
४ - चूहा	ढेंचू ढेंचू करता है।
५ - मुर्गा	म्यांऊ म्यांऊ करती है?

● **कौन क्या करेगा।**

इन जानवरों के बोलने को क्या कहते हैं?

१ - हाथी चिग्घाड़ता है।

२ - शेर ..... है।

३ - गाय ..... है।

४ - चिड़िया ..... है।

५ - गधा ..... है।

● *और शब्द लिखो -*

देना	देता	देते
मारना	मारता	मारते
नहाना	नहाता	नहाते
गुर्राना	.....	.....

● सभी कुंओं में नमक पड़ जाता तो क्या होता?

● **नई तरह की पहेली।** नीचे के चित्र में शेर गुफा में सो रहा है। चूहा वहां पहुंचकर उसके कान में ज़ोर से चिंघाड़ना चाहता है। उसके सामने तीन फीते हैं, जो एक दूसरे के ऊपर-नीचे होते हुए शेर की ओर जाते हैं। पर दो फीते बीच में कहीं कटे हुए हैं, केवल एक ही फीता पूरा का पूरा शेर तक पहुंचता है। कौन सा?

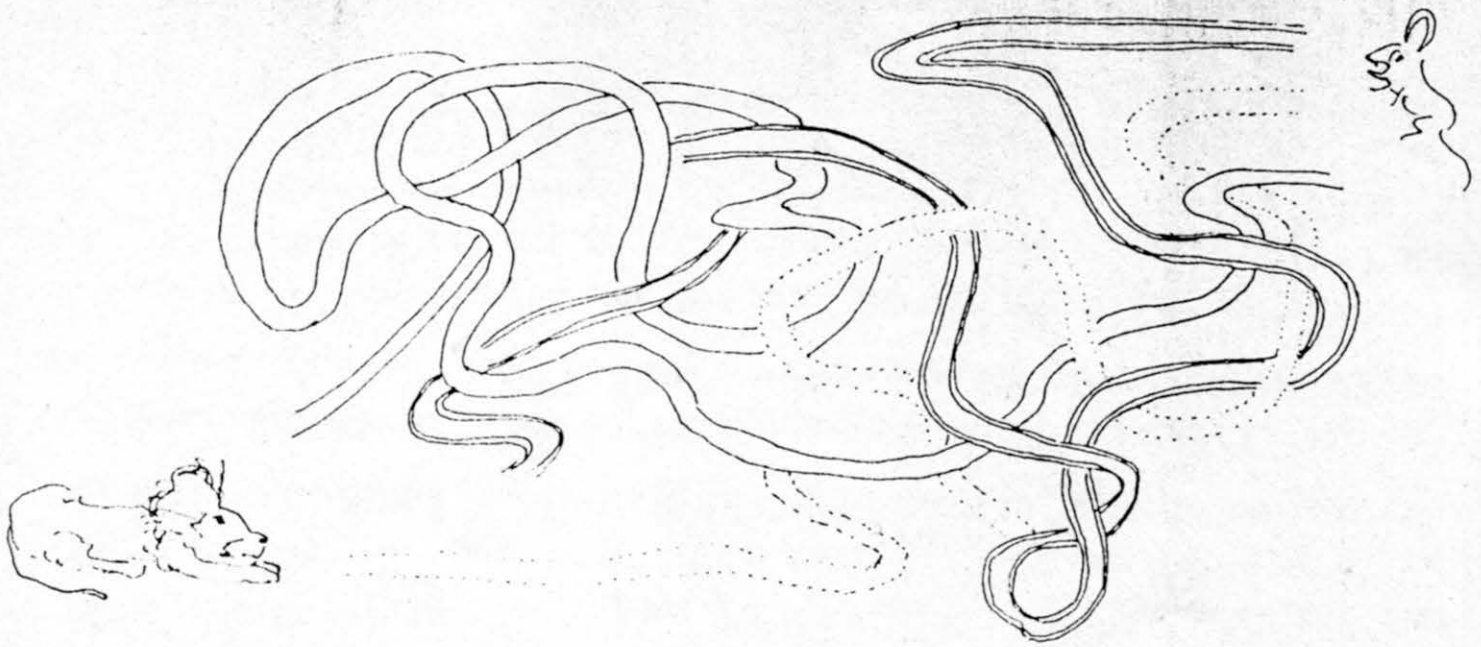

तुम भी ऐसी पहेली बना सकते हो। फीते, धागे, सुतली, रस्सी, पुराने कपड़े लेकर ऐसी और पहेलियां बनाओ, दोस्तों को बूझने को दो ।

दिनांक

रुपये - पैसे

तुमने दुकान से सामान खरीदा ही होगा। क्या-क्या खरीदते हो? ----------

---

जो-ज़ो सामान तुमने खरीदा है उसके बारे में कॉपी में लिखो:

किसी एक बार क्या खरीदा? उस बार की घटना को पूरा याद करो।
क्या तुम्हें याद है कितना खरीदा था और कितने में?
जिन-जिन चीज़ों के बारे में याद है, उन सब के बारे में, नाम सहित कॉपी पर लिखो।

जब भी हम सामान खरीदते हैं तो दुकानदार को खरीदे सामान के बदले पैसे देते हैं। नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं। इनमें वे नोट और सिक्के दिखाए गए हैं जो हम इस्तेमाल करते हैं।

क्या तुम इन्हें पहचान सकते हो? हर नोट के चित्र में नोट के रंग से मिलता रंग भरो।
इनके अलावा कुछ और भी सिक्के और नोट होते हैं। इनके चित्र कापी में बनाओ।

दुकानदार को पैसे देते समय हिसाब भी करना होता है। कितने पैसे उसको देने हैं, कितने का नोट या सिक्का तुमने दिया और कितने पैसे तुम्हें वापस मिलेंगे। अपनी खरीददारी के कुछ उदाहरण याद करके कॉपी में लिखो।

मैंने दुकान से नमक खरीदा था, उसके बारे में मैं लिख रहा हूं। *इसी तरह तुम ने जो खरीदा है उसे लिखो।*

सामान खरीदा - **नमक**
दुकानदार को देने थे - ६० पैसे
मैंने दिया - १ रु. का नोट
मुझे कितने पैसे वापस मिले - ४० पैसे

सामान खरीदा - **किताब**
दुकानदार को देने थे - ८ रू ५० पैसे
मैंने दिया - १० रु. का नोट
मुझे कितने पैसे वापस मिले? ---------

● १ रु.. में १०० पैसे होते हैं। २ रु. में कितने पैसे होंगे?

मेरे पास १ रु. ५० पैसे हैं। मेरे पास कुल कितने पैसे हैं?

५ रु. में कितने पैसे होते हैं?

इसी तरह के और भी सवाल करो।

● एक केला ५० पैसे का है। २ रु. में मुझे कितने केले मिलेंगे

- ५० पैसे में ५ पैसे की एक वाली कितनी गोली मिलेंगी?

अगर एक रु में १०० पैसे हैं तो,

-दो रुपये में २ X १०० = २०० पैसे

- यदि ५ पैसे में एक गोली

तो ५० पैसे में $\frac{५०X१}{५}$ = १० गोली

ऐसे और भी सवाल बनाओ और करो।

● पैसे शब्द का उपयोग दो तरह से होता है।

पहला पैसे यानी कुल कितने रुपए और कितने पैसे, यानी कितनी मुद्रा?

और दूसरा २ रु. में कितने पैसे होते हैं?

नीचे कुछ वाक्य उदाहरण के लिये दिये हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ो।

१. मेरे पास बहुत सारे पैसे हैं।
तेरे पास कितने पैसे हैं?

२. पैसों का हिसाब कर लो।

३. १ रु. में १०० पैसे हैं।
५० पैसे के चार सिक्के यानी २०० पैसे।

ऊपर के वाक्यों में से दोनों तरह के इस्तेमाल को ढूंढकर गोला या उसके नीचे लाईन लगाओ। रूपये पैसे के बारे में दी जानकारी वाले हिस्से में भी इसी प्रकार अलग-अलग उपयोग पहचानो।

ऐसे और भी बहुत शब्द हैं जिनके अलग-अलग जगह पर अलग-अलग अर्थ होते हैं।

इस किताब में भी क्या ऐसे कुछ शब्द और उनके अलग-अलग उपयोग के उदाहरण हैं?

इन सब को ढूंढ़ कर कापी में लिखो।

क्या तुम ऐसे और भी शब्द सोच सकते हो?

♣ ऐसे शब्द और उनके अर्थ कक्षा में कौन सबसे अधिक सोच पाया।

कुछ सवाल

- हमारे घर से नानी के घर तक बस में अकेले जाने पर मुझे २ रुपये ५० पैसे देने पड़ते हैं।
इस बार मेरे साथ कमली और लालू भी थे। हमें नानी जी के घर तक कितने पैसे देने पड़े होंगे।

- लाली के पास ३ रु थे। उसने १ रु के आम और ५० पैसे के चने लिए। घर पर आने पर मां ने कहा जा २ रु की दाल ले आ। लाली ने बचे पैसे गिने और बोली मां मेरे पास तो पैसे कम हैं। लाली को और कितने पैसे की जरूरत है?

- एक कॉपी की कीमत १ रु २५ पैसे है। रानू और रिंकू को ६ कॉपियों के लिए कितने पैसे कि ज़रूरत पड़ेगी।

- एक ठेले वाले के पास २० दर्जन केले थे। उसने ये केले ३ रु ५० पैसे प्रति दर्जन से हिसाब से बेचे। शाम तक उसके १२ दर्जन केले बिके। केलों की बिक्री से उसे कितने पैसे मिले?

शब्द-वाक्य खेल

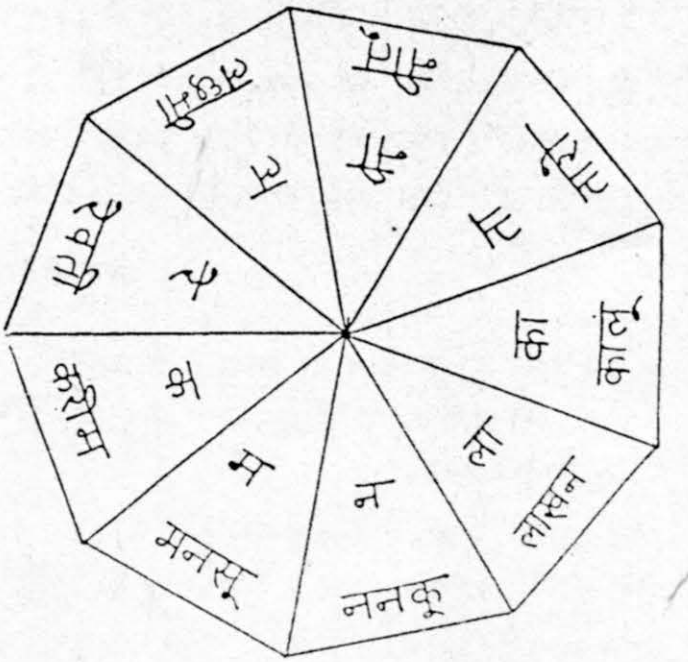

खेल खेलने के लिये कुछ सामग्री चाहिये। कड़े कागज़ या पतले पुष्टे के डिब्बे में से एक पतली पट्टी के सिरे को काटकर नोंक बना लो। जैसा चित्र में दिया गया है।

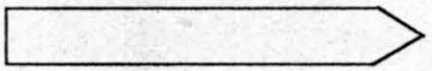

इस पट्टी को आलपिन या बबूल के कांटे में डाल दो। आलपिन को गोले (चक्र) के बीच में गाड़ दो। पट्टी (तीर) को अंगुली से घुमाओ। जहां भी पट्टी (तीर) का सिरा रुके वही तुम्हारा अंक या शब्द आया माना जाएगा। यह एक तरह का पासा है।

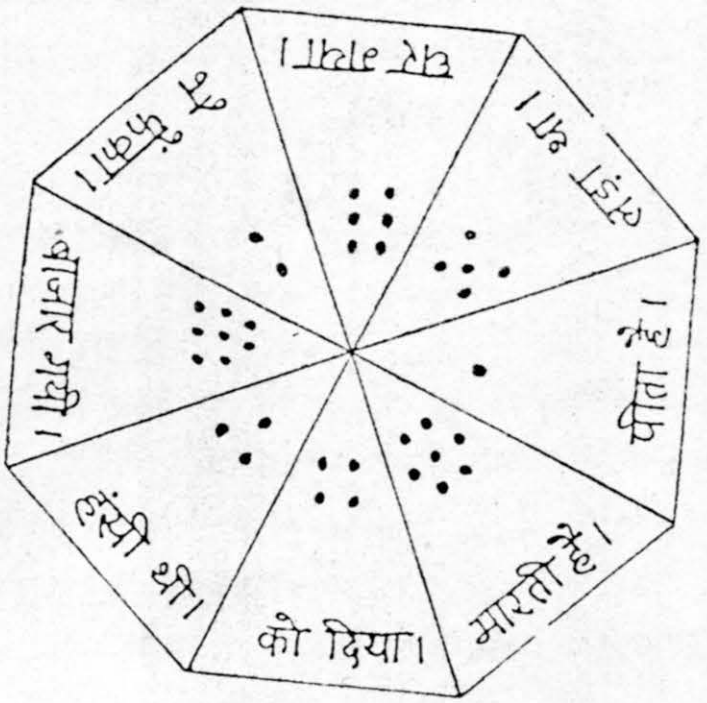

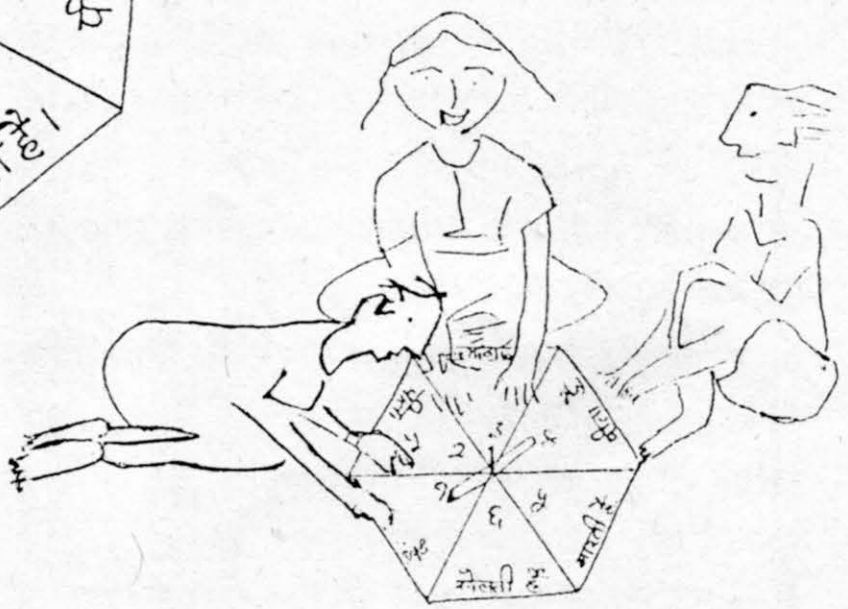

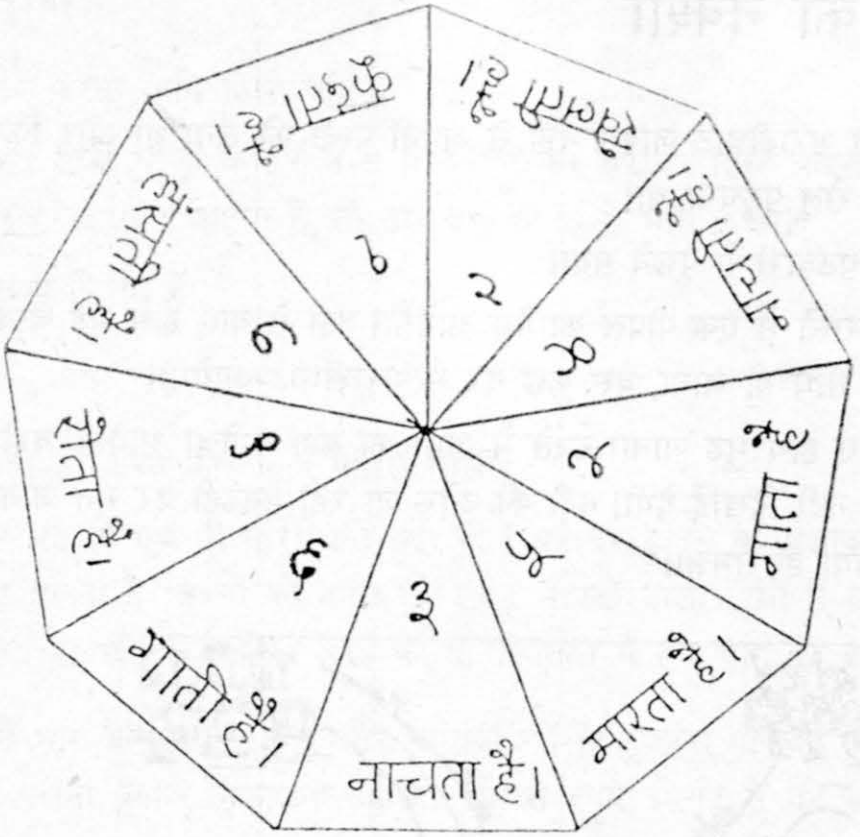

दोनों पृष्ठ पर बने शब्द चक्रों में नोक वाली पट्टी समेत आलपिन या कांटा गाड़ लो। अब बारी-बारी दोनों पट्टी (तीर) घुमाओ। जहां-जहां पट्टी रुके उन शब्दों को पढ़ो।

इन शब्दों को जोड़कर एक वाक्य बनाने की कोशिश करो। क्या सही वाक्य बन पाया ? वाक्य को पट्टी पर लिखो।

अगर पहले शब्द चक्र पर **लछमी** आए और दूसरे पर **गाती है।** तो वाक्य बनेगा। **लछमी गाती है।**

खेल का एक और तरीका :- अगर पिन और पट्टी न हो तो आंखें बंद कर के एक हाथ की पहली अंगुली पहले चक्र पर और दूसरे हाथ की पहली अंगुली दूसरे चक्र पर रखो। दोनों चक्रों में जहां-जहां अंगुली रखी जाती है, उन शब्दों को पढ़ कर उनसे वाक्य बनाने की कोशिश करो। दो दोस्त भी एक-एक चक्र पर अंगुली रखकर खेल सकते हैं।

इन दो पृष्ठों पर चक्र बने हैं। इनसे तुम कई खेल बनाकर खेल सकते हो। जैसे -

१ - **अक्षर चक्र से** जो अक्षर आए उसी से शब्द बनाना।

२ - शब्द चक्र में जो शब्द ऊपर आये उससे वाक्य बनाओ।

३ - **अंक चक्र से** जो अंक आए उतने ही कंकड़, बीच में रखी कंकड़ वाली ढेरी से उठाना।

४ - **दोनों अंक चक्रों** का एक साथ उपयोग। दोनों में जितनी संख्या आए उन्हें जोड़ो। उत्तर सही बताने पर दो कंकड़ ढेरी से लेना। न बता पाने पर एक कंकड़ वापस रखना। ज़्यादा कंकर वाला जीता।

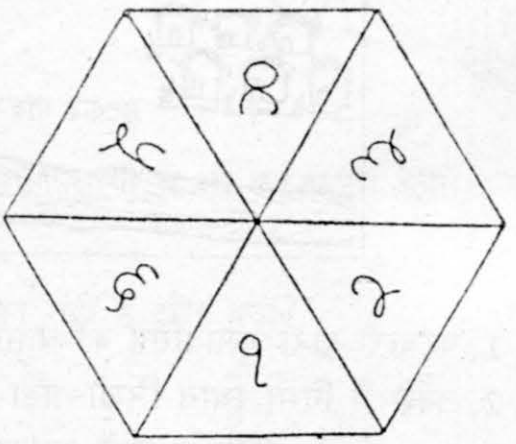

५ - दोनों अंक चक्रों में आए अंकों में बड़ी संख्या कौन सी है। बड़ी संख्या में से छोटी संख्या घटाना।

६ - दोनों अंक चक्रों में आई संख्याओं को एक दूसरे से गुणा करना।

७ - दोनों पासों पर आए अंकों से दो अंकों की सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या बनाना। इन दोनों में कितना अंतर है।

●● इसके अलावा और खेल भी सोचे जा सकते हैं।

गुटकर गाँव का नक्शा

गुलाबसिंह गुटकर गाँव में रहता था। उसे भराड़ीघाट जाकर वहाँ से अपनी पत्नी को लेना था और फिर शाम तक अपने भतीजे की शादी में मंगरोलू पहुंचना था।

उसे रास्ता ठीक से मालूम नहीं था। वह पटवारी से पूछने गया।

पटवारी ने कहा : गुटकर से चलोगे तो रास्ते में एक पीपल का पेड़ आयेगा। वहां से बाएं हाथ मुड़ जाना। कुछ दूर बाद बड़ा गांव आयेगा। वहां से सीधे ही जाना, बस कुछ देर में भराड़ीघाट आयेगा।

भराड़ीघाट से लौटोगे तो बड़े गांव से बाएं हाथ मुड़ जाना। रास्ते में आम का बड़ा बगीचा आयेगा। वहाँ से दाएं हाथ मुड़ जाना थोड़ी देर बाद दूधि नदी दिखाई देगी। नदी की ओर जा रही पगडंडी पर मत जाना। बड़े रास्ते पर चलते रहो तो मंगरोट आया ही समझो।

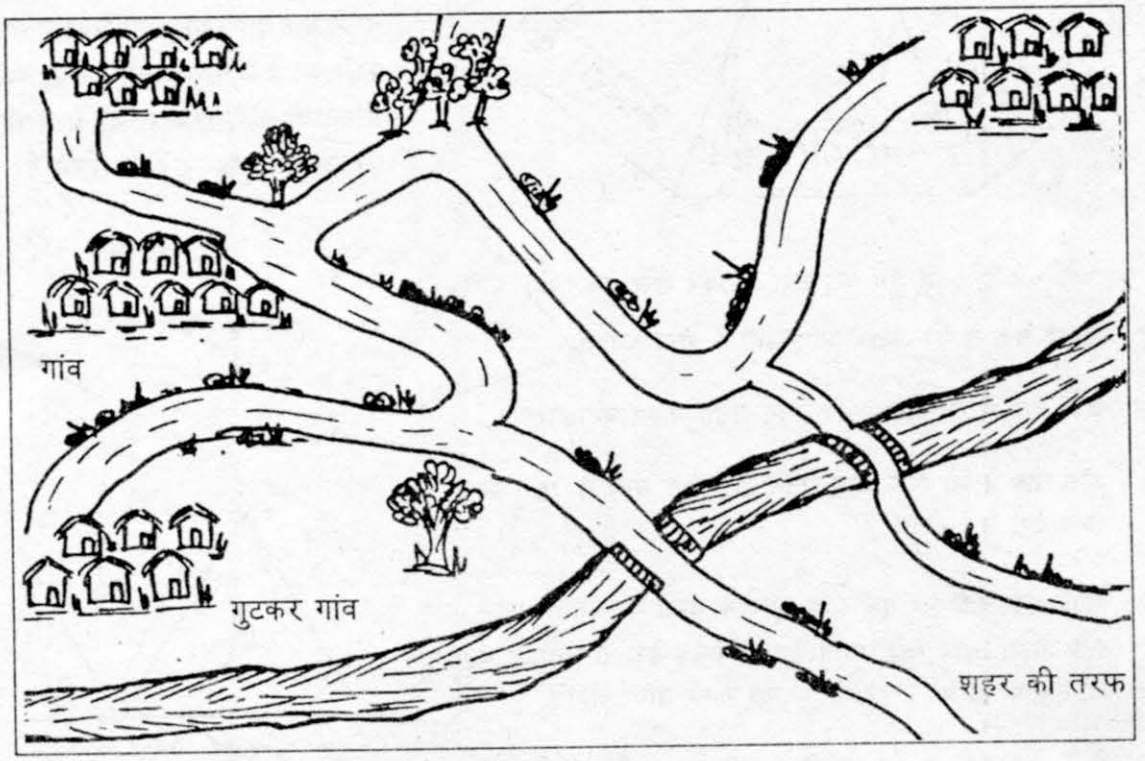

1. पटवारी द्वारा गुलाबसिंह को बताया रास्ता (...) नक्शे पर बनाओ।
2. नक्शे में निम्न स्थान लिखो–बड़ा गांव, पीपल का पेड़, बरसाती नाला, भराड़ीघाट, मंगरोलू
3. गुटकर गांव से शहर जाने का रास्ता बनाओ?
   इस रास्ते को समझाकर बताने की कोशिश करो, जैसा पटवारी ने गुलाबसिंह को बताया था।
4. मंगरोलू से लौटते में सबसे पहले क्या आएगा?
5. अपने आसपास के गांवों की ओर जाने के रास्तों को साथियों के साथ मिलकर बनाने की कोशिश करो।

भाग

भाग करना यानि हिस्से बांटना।

बहुत सारी चीज़ों के ढेर में से गिन-गिन कर बराबर हिस्से करना। जैसे ३५ पेंसिलों को ७ बच्चों में बराबर-बराबर बांटना है, तो हम ३५ को ७ से भाग करेंगे।

इसको लिखते हैं

३५ ÷ ७ = ५

यानि हर बच्चे को ५-५ पेंसिलें मिली।

पर यह तो एक ही परिस्थिति हुई। चीजें बराबर बांटने के अलावा और किन-किन जगहों पर भाग करना पड़ सकता है? बच्चों को बराबर-बराबर सदस्यों वाली टीमों में बांटने के लिए भी भाग की आवश्यकता होती है। और किस-किस तरह की परिस्थितयों में हम भाग का इस्तेमाल करते हैं? पता करो।

वैसे भाग के उपयोग कुछ और गतिविधियों से तुम्हारा परिचय आगे की कक्षाओं में होगा। जैसे प्रतिशत निकालना, ब्याज निकालना, औसत, पैसे से रुपये, मिनट से घंटे बनाना आदि।

चलो भाग के कुछ सवाल करके देखो :

१५ ÷ ३ =

१६ ÷ २ =

१८८ ÷ ४ =

१८ ÷ ९ =

३५ ÷ ५ =

१४४ ÷ ८ =

तुम ही इस तरह के और भी सवाल बना लो। खुद भी करो और अपने साथी से भी करवाओ। अपने हल दोस्तों के हल से मिलाकर देखो।

क्या दोनों के हल एक समान हैं? यदि नहीं, तो जांच करो कि किसका सही है और क्यों?

क्या तुम ऊपर दिए सवालों के लिए इबारती सवाल बना सकते हो?

– एक मैं बनाता हूं।

मैं ५ किलो आटा २५ रू का लाया। आटा मुझे किस भाव मिला। कितने रुपये का एक किलो?

ऊपर दिए सभी सवालों के लिए दो-दो इबारती सवाल बनाओ।

शीर्षक सोचो और लिखो

एक गांव में झटपट नाम का आदमी रहता था। झटपट दिन निकलते ही अपना काम शुरू कर देता था – खटपट खटपट। मुहल्ले के लोग झटपट की इस खटपट से बहुत परेशान थे।

ये खटपट-खटपट कर के झटपट क्या करता था? वो लकड़ी की चौखट और अलमारी बनाता था। गाड़ी और तख्ता बनाता। कुर्सी और टेबिल भी अच्छी तरह से बनाता। सब उसको झटपट बढ़ई कहते थे ।

झटपट के पास अपनी खटपट करने के लिये वसूला था, आरी थी, रिन्दा था। उसके पास कुल्हाड़ी, गिरमट, बिदना और बरमा भी थे।

तो झटपट अपनी आरी से पटिया चीरता,

वसूले से .....,

रिन्दा से .....,

कुल्हाड़ी से .....,

गिरमट से .....,

और बिदनी से चौकोर छेद बनाता था।

१ - बताओ ये लोग क्या-क्या करते हैं। कॉपी पर इनका चित्र भी बनाओ।

लोहार कुम्हार डाक्टर बस कंडक्टर व्यापारी

शिक्षक/शिक्षिका पोस्टमेन सरपंच मिस्त्री दरज़ी

सब्ज़ीवाली मज़दूर नाकेदार बाबू

जिनके बारे में नहीं पता उन लोगों से मिलकर पता करो। यदि फिर भी मुश्किल हो तो गुरूजी/ बहनजी से पता करके लिखो।

२ - नीचे लिखी चीज़ों में से कौन सी चीज़ें बढ़ई बनाता है? उनके चारों तरफ गोला लगाओ।

टेबिल, पतंग, खुरपी, कुर्सी, आलमारी, चौखट,
घड़ी, दरवाज़े, पंखा, गाड़ी, पांत, पेंसिल, पुस्तक,
बर्तन, तख्ता, डस्टर, घड़ा, साबुन।

● बाकी चीज़ें कौन बनाता है? कहां से आती हैं? तालिका बना कर लिखो।

चीज़ का नाम	कौन बनाता है	कहां से आती है

३ (क) बढ़ई की बनाई चीज़ों में से तुम मिट्टी/ठठेरे से कौन-कौन सी चीज़ें बना सकते हो बनाओ। उनका चित्र भी कॉपी में बनाओ।

४ - जब बढ़ई रिन्दे से किसी लकड़ी को छीलता है तब लकड़ी के पतले-पतले छिलके निकलते हैं। तुम इन छिलकों को पानी में भिगोने के बाद कैंची से काटकर तरह-तरह की आकृतियां बना सकते हो। जब बनाई हुई चीज़ें सूख जाएं तब उसमें रंग भी भर सकते हो। यदि छिलके मिल सकें तो चीज़ें बनाकर देखना। पेंसिल बनाने में भी ऐसे छिलके निकलते हैं। इनके उपयोग से बनी एक आकृति मैं यहां दे रही हूं। तुम ऐसी और भी बनाओ।
चाहो तो इन आकृतियों को कॉपी पर चिपका कर भी चित्र बना सकते हो।

५ - नीचे पैराग्राफ की भाषा में कम से कम पॉच गलतियां हैं, उन्हें ठीक करके पैराग्राफ दुबारा लिखो। खाली स्थानों को भी भरो।

आज सुबह खटपट बढ़ई को जंगल में शेर मिली। खटपट डरा गई। उसके औज़ारों वाला डिब्बा भड़ से गिर गई। सारे औज़ार बाहर गिरे। एक कील शेर ..... नाक पर जा लगी। शेर ..... लगा। किसी ने उस ..... भाला फिका है। वह घबराया और जोर से भागा।

---

७ - बढ़ई कैसे पता करता होगा कि एक टेबिल को बनाने के लिये कितनी लकड़ी चाहिए?
एक दरजी कैसे पता करता है कि तुम्हारी फ्राक या शर्ट बनाने के लिए कितना कपड़ा चाहिये?

८ - बताओ नीचे के चार टेबिल में से कौन से टेबिल को ढांकने के लिये ज़्यादा कपड़ा लगेगा। गुटके जमाकर देखो।

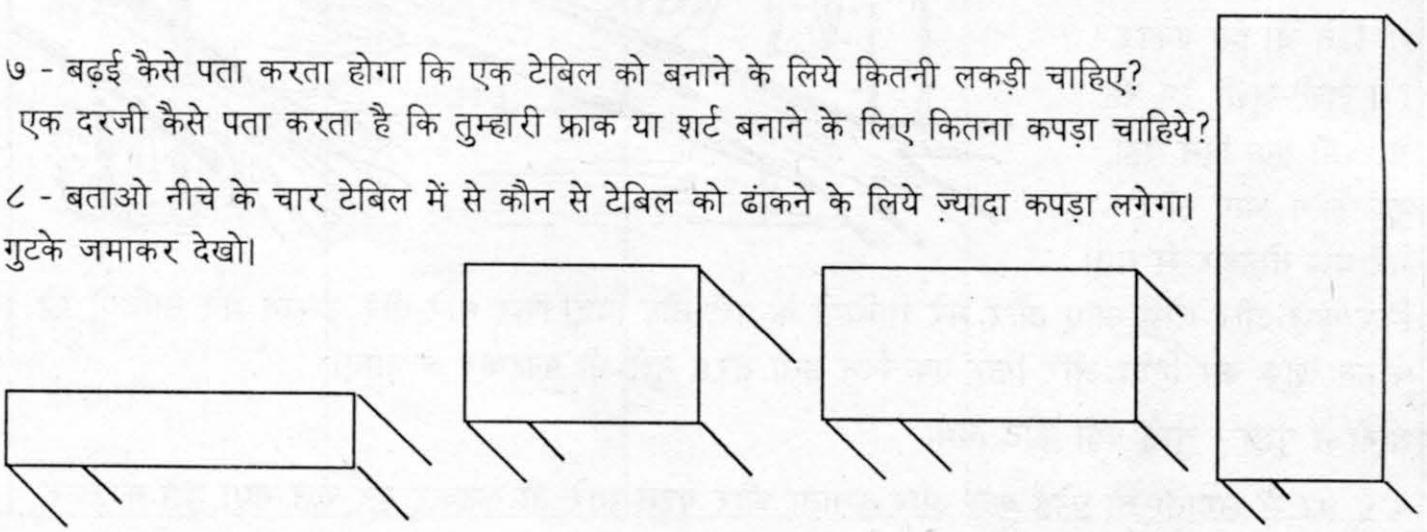

चौखट की कहानी

बानो स्कूल से आई और बस्ता रखते ही मां को आवाज़ लगाने लगी "मां ..... मां .....।"

तभी अंदर से आवाज़ आयी। तुम्हारी मां तो नानाजी के यहां गई हैं। बानो ने पूरा घर छान मारा पर कोई दिखाई न दिया। उसने फिर मां को आवाज़ लगायी। इस बार भी उसी आवाज़ में वही जवाब आया।

तुम कौन बोल रहे हो? बानो ने पूछा। मैं चौखट हूं। जवाब आया।

बानो ने पूछा - पर तुम हो कहां? जवाब मिला - यहीं दरवाज़े में।

बानो - अच्छा तुमको कैसे पता कि मां नानाजी के यहां जबलपुर गयी हैं। चौखट बोली – इतनी सी बात। अरे मुझे तो बहुत पुरानी से पुरानी बातें पता है। सुनोगी तुम?

बानो - हां सुनाओ तो, क्या कहानी है? चौखट बोली पहले खाना खा लो।

बानो ने खाना खाया और चौखट से बोली - अब सुनाओ कहानी। चौखट ने कहा - पहले मैं तुम्हें अपनी कहानी सुनाती हूं। उसके बाद में यहां कैसे आई, जब मैं आई तो कैसे रही, यहां क्या सब देखा बताऊंगी।

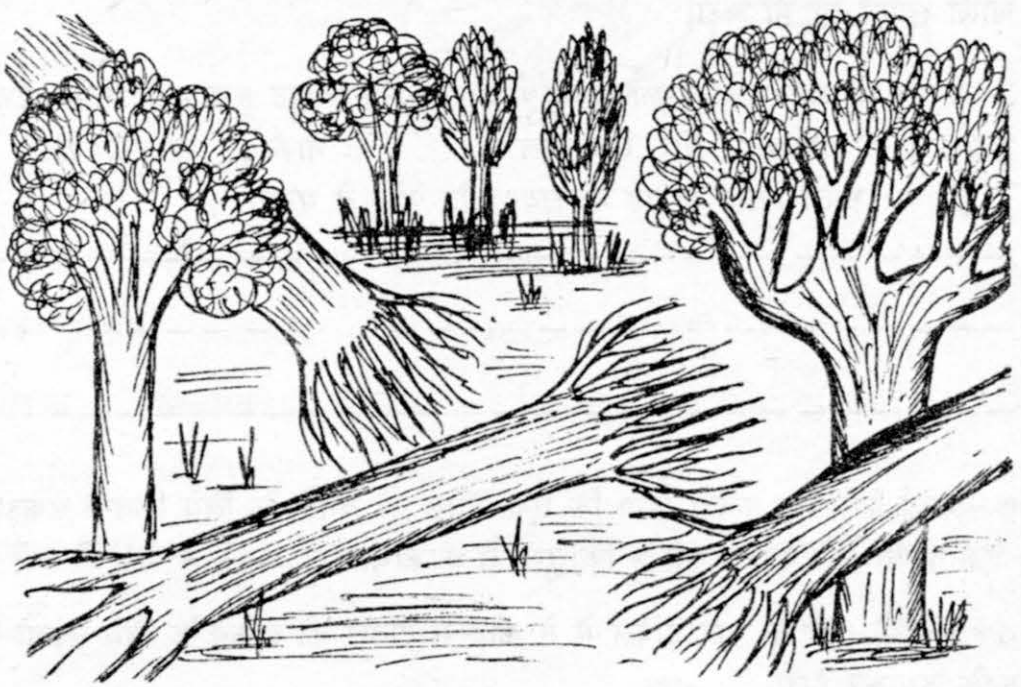

चौखट बनने से पहले मैं एक पेड़ थी। जंगल में रहती थी। वहां मेरे बहुत से साथी थे। सेमल, तेंदू, घीरिया, नीम, आम, महुआ ऐसे और भी बहुत से साथी थे। हम सब मज़े से जंगल में रहते थे। इस प्रकार हम खुशी-खुशी रह रहे थे। तभी एक दिन वहां कुछ लोग आए और मेरे पत्ते तोड़कर ले गए। फिर कुछ और लोग आए और मेरे साथियों के पत्ते तोड़ दिए। फिर धीरे-धीरे उन्होंने मेरे साथियों को काटना शुरू कर दिया और फिर एक दिन इसी तरह मुझे भी काटकर ले आए।

बानो ने पूछा - तुम्हें क्यों काट दिया?

कोई घर में लगाता तो कोई कुछ और बनाता और बहुत सारे तो कटकर दूर चले गए। मुझे काटकर

मेरी चौखट बनाई गई और लगा दी इस घर में। जब मैं इस घर में आई थी तब तुम्हारे बाबा बहुत छोटे से थे। तुम्हारे से भी छोटे।

हूं, ये बताओ। इतने पेड़ रोज़ क्यों काटते थे? क्या रोज़ घर बनाते थे?

नहीं, घर में लगाने के अलावा और भी काम थे। जैसे - चूल्हे के लिए, कोयला बनाना, खटिया बनाना जैसे बहुत से काम थे।

- पेड़ हमारे लिए किस-किस तरह से उपयोगी हैं:
- चौखट की उम्र कितने साल होगी?
- अपनी चौखट के बारे में एक कहानी सोचो।

पता करके लिखो जानकारी भरो :–

आज से 50 साल पहले गांव/शहर में ये था या नहीं

नाम	50 साल पहले	अभी है या नहीं	गांव/शहर में कब आया। कितने साल पहले।
बिजली नल मोटर ट्रेक्टर पक्की सड़क कुएं नहर सिलाई मशीन डाकखाना टी. वी. रेडियो स्कूल बैलगाड़ी तालाब			

दर्पण खेल

कोई मुझे दर्पण कहता है, कोई शीशा कहता है और कोई कांच।
नाई की दुकान में मेरी बहुत ज़रूरत होती है। कंघी करते समय तुम भी मुझ में झांक कर देखते हो कि कंघी ठीक हो रही है या नहीं। मैं कई और कामों में भी मदद देता हूं और कई जगहों पर पाया जाता हूं।
कितनी जगह तुम मुझे ढूंढ सकते हो?
और मेरा क्या-क्या इस्तेमाल होता है?

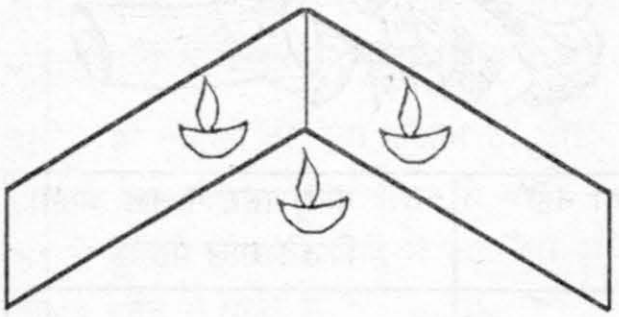

अगर तुम मेरी दो पट्टियां ले लो तो बहुत मज़ेदार बातें देख सकते हो।
दोनों पट्टियों के एक सिरे को सटा कर रखो। दूसरे सिरों के बीच कुछ जगह रखो। दोनों के बीच एक पेंसिल, काड़ी या जलती मोमबत्ती रखो। झांक कर देखो कि दोनों पट्टियों में तुम्हें कितनी-कितनी पेंसिल, काड़ी या जलती मोमबत्ती दिखती हैं। कुल मिला कर कितनी हो जाती हैं?
क्या तुम पट्टियों को सरका कर इनकी संख्या बदल सकते हो?

एक खेल

नीचे कुछ चित्र दिए हैं- इनमें एक चौकोर अलग ऊपर बना है। दर्पण के एक टुकड़े को बाकि आकृतियों पर रख कर चौकोर में बने पैटर्न जैसा ही पैटर्न बनाने की कोशिश करो। किन चित्रों से यह पैटर्न बन पाया।

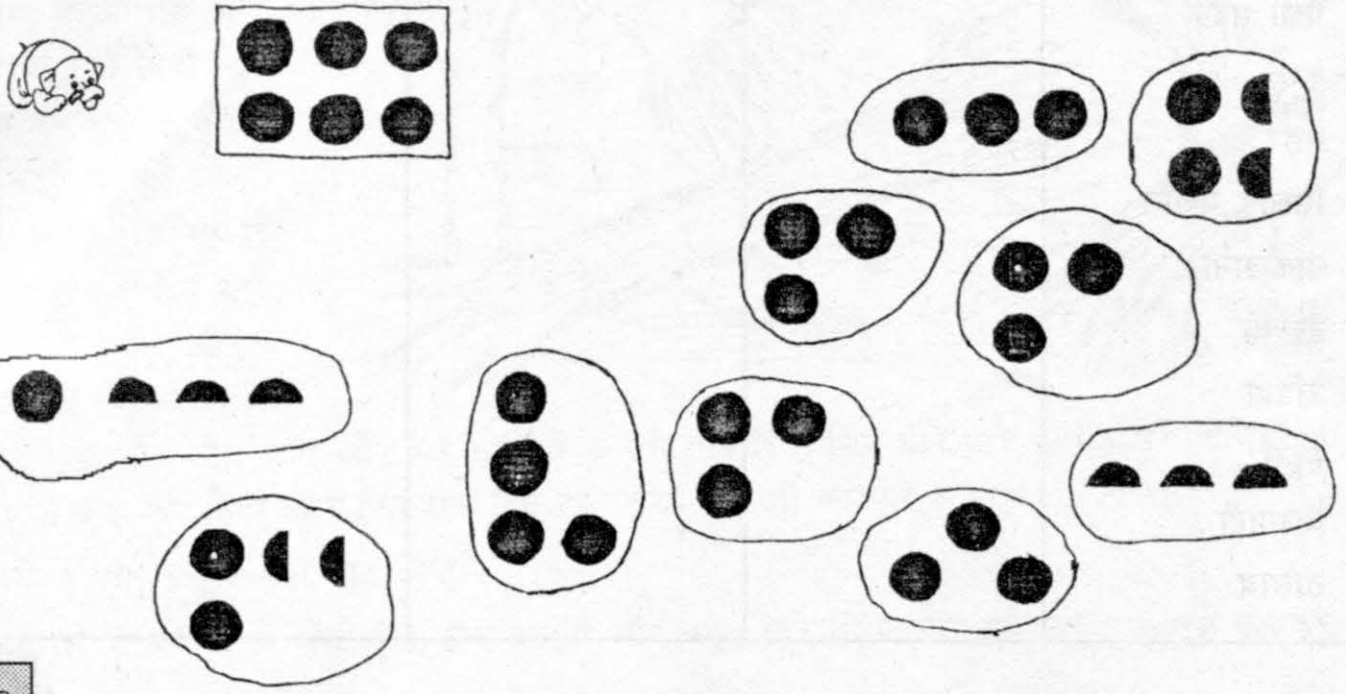

अब इससे उल्टा करके देखें। बहुत से चित्रों से एक चित्र बनाने के स्थान पर एक चित्र से बहुत सारे बनाएं। इसमें भी दर्पण का उपयोग करेंगे। तो देखो इस चित्र से नीचे के चित्रों में से कौन-कौन से चित्र बन सकते हैं?

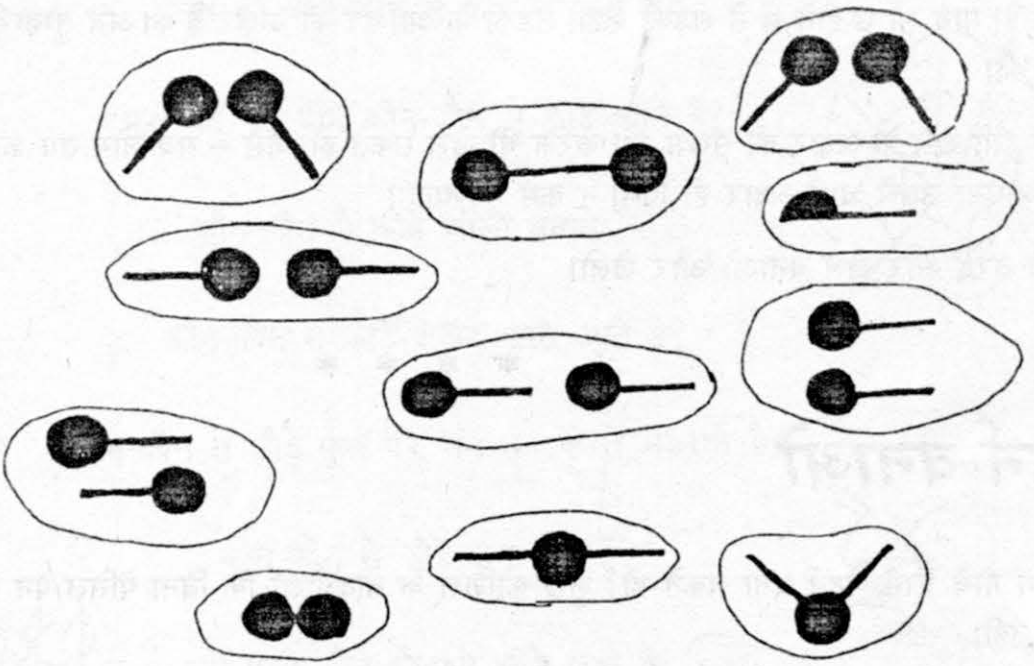

एक और काम

नीचे वाले चित्र की टूटी रेखा पर दर्पण रखो। क्या तुम्हें साथ बनी पत्ती जैसी आकृति दिखती है?

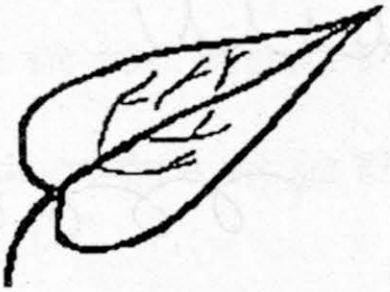

आस-पास से पत्तियां, फूल, . . . ले आओ।

इनके दो बराबर भाग करने हैं। लेकिन ये दो भाग ऐसे हों जिनमें से किसी एक पर भी दर्पण रखकर पूरी वस्तु का आभास हो जाए।

क्या तुम ऐसा कर पाए?

क्या कुछ ऐसी चीज़ें भी मिलीं जिनके आधे हिस्से से ऐसा नहीं हो पाया? इनके नाम लिखो।

५ ऐसी चीज़ों के भी नाम लिखो जिनमें तुम ऐसा कर पाए।

शब्दों का खेल

इस खेल को दो बच्चे या दो टोलियां भी खेल सकती हैं।

पहले तुमको एक नाम बोलना है। जैसे तुमने कहा — **मछली**। अब दूसरी टोली वालों को **ल** से शुरू होने वाला नाम बोलना है। मान लो उन्होंने **ल** से लड़की कहा। लड़की के आखिर का अक्षर है **क**। अब तुम्हारी बारी होगी **क** से नाम बोलने की।

बाद में इसी खेल के अक्षर की संख्या तय करके भी खेल सकते हो। जैसे – सब लोग तय करते हैं कि अब जो नाम बोला जाएगा उसमें चार अक्षर ही होंगे। न कम न ज़्यादा।

● इसी तरह और खेल बनाओ और खेलो।

* * * *

पैटर्न बनाओ

क्या तुम नीचे लिखे पैटर्न बना सकते हो? कुछ कोशिश के बाद देखो कि बिना पेंसिल/पिन उठाये इन्हें बना सकते हो कि नहीं।

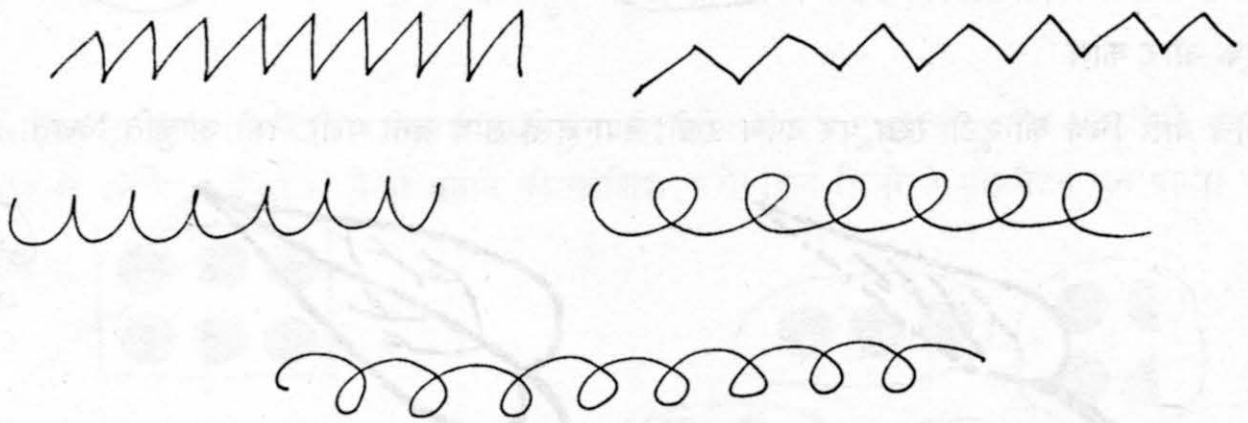

और नए बनाओ :

● गुरूजी/बहनजी की घड़ी से देखकर पूरे 10 मिनट तक इन्हें बनाने का अभ्यास करो – न ज़्यादा, न कम। हर हफ्ते में एक-दो बार करना मत भूलना। इसी तरह लिखाई वाले अभ्यास भी करते रहना।

कीड़े

हर एक कीड़े के नीचे उसका नाम लिखो। कौन से कीड़े किस वाक्य के साथ आएंगे, लाइन खींचो ।

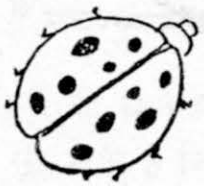

रात को कौन-कौन से कीड़े चमकते हैं?

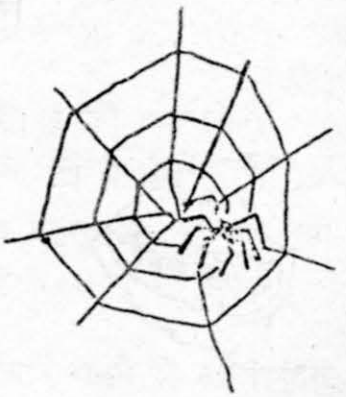

फूल का रस पीने कौन-कौन से कीड़े आते हैं?

कौन-कौन से कीड़े जाला बनाते है?

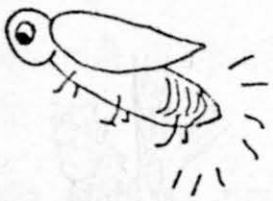

कौन-कौन से कीड़े शक्कर खाने आते हैं?

कौन-कौन से कीड़े फूल पर भन-भन करते मंडराते हैं?

कौन-कौन से कीड़े खून पीते हैं?

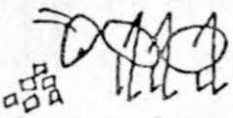

हरी पत्ती कौन-कौन से कीड़े खाते हैं?

शहद कौन सा कीड़ा बनाता है?

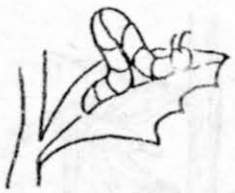

हरे रंग के कौन-कौन से कीड़े उछलते और उड़ते हैं?

लाल रंग के मखमल जैसे कौन-कौन से कीड़े होते हैं?

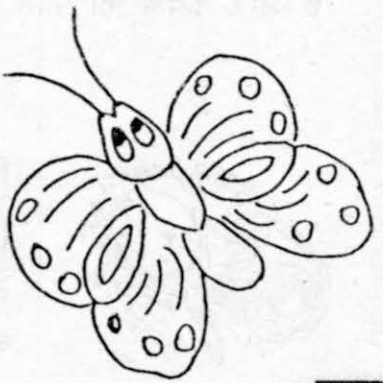

अंडे से कीड़ा

क्या तुम जानते हो कि रंग बिरंगे पंखों वाली तितली अपने जीवन की शुरूआत एक अंडे से करती है। अंडा फोड़कर वह एक इल्ली के रूप में बाहर निकलती है। इन चित्रों में उसकी कहानी दी हुई है।

चित्र एक और दो में अंडे से इल्ली निकली।

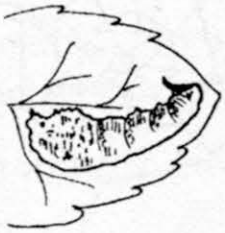

चित्र दो, तीन, चार में इल्ली का रंग और रूप थोड़ा बदला।

चित्र पांच में यह प्यूपा बनने की तैयारी में है।
अब इल्ली एक धागा बुन कर अपने आपको पेड़ से जोड़ लेती है।

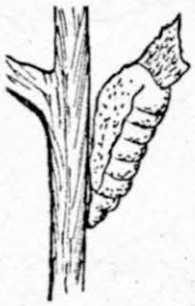

चित्र छह और सात - इल्ली धीरे-धीरे अपने चारों ओर एक चादर सी बुन कर अपने आप को पूरी तरह से बंद कर लेती है।

चित्र आठ और नौ - कुछ दिनों में वह तितली बन जाती है और कवच को फाड़ कर बाहर निकल आती है।

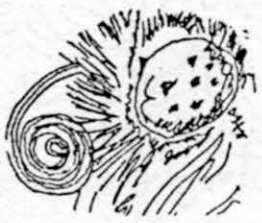

तितलियां जब इल्ली की अवस्था में होती हैं तो तेज़ी से पत्तियां खाती हैं। पर पूरी तितली हो जाने पर वे फूलों का रस पीकर जीती हैं। रस पीने के लिये वे अपनी लंबी घुमावदार सूंड का उपयोग करती हैं। ये सूंड अंदर से खोखली होती है और जब उपयोग में नहीं हो तो कुंडली की तरह गोल मुड़ी रखी रहती है।

तुम चाहो तो किसी भी डिब्बी या डिब्बे में पत्ती डालकर इल्ली से कीड़ा बनना देख सकते हो। अपने प्रयोग के चित्र भी बनाओ।

मच्छर

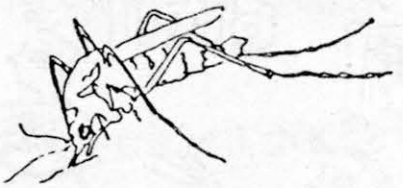

जो कीड़े हमें तंग करते हैं या नुकसान पहुंचाते हैं, उनमें से मच्छर एक है। रात को सोते समय काट-काट कर परेशान कर देता है। वास्तव में मच्छर हमें इससे भी ज़्यादा नुकसान पहुंचाता है।

अन्य चीज़ों को खाने के अलावा मच्छर जानवरों और इंसान का खून भी पीते हैं। उनकी एक छोटी नुकीली सूंड होती है जिससे वे चमड़ी में छेद कर के खून पी सकते हैं। कई बार चमड़ी में छेद करने से पहले वे उस जगह अपनी थोड़ी सी लार डाल देते हैं, जिससे कि चमड़ी में चुभन महसूस न हो। जब तक हमें पता लगता है मच्छर भर पेट खून पी चुका होता है।

मच्छर पानी में अंडे देते हैं। और पानी में ही अंडे से मच्छर बनते हैं। अंडे से मच्छर बनने में 6–7 दिन लगते हैं।

मच्छर हमारे एक नंबर के दुश्मन हैं। इनके काटने से हमें मलेरिया और हाथीपांव जैसी बीमारियां भी हो जाती हैं। जब मच्छर किसी बीमार जानवर या इंसान का खून पीते हैं तो बीमारी के कीटाणु मच्छर के शरीर में भी चले जाते हैं। फिर जब यह किसी दूसरे इंसान को काटता है तो उसकी लार से होकर ये कीटाणु उस इंसान में भी चले जाते हैं। और उसके शरीर में भी बीमारी पहुंच जाती है।

- आठ टांग वाले कौन-कौन से कीड़े होते हैं?

तालिका भरो -

कीड़ा	रंग	पंखसंख्या	टांगें	काटता है/नहीं	कहाँ अंडे देते हैं	कड़ा/नरम	आवाज़
मच्छर	भूरा	दो	छहः				
मक्खी							
मकड़ी							
चींटी							
खटमल							
तितली							
दीमक							
जूं							
गोचड़ी							

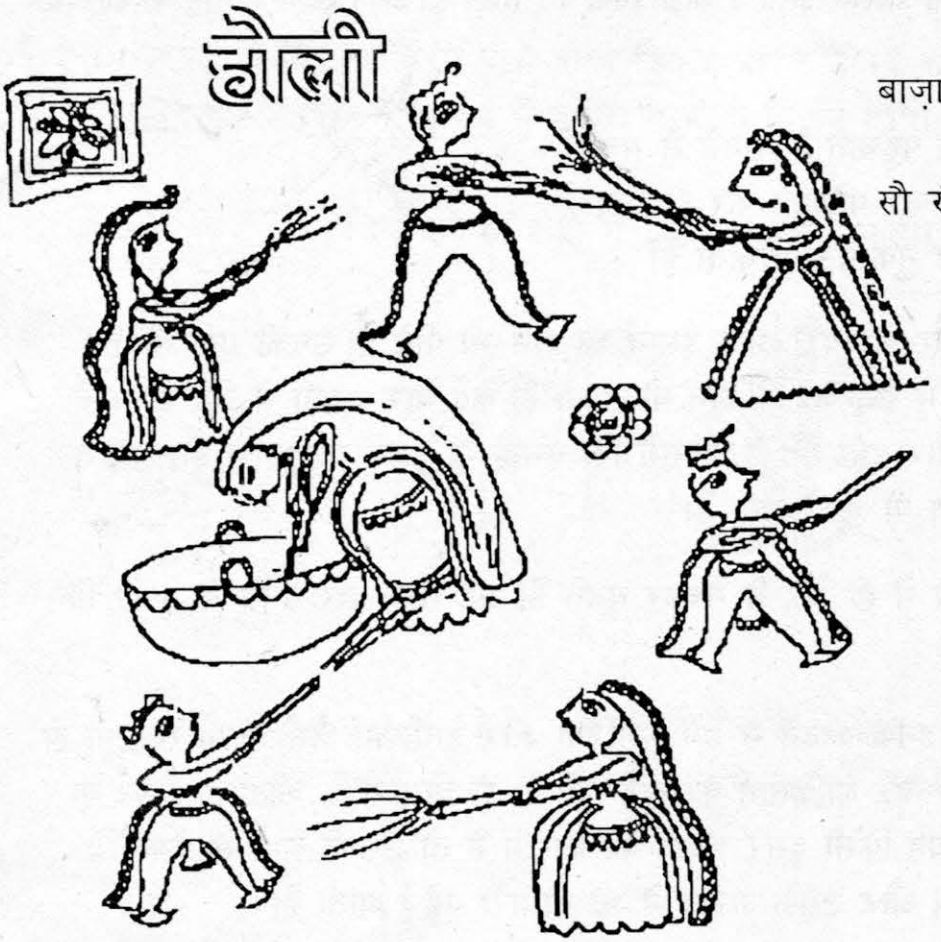

बाज़ार गली और कूचों में
जब शोर मचाया होली ने
सौ रंग भरे सौ रूप धरे
हर दिल को लुभाया होली ने ।

कुछ तबले खटके ताल बजी
कुछ ढोलक और मृदंग बजी
कुछ सारंगी और चंग बजी
कुछ तार तमूरों के झमके
कुछ घुंघरू खनके झनझन ।

हर दम नाचने गाने का
ये तार बंधाया होली ने ।
सौ रंग भरे सौ रूप धरे
हर दिल को लुभाया होली ने।

१ - जो होली के समय **नहीं** दिखता उसपर गोला लगाओ।

रंग, पानी, पटाखा, पिचकारी, बताशे, राखी, बाल्टी, सेवईंया, नाच-गाना, झूले, रोज़े, आम, डोले, गुलाल, ताजिए, ढोलक, मिठाई, झांकियां

होली के समय और क्या-क्या मिलता है? चर्चा कर कापी में लिखो।

२ - कविता में कौन-कौन से बाजों की बात हुई है?

३ - चर्चा करो

- तुम्हें होली अच्छी लगती है? या बुरी लगती है? क्यों?

४ - होली पर कौन से गीत गाए जाते हैं? ऐसे गीत दोस्तों के साथ गाओ और उन्हें कॉपी पर लिखो।

५ - एक पिचकारी की कहानी बनाओ। वो कहां बनती है, किसने उसे खरीदा, उससे क्या किया, और होली के बाद उसका क्या हुआ?

६ - ये अभ्यास तुम्हें दो-दो की टोलियों में करना पड़ेगा। होली के बारे में अपने मन में कोई तीन वाक्य सोचो। अब तुम ये वाक्य अपने साथी को बताओ। तुम्हारे साथी को ये वाक्य अपनी पट्टी में लिखने हैं। इसलिये अपने वाक्य धीरे-धीरे कहना। फिर देखो साथी ने ठीक लिखा या नहीं।

इसके बाद साथी अपने मन में कोई तीन वाक्य सोचकर तुम्हें बताये और अब तुम्हारी बारी होगी उन्हें लिखने की। लिखने के बाद साथी को बताओ, सही लिखा या नहीं।

७ - होली का चित्र बनाओ। उस चित्र में जान बूझकर एक गड़बड़ चीज़ बनाओ। अपने साथियों को चित्र दिखाओ। क्या वे पता कर पाये कि तुमने क्या गड़बड़ की थी?

८ - इस चिट्ठी को ध्यान से पढ़ो।

मेरी प्यारी दोस्त ,

आज हमने खूब होली खेली। सुबह उठते साथ ही हमने खूब सारा ..... घोला।
फिर उसें ..... में भरकर रंग खेला। मैं पूरी तरह से ..... गई।
भैया ने मेरे ऊपर खूब ..... फेंका। पता है मैं .... घंटों तक नहाती रही ।

तुम्हारी,
सल्लो

- चिट्ठी में खाली स्थानों को भरो।
- तुम भी एक ऐसी चिट्ठी अपने साथी को लिखकर बताओ कि तुमने होली के दिन क्या-क्या किया, क्या देखा।

९ - नीचे के शब्दों मे से चुनकर खाली स्थान भरो और कविता पूरी करो।

इक दिन दादी मुझसे बोली,
देखो जल रही है होली।
कल खेलेंगे हम सब——
और बजेगी खूब——
घर-घर होंगे खूब——
सब खाएंगे लाई——

रंग, बताशे, तमाशे, मृदंग

तुम्हारे आसपास कौन-कौन से बाजे बजाए जाते हैं?

- अभ्यास में दी कविता के लिए चित्र बनाओ। चित्र में रंग, बताशे और मृदंग भी हों।

कागज़ के चित्र

मैंने कागज़ को फाड़ कर, काटकर और जमाकर कागज़ की बहुत सी चीज़ें बनाई हैं। इनमें से कुछ आसान हैं और कुछ मुश्किल। बिल्ली बनाने के लिये मैंने पहले एक बड़ा सा गोल काट लिया। फिर दो आंखें काटकर उसमें जमाई। इसके बाद एक और रंग का कागज़ लेकर मूंछें बनाई। अंत में नाक और कान काटकर जमाए।

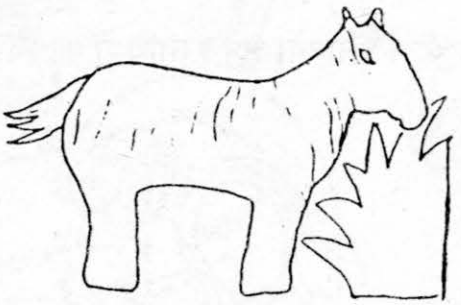

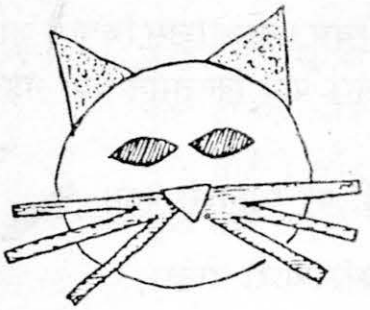

घोड़ा और झाड़ी भी इसी तरह बनाई। क्या तुमने तीसरी कक्षा में कागज़ काट/फाड़कर पायजामा बनाया था?फिर से पायजामा बनाओ। इसके बाद रद्दी कागज़ इकट्ठा करके और काट/फाड़कर बहुत सारी चीज़ें बनाओ। बनाकर उन्हें अपनी कॉपी में ज़रूर उतारना।

एक और खेल

पहले एक मज़ेदार सा रंगीन चित्र बनाओ। फिर उसे पांच-छह: टुकड़ों में काट दो। इन टुकड़ों को अलग-अलग रख दो। क्या अब इन टुकड़ों को वापस जमाकर पूरा चित्र बना सकते हो? करके देखो।

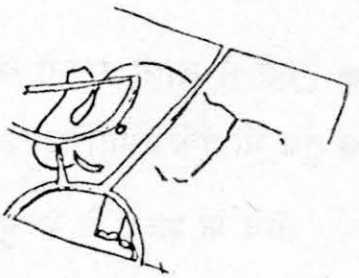

संदेश पहेली

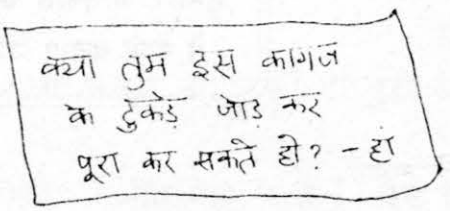

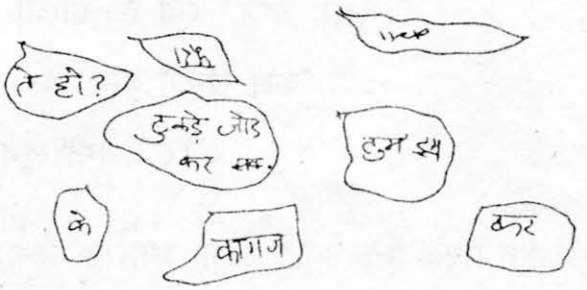

एक कागज़ पर अपने साथी को एक संदेश लिखो । उसे मालूम न हो कि क्या लिखा है। फिर कागज़ को ४ - ५ टुकड़ों में फाड़ दो । अब देखो कि साथी टुकड़े जोड़कर संदेश पढ़ सकता है या नहीं।

कहानी पूरी करो

एक था। उसके पास एक था। एक दिन एक 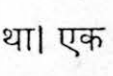 उसका ले गया। को ढूंढने निकला। सुबह का समय था। भी अपनी मल रहा था। को एक 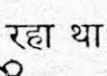 पर एक दिखी। 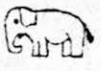 ने से पूछा, "क्या तुमने को देखा है?"

ने पूछा, "सुबह-सुबह उस दुष्ट को क्यों पूछ रहे हो?" ने कहा, "वह चूहा मेरा मटका लेकर भाग गया है।" चिड़िया ने कहा, "अभी तो उगा ही है, चूहा 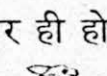 पर ही होगा।"

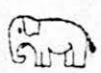 के की ओर चला। रास्ते में मिला। ने से पूछा, "क्या तुमने को देखा है, वह मेरा लेकर भाग गया है।" बोला, "वह तो गया है। कह रहा था कि लाऊंगा।"

की ओर चला पड़ा। रास्ते में उसे मिली। अपनी को चाट रही थी। ने से पूछा, "क्या तुमने को देखा है? वह मेरा लेकर भाग गया है।" बोली, " तो अब मेरा है। मैने को खा लिया है।" और में झगड़ हो गया। और दोनों को अपना कह रहे थे। दोनों झगड़े के हल के लिए के पास गए। ने और की बात ध्यान से सुनी। ----------

---

---

1. कहानी पूरी करो (ऊपर दी जगह में)

(क) उल्लू ने क्या फैसला किया होगा? (ख) क्या फैसला हाथी और बिल्ली ने मान लिया होगा?

2. नीचे दी कहानी को आगे बढ़ाकर पूरा करो --

एक ---पर बहुत सारी चिड़ियां रहती थीं। वे दिन भर फल व पत्ती खाती थीं। घोंसला बनाने के लिए भी वे --- का इस्तेमाल करती थीं। एक दिन वहां एक नई ------ उड़ती आई।

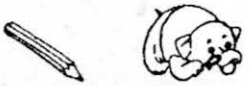

मेरे साथी

गोरेलाल

मेरे घर के सामने रहता है। पुराना साथी है।
एक बार इसके पैर में ज़ोर की चोट लगी थी
तो तीन महीने तक लंगड़ाता रहा था।
अब ठीक हो गया है, सबकुछ खेल लेता है।
बड़े भैया की साइकिल लेकर घूमता है।
हम लोग दिनभर साथ खेलते हैं,
लेकिन कभी-कभी हम लड़ भी पड़ते हैं।

शीला दीदी

मुझसे थोड़ी बड़ी हैं।
इन्हें आलू बहुत पसंद हैं।
ये हारमोनियम भी अच्छा बजाती हैं।
इनके तीन छोटे भाई हैं।
शाम के समय ये उनको पढ़ाती हैं।
और उनके साथ खेलती भी हैं।
शीला बहुत अच्छी तरह से कविता बोलती हैं।

- *तुम भी अपने साथियों के चित्र बनाओ, और उनके बारे में लिखो।*

आओ देखें कितने मौसम हैं

सर्दी के मौसम में तुम्हें धूप में बैठना कितना अच्छा लगता है। सभी लोग गरम कपड़े ढूंढते हैं। रंग-बिरंगे स्वेटर, शाल, चादर, लुगदी जो भी मिल पाए वही पहन कर, ओढ़ कर निकलते हैं। दिन ढ़ला और सूरज छिपा कि सब घरों में घुसना चाहते हैं।

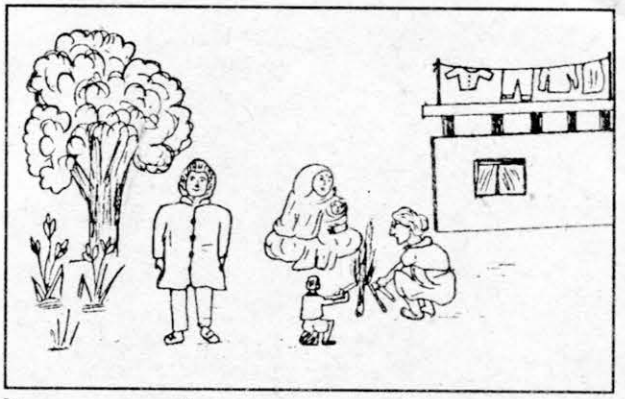

पर दिन की धूप में मज़ा है। घास पर तितलियां उड़ती फिरती हैं। मन होता है कि दिन भर खेतों, बागो में घूमते रहें और धूप सेकते रहें। रात हुई और रजाई में दुबक जायें।

सर्दी के बाद जब कोयल कुहू-कुहू गाने लगती है। आम पर बौर आने लगती है, पलाश के लाल रंग के फूल दहकने लगते हैं, तब आता है बसन्त। जगह-जगह फूल खिलने लगते हैं। पीली-पीली सरसों फलने लगती है। और न जाने क्या-क्या होने लगता है।

इसके बाद तेज़ हवायें चलती हैं। खेतों में अनाज पकने लगता है। आम पकने लगते हैं। कितना मज़ा आता है आम खाने में? धीरे-धीरे धूप तेज़ होने लगती है। गरम हवा चलने लगती है। तेज़ धूप और गरम हवा के साथ आने लगती है गरमी।

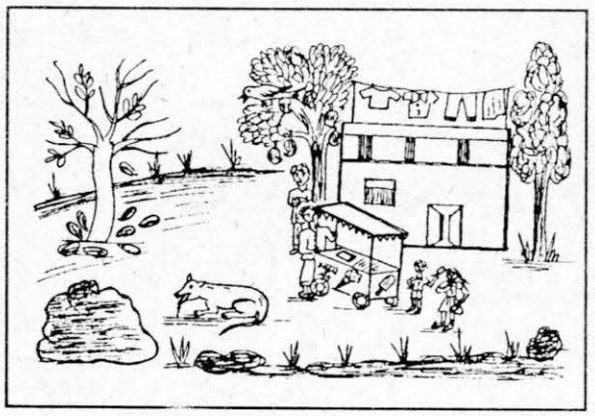

फिर फसल कटने लगती है। गेहूं कटकर घरों में आ जाता है। अप्रैल, मई और जून में सबसे अधिक गरमी पड़ती है। मन करता है कि बस नदी में नहाते रहो।

घने पेड़ों की छाया में बैठे रहो। या फिर घर की छत के नीचे बैठे रहो। बाहर निकले तो लू का डर। प्यास से गला, होंठ सूखने लगते हैं। धूप में घूमने से चक्कर, लू से बुखार- क्या-क्या नहीं हो जाता है।

फिर जून में पूर्व से काली-काली घटायें उठने लगती हैं। तेज़ हवा चलने लगती हैं। बादल गरजने लगते हैं। बिजली चमकने लगती है। और शुरु हो जाती है बरसात।

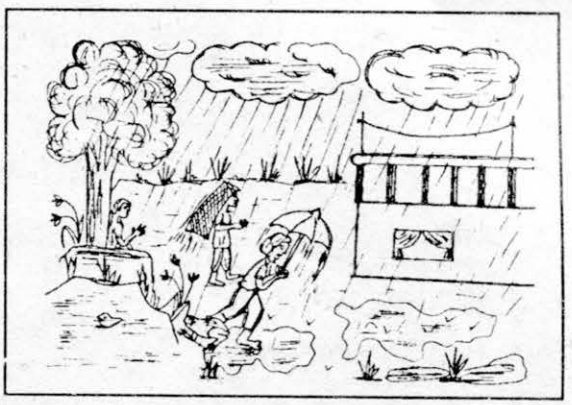

खूब मज़ा आता है भीगने में। जगह-जगह गड्ढे भर जाते हैं। उनमें कागज़ की नाव चलाने में भी खूब मजा आता है। मोर नाचने लगते हैं। मेंढक टर्र-टर्र बोलने लगते हैं। कुएं, तालाब, नदी, नाले भर जाते हैं। हरी-हरी घास उग जाती है।

अगस्त खत्म होते-होते बरसात कम हो जाती है। फिर धीरे-धीरे सर्दी का मौसम आ जाता है।

1. (क) सर्दी के बाद कौन सा मौसम आता है?

   (ख) सर्दी से शुरु कर अगली सर्दी आने तक मौसमों के आने-जाने का चित्र कापी पर बनाओ।

2. जल्दी-जल्दी बताओ –

- गेहूं की फसल किस मौसम में आती है?
- लू किस मौसम में चलती है?
- कोयल कब गाती है?
- आम कब बौराता है?
- सरसों कब फूलने लगती है?
- काली-काली घटायें कब आती हैं?
- पानी किस मौसम में बरसता है?
- पलाश के फूल किस रंग के होते हैं?
- मोर कब नाचने लगता है?

3. तुम्हें सबसे अच्छा मौसम कौन–सा लगता है? क्यों?

4. नीचे लिखे शब्दों से 2-2 वाक्य बनाओ -

- सर्दी
- बादल
- मोर
- मेंढ़क
- गरमी

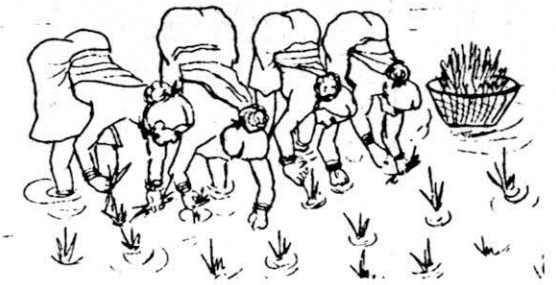

जैसे सर्दी के मौसम में धूप अच्छी लगती है।

5. बताओ तो आम का पकने के बाद रंग कैसा होता है? कच्चे आम को क्या कहते हैं? कच्चे आम का रंग कैसा होता है?

6. सर्दी के मौसम वाले महिनों के नाम लिखो?

7. यहां गर्मी के बारे में क्या-क्या बताया है? कापी में लिखो?

8. हर मौसम के बारे में दी जानकारी अलग कापी पर लिखो।

9. किसी भी एक मौसम का चित्र बनाओ।

10. क्या तुम कागज़ की, पत्ते की नाव बना सकते हो? नाव बनाकर देखो और उसे चलाओ। नाव का एक चित्र भी बनाओ।

11. हर मौसम के बारे में एक-एक पैराग्राफ लिखो और हर मौसम के लिए एक-एक चित्र बनाओ।

दूसरी बोली

एक दिन चूहा सड़क पर चला जा रहा था। पीछे उसका पूरा परिवार था। जिसमें चुहिया व तीन छोटे-छोटे बच्चे थे। सबसे आगे चूहा, बाद में बच्चे और आखिर में चुहिया थी।

चलते-चलते अचानक चुहिया रुक गई। क्योंकि वहां एक बड़ी काली सी बिल्ली आ गई। तीनों बच्चे इतने डर गए कि मां के पास आकर छुप गए। धीरे से बिल्ली की चमकती आँखों में झांक लेते।

बिल्ली मन ही मन बच्चों की गिनती कर रही थी। इतने सारे खाने में खूब मज़ा आएगा।

तभी एक आवाज़ आई गु...र्र,घी...र्र,घी...र्र,भौं-भौं, भौ, गु....र्र।

बिल्ली कुछ पीछे हटी । फिर वही आवाज़ आई गु...र्र, गु...र्र, भौ...भौं...., भौ.....भाऊ।

इस बार बिल्ली इतनी डर गई कि पूंछ दबाकर जान बचाकर भाग गई।

बिल्ली को भागता देख चुहिया के बच्चों ने पूछा, "मां, ये तुमने आवाज़ निकाली थी कुत्ते जैसे?" चूहिया अपने बच्चों से बोली, "देखा तुमने, दूसरे बोली सीखने का कितना फायदा है।"

अभ्यास :

1. बिल्ली से कौन-कौन डर रहा था?
2. बिल्ली डरकर क्यों भाग गई?
3. भो....भौ, गु...र्र की आवाज कहां से आई?
4. चूहिया ने किसकी भाषा सीखी
5. चूहिया को किसकी आवाज़ से डराओ गे।

- **खाली जगह में कहानी को क्रम से दिखाते हुए तीन चित्र बनाओ।**

हासिल-उधार

संख्याओं को जोड़ते समय हम हासिल का उपयोग करते हैं। हासिल का उपयोग वैसा ही है जैसे इकाई-दहाई के खेल में किया था – कंकड़ और कार्ड वाला। जब १० कंकड़ हो जाते तो क्या करना पड़ता? याद है न?

जोड़ के ऐसे कुछ सवाल खुशी-खुशी कक्षा-3 (भाग-2) और इस किताब में से छांटो जिनमें हासिल रखना होता है। क्या तुम ऐसे कुछ और सवाल बना सकते हो? इस तरह के कुछ सवाल बनाओ। हर सवाल में तुमने कितना हासिल रखा? नीचे के सवालों को हल करो।

४५	४५	५४	५४
+३६	+ ६३	+३६	+६३
———	———	———	———
———	———	———	———

– ये जोड़ बराबर क्यों नहीं आए? सबसे छोटा जोड़ कौन सा है? सबसे बड़ा कौनसा? इनमें कितना अंतर है ये सवाल भी हल करो।

४३	७९	३२	१७
+२२	+४१	+५३	+३६
———	———	———	———
———	———	———	———

इन चारों में से किन सवालों में हासिल रखना पड़ा? क्या यह हासिल दहाई में रखा? सैकड़े के लिए कहां हासिल रखा? हासिल हमें कब रखना पड़ता है? अपने शब्दों में लिखो।

इसी तरह घटाते समय कभी-कभी दहाई या सैकड़े की लाईन से उधार लेना पड़ता है। इन सवालों को हल करो।

३७	३३	१२६	४८	५४
- २५	- १५	- १०५	- २६	- २९
———	———	———	———	———
———	———	———	———	———

२३	२३५	२४३	४६
- १६	- १४४	- २२२	- २८
———	———	———	———
———	———	———	———

- इनमें से किन सवालों में से उधार लेना पड़ा?
- किन सवालों में दहाई से उधार लिया?
- किन सवालों में सैकड़े से उधार लिया?

● उन पर अलग-अलग निशान लगाओ।

मैं जोड़ और घटाने के कुछ सवालों के हल ढूढ़ कर लाई हूं। इसमें से कुछ सही हैं और कुछ गलत। पहले तो गलत किये गये सवालों को छांट लिया जाय। फिर इन्हें सही करना है। तो देखो ये सवाल।

३५ -२७ १२	३६ -१८ १८	५३ -२६ ३३	४२ +३७ ८९
३२ -१४ २२	३५ -२७ ८	६२ -२७ ३५	२९ +३५ ५१४
२५ -१९ १६	४३ -२५ १८	३५ -२४ ५९	६५ -२९ ८४
३१५ +२३५ ५४१०	२४४ +३५६ १८३	३४५ +४३ ३९७	३७६ -५८ ३२२

गलत सवालों पर (X) का निशान लगाओ और उन्हें यहां सही करके लिखो।

● ऐसे और भी सवाल बनाओ और दोस्तों को करने को दो।

खेल

गुरमीत अपने भाई को ढूंढ़ते हुए मैदान तक पहुंच गया। उसने देखा परमिंदर हाकी खेल रहा है। उसने कहा, "परमिंदर घर चल, मां बुला रही है।" परमिंदर ने ध्यान नहीं दिया।

इस बार गुरमीत ने ज़ोर से पुकारा, "पम्मी घर चल, मां बुला रही है।"

"दस मिनट बाद चलेंगे," परमिंदर बोला।

"ठीक है, मैं मां से कह देता हूं कि वो नहीं आ रहा है।"

परमिंदर को लगा यदि मां को पता चला तो वे डांटेंगी, इसलिए उसने गुरमीत से कहा, "तुम भी थोड़ी देर खेल लो, फिर चलते हैं।"

उसने गुरमीत को एक स्टिक पकड़ा दी।

गुरमीत पहली बार हाकी खेल रहा था। उसके पास जैसे ही गेंद आई, उसने झट गेंद उठा ली। थोड़ी देर के लिए खेल रुक गया। परमिंदर ने उसे समझाया कि हाकी में गेंद हाथ से नहीं पकड़ते। गुरमीत ने कहा, "हूं।" और खेल फिर शुरू हो गया।

कुछ देर बाद गुरमीत के पास गेंद आई, उसने दूसरी टीम के खिलाड़ी को दे दी। उस खिलाड़ी ने गोल कर दिया। सभी लोग गुरमीत पर नाराज़ हुए। पम्मी ने फिर समझाया कि गेंद किसे देनी है।

इस बार गुरमीत के पास गेंद आई तो उसने घुमाकर मारा और चिल्लाया, "छक्का-छक्का।" शेष खिलाड़ी उसका मुंह देख रहे थे। और गेंद मैदान के बाहर पड़ी थी। खेल फिर रुक गया।

इस बार खिलाड़ियों ने गुरमीत को बाहर बैठने को कहा। दस मिनट बाद खेल खत्म हुआ। फिर परमिंदर और गुरमीत घर की ओर बढ़े। रास्ते में परमिंदर ने गुरमीत से पूछा, "क्या कुछ समझ में आया हाकी के बारे में?" गुरमीत बोला, "हां। हाकी में गोलची के अलावा कोई और खिलाड़ी हाथ से गेंद को नहीं छूता।"

परमिंदर : "और क्या?" गुरमीत : "गेंद को मैदान के बाहर नहीं मारते। जीतने के लिए सामने वाली टीम के गोल में मारते हैं। इसलिए अपने खिलाड़ियों को ही गेंद देते हुए खेलते हैं और सामने वाले हमसे छीनने की कोशिश करते हैं।"

घर पहुंचने पर परमिंदर बोला, "यदि तुम्हें खेलना है तो रोज़ मैदान पर आना होगा।" गुरमीत ने कहा कि वो तैयार था हाकी खेलने के लिए।

यहां तो गुरमीत को पता लगे हाकी के कुछ नियम। अब तुम जो खेल खेलते हो उनके क्या-क्या नियम हैं? नीचे के सवालों के पढ़कर लिखो।

स्कूल या स्कूल से बाहर तुम कौन-कौन से खेल खेलते हो? एक सूची बनाओ।

अब उनमें से किन्हीं तीन खेलों के नियम इन सवालों के जवाब में लिखो।

1. खेल के लिए क्या-क्या सामान लगता है?

2. कितने खिलाड़ी लगेंगे?

3. कैसे खेलेंगे? यानी इस खेल में क्या-क्या करना होता है?

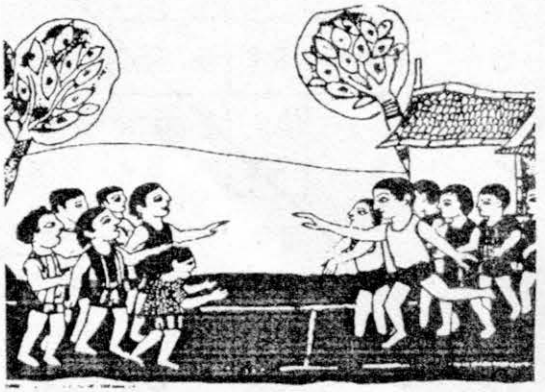

4. क्या इसमें हार-जीत होती है? जीतने के लिए क्या करना होता है?

5. क्या इस खेल में किसी चीज़ का खतरा रहता है?

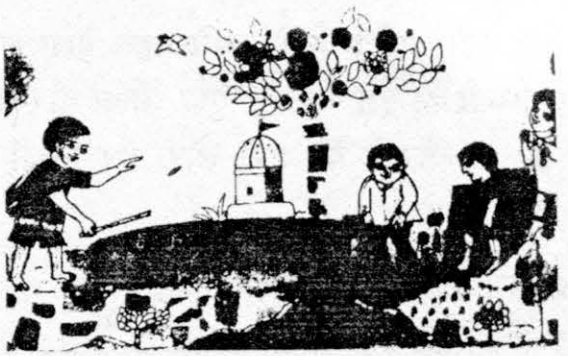

6. तुमने यह खेल सबसे पहले कब और कहां खेला था?

अंक पैटर्न

खड़ी लाइन ↕ पड़ी लाइन ↔

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
२	४	६	८	१०	.....	.....	.....	.....	.....
३	६	९	१२	१५	१८	.....	.....	.....	.....
४	८	१२	१६	२०	२४	.....	.....	.....	.....
५	१०	१५	२०	२५	३०	.....	.....	.....	.....
६	१२	१८	२४	३०	३६	.....	.....	.....	.....
७	१४	२१	२८	३५	४२	.....	.....	.....	.....
८	१६	२४	३२	४०	४८	.....	.....	.....	.....
९	१८	२७	३६	४५	५४	.....	.....	.....	.....
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

यह वही चार्ट है जिसे हमने पहले देखा था। खड़ी लाइनों में २ से १० तक संख्याओं से भाज्य संख्याएं क्रम से लिखी हैं। इस चार्ट में एक छोटा चौरस्ता बना है। चौरस्ते में ५ संख्याएं हैं।

● इस चौरस्ते के चारों छोरों पर लिखी संख्याओं को जोड़ो १८+२८+१४+२४ जोड़ कितना आया?
यहां लिखो .....

● इस जोड़ को ४ से भाग दो।
क्या आया? यहां लिखो .....

इस चार्ट में ऐसे बहुत से चौरस्ते बनाए जा सकते हैं। और भी चौरस्ते बनाओ। हर चौरस्ते के सिरे के अंकों को जोड़ो और ४ से भाग दो। क्या आया?

● *मेरा दावा है कि हर बार भाग देने पर चौरस्ते के बीच की संख्या आएगी। सही है या गलत?*

तिरछी टूटी लाइन की संख्याओं को देखो।

ऐसी एक लाइन पर ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर जाने पर एक जैसी संख्याएं मिलती हैं १०, १८, २४, २८, ३० . . . । जांच कर देखो।

क्या ऐसी और भी लाइनें ढूंढ सकते हो जिन पर दोनों तरफ कोई क्रम हो? इन सब लाइनों की संख्याओं को क्रम से पट्टी व कॉपी पर उतारो। ऐसी और भी अलग-अलग लाइनें बनाओ।

एक और उदाहरण मैंने बना दिया है। इस पर क्रम से संख्याएं ३, ८, १५, २४, . . . लिखी हैं। इन संख्याओं में क्या कोई पैटर्न है? इस क्रम में अगली ३ संख्याएं क्या होंगी? क्या ऐसी और भी लाइनें हैं?

खोजो तो इस चार्ट में ऐसे और भी बहुत पैटर्न मिलेंगे। अपने ढूंढे पैटर्न को कॉपी पर उतारो।

एक और मज़ेदार बात

१०, २०, ३० . . . १०० वाली लाइन (यानी १० के पहाड़े) की संख्याएं २ से, ५ से और १० से तीनों से भाज्य हैं। जांच कर देख लो।

यानी २, ५, १० उन सभी संख्याओं के भाजक हैं, जो इस लाईन में आते हैं।

● ऐसी कौन सी खड़ी लाइन है जिस की संख्याएं २, ३ और ६ तीनों से भाज्य हैं? इसी तरह २, ४, और ८ से भाज्य संख्याओं वाली लाइन कौन सी हैं?

एक खेल

● ३० किस-किस से भाज्य है? चार्ट देख कर पता करो। ३० छटवीं और पांचवीं लाइन में है। यानी ६ और ५ दोनों ३० के **भाजक** हैं। ६ और ५ के अलावा ३० के कौन से भाजक हैं ?

● ३६ के कौन कौन से भाजक हैं?

यहां संख्याओं के सभी भाजक नहीं दिए गए हैं। ३०, ३६, ३२, ४५, २५ के सभी भाजक ढूढ़ो?

सबसे ज़्यादा भाजक किस संख्या के मिले?

और भी संख्याओं के भाजक ढूंढो। दोस्तों के साथ भाजक ढूंढो खेल खेलो।

भाजक और **गुणज** एक दूसरे के उलटे शब्द हैं। हर संख्या अपनी सभी भाजक संख्याओं की गुणज है।

द्रवों का राजा

क्या तुम जानते हो कि तरल पदार्थ या द्रव क्या होते हैं? पानी, तेल, दूध द्रव हैं। कुछ और द्रव के नाम सोचो। द्रव पदार्थ के नामों की एक सूची बनाओ। ----------

---

पानी एक ऐसा द्रव है जिसका हम रोज़ उपयोग करते हैं। तुम रोज़ पानी का उपयोग किन-किन कार्यों के लिए करते हो? ----------

पानी के कुछ रोचक प्रयोग :

प्रयोग : 1 एक कांच के गिलास को पानी से आधा भरो।

इसमें एक चम्मच शक्कर या नमक डालो। पानी को लकड़ी या चम्मच से हिलाओ।

● चीनी का क्या होता है? ----------

अब दूसरे गिलास में उतना ही पानी लेकर उसमें एक चम्मच रेत डालकर लकड़ी या चम्मच से हिलाओ।

● रेत का क्या होता है? ----------

● हिलाने पर चीनी (शक्कर) कहां चली जाती है? ----------

घुलनशील/अघुलनशील : जो पदार्थ पानी में घुल जाते हैं, वे हिलाने के बाद हमें अलग से दिखाई नहीं देते। वे पानी में ही मिल जाते हैं। इन्हें घुलनशील पदार्थ कहते हैं।

जो पदार्थ पानी में नहीं घुलते। वह पदार्थ हिलाने के बाद पानी के नीचे बैठे या फिर ऊपर तैरते दिखाई देते हैं। इन पदार्थों को अघुलनशील पदार्थ कहते हैं?

इसी तरह समुद्र, नदी तालाबों और कुंए के पानी में भी कई पदार्थ घुले रहते हैं। पर ये घुले हुए पदार्थ हमको दिखाई नहीं देते। पानी में घुले पदार्थों से उसके गुणों में भी परिवर्तन आ जाता है।

तुम्हारे अनुभव में कौन-कौन से पदार्थ पानी में घुलनशील हैं? कौन से नहीं? तालिका में नाम भरो।

घुलनशील	अघुलनशील

क्या सभी ने एक जैसे नाम सोचे हैं? आपस में चर्चा करो। क्या किसी नाम के बारे में झगड़ा है? घोल करके देखो कौन सही कह रहा है?

प्रयोग - 2

कितने पानी में कितनी शक्कर या नमक घोला जा सकता है?
इसके लिए आओ एक प्रयोग करें।

एक-एक चम्मच नमक या शक्कर की 10 पुड़ियां बना लो।
अब एक कांच के गिलास को आधा पानी से भरो।
गिलास में एक पुड़िया नमक की डाल दो।
चम्मच से पानी को तब तक हिलाओ।
जब तक यह नमक पूरी तरह पानी में घुल जाये।
अब नमक की दूसरी पुड़िया गिलास में डालो।
और चम्मच से हिलाओ।

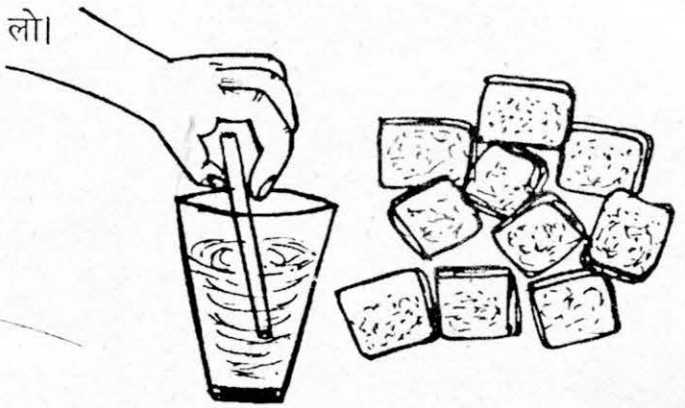

जब तक नमक घुलता रहे तब तक पानी में एक-एक पुड़िया का नमक डालते जाओ।
हां पुड़िया की संख्या याद रखना। पानी में नमक घुलना बंद हो जाये तो पुड़िया डालना बंद कर दो।
आधे गिलास पानी में कितनी पुड़िया नमक की घुल पायी?
इस आधे गिलास पानी में कितने चम्मच शक्कर के घुल पाये?

प्रयोग - 3

दो बराबर गिलासों में आधा-आधा पानी लो।
दोनों में एक-एक चम्मच नमक डालो।
इनमें से एक गिलास के पानी को चम्मच से हिलाओ।
दूसरे गिलास के पानी को मत हिलाओ।
किस गिलास के पानी का नमक जल्दी घुला?

प्रयोग - 4

दो गिलास लो।
एक में ठंडा और एक में गर्म पानी लो।
दोनों गिलासों में एक-एक चम्मच पानी डालो।
किस गिलास के पानी में नमक जल्दी घुल गया?

श्लाका बाज़ार से शक्कर ला रही थी। रास्ते में उसकी थैली फट गई। शक्कर रेत और कंकड़ में जा गिरी। श्लाका शक्कर को रेत-कंकड़ सहित घर ले आयी। उसकी मां ने कहा, "कोई बात नहीं, मैं अलग कर लूंगी।" क्या तुम बता सकते हो श्लाका की मां ने शक्कर को रेत कंकड़ से कैसे अलग की होगी? उत्तर अपनी कापी में लिखो।

क्रम में संख्याएं

७, ८, ९, १०, ११.... बढ़ते क्रम में ली गई संख्याऐं हैं। ७ से ८ बड़ी संख्या है। ८ से ९ और ९ से १०, कितनी बड़ी हैं?

क्रम में ली संख्याओं से कुछ खेल -

● क्रम में दो ऐसी संख्याएं है जिनका जोड़ १७ है। ये दोनों साथ साथ आती हैं।

यह संख्याएं कौन सी हैं? ८+९=१७ यानी ८ और ९ वे क्रम संख्याएं हैं जिनका जोड़ १७ है।

● क्रम में आई दो ऐसी संख्याओं का जोड़ ४५ है।

ये दो संख्याएं कौन सी हैं? २२+२३=४५ यानी २२ और २३ वे क्रम संख्याएं हैं जिनका जोड़ ४५ है। ऐसी और संख्याएं सोचो और दोस्तों के साथ हल करो।

♣ मेरा दावा है कि तुम तीन ऐसी संख्याएं नहीं ढूढ़ सकते जो क्रम में भी हों और जिनका जोड़ २५ हो। ♣ मेरा दूसरा दावा है कि क्रम में ऐसी दो संख्याएं नहीं हो सकती जिनके जोड़ में दो का भाग जाता हो।

क्रम गुणा

● क्रम में आई दो संख्याएं ऐसी हैं, जिन्हें आपस में गुणा करने पर ५६ आता है। कौन सी?

मानो एक संख्या है ६ और दूसरी ७। गुणा करने पर ६ × ७ = ४२, उत्तर आया ४२। *(गुणा के उत्तर को **गुणनफल** कहते हैं)*

पर ४२ तो ५६ से कम है। यानी कि क्रम वाली संख्याएं ६ और ७ नहीं हैं। और जिन संख्याओं को हम ढूंढ रहे हैं वो ६ और ७ से बड़ी हैं। कितनी बड़ी यह ठीक से मालूम नहीं।

चलो ८ और ९ को देखते हैं। ८ × ९ =..... पर यह गुणनफल तो ५६ से ज़्यादा है। इसलिये जोड़ी ८, ९ भी नहीं है. लेकिन ५६ इन दोनों गुणनफलों के बीच में ही है। इसलिये अब हमें ६ और ९ के बीच में ही संख्याएं ढूंढनी हैं।

अब आगे तुम करो। कौन सी संख्याएं आईं?

● दो क्रमात्मक संख्याएं ऐसी हैं जिनका गुणनफल २० है। ये संख्याएं कौन सी हैं?*ऐसे और सवाल सोचो, करो।*

♣ दावा नम्बर ३ - क्रम में आने वाली सभी दो-दो संख्याओं की जोड़ियों के गुणनफल में दो का भाग नहीं जाता है। जांच कर देखो। कौन से दावे सही निकले?

बिना क्रम के सवाल

दो संख्याएं ऐसी हैं जो क्रम से नहीं हैं और जिनका जोड़ है १६, और गुणनफल ६३। ये संख्याएं कौन सी हैं। *पहाड़ा चार्ट से ऐसे और सवाल बनाओ और दोस्तों को करने को दो।*

खुद के लिये

क्या तुम अपने लिये ढोल बाजे बनाना चाहोगे? खाली डिब्बे, रबर बैंड, बांस के टुकड़े आदि जुटा लो।

कोई लंबा बड़ा खाली डिब्बा ले लो। जैसे जूते का, या मिठाई का या चाय का। उस पर एक बड़ा सा गोला काटो।

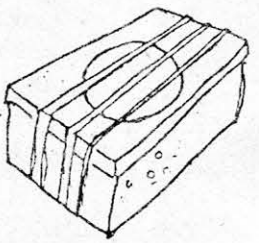

फिर डिब्बे पर मोटे-पतले रबर बैंड लगाओ। और ये हो गया तुम्हारा बाजा तैयार। अब इसे बजा कर देखो।

कौन से डिब्बे का बाजा ज़्यादा ज़ोर से बजा? छोटे डिब्बे का या बड़े डिब्बे का?

एक और बाजा

टीन के दो खाली डिब्बे लो, और बांस के दो लंबे पतले टुकड़े लो।
डिब्बों के ढक्कन को कसकर बंद कर लो। और ऊपर और नीचे बांस की मोटाई जितने एक-एक छेद बनाओ। अब डिब्बे में १०-१२ कंकड़ या बीज भरो।

बांस के टुकड़ों को नीचे के छेद से डालो और ऊपर के छेद से निकालो। बांस के ऊपर का हिस्सा नीचे न खिसके इसके लिए वहां एक धागा बांध लो या मोम टपका लो। नीचे से बांस का काफी हिस्सा निकला होना चाहिये। इस हिस्से को हाथ में पकड़ कर हिलाओ। ये हो गया तुम्हारा दूसरा बाजा तैयार।

- तुम और कौन-कौन से बाजे बना सकते हो?

  - ये बाजे बनाकर कक्षा में सभी को दिखाओ और बताओ कि तुमने ये कैसे बनाए।

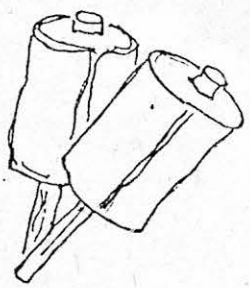

- *तुमने कौन-कौन से बाजे अपने आसपास बजते सुने हैं? इन सभी बाजों के नाम लिखो।*

सवाल

1. १५ बच्चे मिट्टी के खिलौने बना रहे थे। हर बच्चे ने २ गाय और ३ हाथी बनाए। तो सभी ने मिलकर कुल कितने जानवर बनाए?
2. गबरू पुस्तकालय की पुस्तक से कहानियां पढ़ रहा था। उसने १२ पन्ने पढ़ लिये थे। किताब में कुल २५ पन्ने हैं। किताब पूरी करने के लिये उसे कितने पन्ने और पढ़ने हैं?
3. राहुल के पास ६ कंचे हैं। मीता के पास उससे दोगुने कंचे हैं। दोनों के पास कुल कितने कंचे हैं?
4. रमा के पास २० सिक्के हैं। रेणु के पास रमा से आधे सिक्के हैं। रेणु के पास कितने सिक्के हैं?
5. एक कुम्हार रोज़ १३ बर्तन बनाता है। एक हफ्ते में वह कितने बर्तन बना लेगा?
6. इतवार को गाडरपुरा में बाज़ार लगता है। एक कुम्हार बाज़ार में अपने बर्तन बेचने जाता है। उसने पहले इतवार को ६ मटके और ५ सुराही बेची। दूसरे इतवार को १० मटके और ८ सुराही बेची। उसने कुल कितने मटके और कितने सुराही बेचे।
7. एक किलो में ८ आम चढ़ते हैं। ३ किलो में कितने आम चढ़ेंगे?
8. आशा ने ३ रुपये किलो के भाव से दो किलो प्याज़ खरीदा। उसकी मां ने उसे ६ किलो प्याज़ और खरीदने भेजा। उसने कुल कितने रुपये के प्याज़ खरीदे?
9. रामू की ६ बेटियाँ हैं। उसने हर बेटी के लिए दो दर्ज़न चूड़ियां खरीदीं। उसने कुल कितने दर्ज़न चूंड़ियाँ खरीदीं? सभी बेटियों की मिला कर कुल कितनी चूड़ियां हो गईं?
10. तीन तीलियों से एक   दरवाज़ा बन सकता है।

    ६ तीलियों से   दरवाज़े बन सकते हैं।

    ९ तीलियों से __ दरवाज़े बन सकते हैं।उनके चित्र बनाओ।

    २४ तीलियों से कितने दरवाज़े बन सकते हैं?

    ११ दरवाज़े बनाने के लिए तुम्हें कितनी तीलियाँ चाहिए?

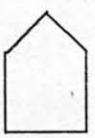

    यदि ५ तीलियों से एक घर बनता है   तो २० तीलियों में कितने घर बनेंगे?

- *तुम ऐसे और सवाल बना कर हल करो।*

चाचाजी हमारे - 3

ढूंढ के लाते कुत्ते चिड़िया
जिन्हें लगी हो चोट
मलहम पट्टी करते उनकी
चाचाजी हर रोज़।

चाचाजी की डायरी का एक पन्ना

आज मुझे एक पिल्ला मिला। वह चितकबरा सा है, ज़्यादा बड़ा नहीं है पर शरीर से काफी तन्दुरूस्त लगता है। उसके सिर पर लंबा काला सा निशान है और पूंछ एक दम झबरी है। लेकिन इस पिल्ले के बायें पैर पर एक बड़ी गहरी सी चोट है - अगर थोड़ी ज़्यादा गहरी होती तो हड्डी तक पहुंच जाती।

पहले मुझे लगा था कि ये चोट किसी कुत्ते से लड़ाई में लगी होगी। लेकिन ध्यान से देखने पर लगा कि शायद ये कंटीले तार के कांटे से लगी है। घाव गहरा और लंबा है, ज्यादा पुराना नहीं है, जिसकी वजह से उसे साफ करने में परेशानी नहीं हुई।

शाम को मुझे अचानक एक सेही भी मिली। आज पहली बार सेही देखी, इसलिये ऊपर उसका चित्र भी बनाया है। हुआ ये कि जब मैं अब्बू खां के बगीचे से डाकखाने वाली सड़क पर आ रहा था कि दो तीन कुत्ते एक झाड़ी पर ज़ोर से भौंकते दिखाई दिये। देखा तो झाड़ी में एक सेही फंसी हुई थी। कुत्ते भौंक ज़रूर रहे थे लेकिन झाड़ी के कांटों की वजह से पास जाने में घबरा रहे थे।

बेचारी सेही की हालत काफी कमज़ोर सी थी। वो थोड़ा कांप भी रही थी। आज ही अब्बू खां ने अपने बगीचे में ज़हरीली दवा छिड़कवाई है। मुझे लगता है कि शायद सेही ने ज़हर वाली किसी चीज़ को खा लिया है।

पर सेही को वहां से लाया कैसे जाये? हाथ से तो उठा नहीं सकते। बड़ी मुश्किल से उसे एक लकड़ी के खोखे में बंद कर के लाया। यहां आकर सेही ने थोड़ा पानी पिया। मैंने उसकी जांच की और पानी में दवा मिला कर देने की कोशिश की। पहले तो उसने नहीं पिया, पर शायद प्यास ज़्यादा लगी थी, इसलिये थोड़ी देर बाद पी लिया। अब वो मेरे कमरे के एक कोने में आराम से सो रही है।

दिनांक

अभ्यास

(क) क्या सही है छांटकर लिखो।

पिल्ले की पूंछ .... है। *(काली, लाल, चितकबरी, झबरी)*

(ख) पिल्ले को चोट कैसे लगी?

(ग) पहले पानी देने पर भी सेही ने उसे क्यों नहीं पिया?

(घ) कुत्ते सेही पर क्यों भौंक रहे थे?

(च) सेही झाड़ी में कमजोर क्यों लग रही थी?

(छ) तुम्हारे साथ कल क्या हुआ? तुमने क्या किया? कल की अपनी डायरी नीचे लिखो।

चाचाजी की डायरी के आधार पर सेही के बारे में एक पैराग्राफ लिखो।

(ज) चाचाजी जानवरों को बचाने का प्रयास क्यों करते थे?

(झ) तुमने कभी घायल जीवों को देखा? क्या तुमने कुछ किया?

मुझे पहचानो

1. दो अंक की संख्या हूं। दहाई का अंक ५ और दूसरा अंक ३, मैं कौन सी संख्या हूं? यह भी बताओ कि उल्टा देने पर मैं बढ़ जाऊंगी या घट जाऊंगी।
2. ५, ७ से मिलकर बनी हूं। इनसे बनने वाली सबसे बड़ी संख्या हूं। छोटी से कितनी बड़ी हूं?
3. दो अंक की संख्या हूं। सात के पहाड़े में आती हूं। इकाई का अंक दहाई से ज्यादा। मैं कौन हूं?
3. दो अंक की संख्या हूं। ६ के पहाड़े में आती हूं। इकाई का अंक दहाई से दो ज्यादा । मैं कौन हूं?
4. एक अंक की ऐसो संख्या ४ से अगर भाग दें, तो उत्तर आए दो।
5. दो अंक की संख्या। उलटाने पर बढ़ जाती हूं। दोनों अंकों का जोड़ है तीन। मैं कौन हूं?
6. बारह में उन्नीस जोड़ों तो मुझे पाओ। मुझ में किसी का भाग न जाए। मेरा नाम बताओ।
7. सोलह से कम तो तेरह से ज़्यादा। पांच के पहाड़े में नम्बर भी आता।
8. दो अंक की तो हूं। पर सबसे छोटी।
9. पचास के पहले और पैतालिस के बाद। चार का मुझ में भाग है जाता।

ऐसी पहेलियां बनाना मज़ेदार है। चाहो तो तुम भी कोशिश कर के देखो। एक ऐसी बनाओ जो तुम्हारे दोस्त से हल न हो सके। क्या ऐसी भी बना सकते हो जो तुम से भी हल न हो?

बुझौ तौ जानै

दिल्ली ढूंढा मेरठ ढूंढा और ढूंढा कलकत्ता
एक अचम्भा ऐसा देखा फल के ऊपर पत्ता

समय काटती चलती है।
काम बांटती चलती है॥
चेत कराती चलती है।
कभी न कहीं जाती है॥

बाला था तब सब को भाया।
बड़ा हुआ तब काम न आया।
खुसरो कह दिया उनका नाम।
अर्थ करो या छोड़ो ग्राम

बीसों का सिर काट लिया।
ना मारा ना खून दिया॥

कारो है पर कौआ नाहिं।
रुख चढ़े पर बन्दर नाहिं॥
मुंह को मोटो बिड़वा नाहिं।
कमर को पतला चीता नाहिं॥
घासी कहें खवासी खेर।
है नियरे पर पइहौ हेरे॥

दुह मुंह छोटा एक मुंह बड़ा,
आधा मानुस लीले खड़ा।
बीचों बीच लगावे फांसी,
नाम सुनो तो आवे हांसी।

बत्तीसी के प्रयोग

तुम्हारे मुंह में

आगे के दांत हैं, पीछे के दांत हैं

दांये के दांत हैं, बांये के दांत हैं।

उन पर अपनी जीभ फेरकर उन्हें पहचानो।

1. ज़ोर से बोलो "कोको" – और देखो कि कोको कहते समय तुम्हारी जीभ ने आगे के दांतों को छुआ या नहीं? बार-बार बोलो और ध्यान से टटोल कर देखो।

अब बोलो "दांत " – इस बार तुम्हारी जीभ आगे के दांतों से छुई या नहीं?

● बताओ, नीचे के कौन से शब्दों में जीभ दांतों को छूती है ?
उन पर गोला लगाओ–

दाढ़, मामा, दादा, तोता, भैया, दीदी, कंघा.

तार, थोड़ा, ओम, ओस, हाथ, खाद

● इन्हीं शब्दों को जीभ बिना दांतों को छुआए बोलने की कोशिश करो। जो ऐसे बोलते बन जायें उन पर चौकोर बनाओ। क्या कोई चौकोर वाले शब्द मिले? एक बार फिर जांच कर देख लो।

● ऐसे और शब्द बताओ जिनके बोलने में जीभ दांतों को छूती है। वे शब्द भी बताओ जिनमें नहीं छूती। कापी में दोनों की सूची बनाओ। इन दोनों सूचियों को ध्यान से देखो। क्या तुम उन अक्षरों को पहचान सकते हो जिनमें जीभ दांतों को छूती है?

इन अक्षरों को बोल कर देखो। क्या तुम जीभ को दांत से लगवा देने वाले अक्षरों को सही पहचान पाए?

ये ढूंढो कि वर्णमाला में कौन से अक्षर और हैं जिनके बोलने में जीभ दांतों से लगती है। सूची बनाओ। ये भी पता करो कि किन अक्षरों को बोलने में जीभ दांत के ऊपर मसूड़े में लगती है।

2. तुम्हारा प्रयोग

● बिना दातों को काम में लाये रोटी खा कर देखो।

● सिर्फ पीछे के दांतों से जाम/गाजर/मूली **काट** कर देखो।

● जाम/गाजर/मूली को आगे के दांतों से **चबाकर** देखो।

● गन्ना छीलने के लिए कौन से दांतों को काम में लाते हैं?

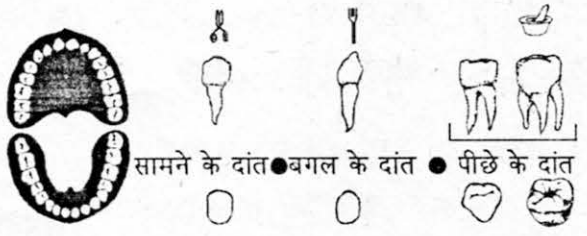

क्या पता चला? हम **काटने** का काम कौन से दांतों से करते हैं?

** हम **चबाने** का काम कौन से दांतों से करते हैं?

इन सभी तरह के दांतों के नीचे उंगली फेर कर देखो। क्या इन में तुम्हें कुछ फर्क महसूस होता है?
क्या फर्क लगा? इसे अपने शब्दों में लिखने की कोशिश करो।

3. **कितने दांत?** तुम्हारे कितने दांत हैं? गिन कर देखो और नीचे लिखो। तुम्हारे साथियों और गुरूजी/बहनजी के भी कितने दांत हैं, उनसे पता करके तालिका में भरो।

दांतों की संख्या

मेरी	गुरूजी/बहनजी की	साथियों की– नम्बर 1	2	3	4	

● **सबसे ज्यादा दांत किसके हैं?** ● **क्या किसी के बत्तीस दांत हैं?**

दांत खराब कैसे?

क्या इस साल तुम्हारा कोई दांत गिरा है? गिरने के पहले क्या वो कुछ दिनों तक हिलता रहा? दर्द हुआ? फिर उस टूटे दांत का तुमने क्या किया? सब को बताओ।

कुछ प्रयोग

1. **क्या चिपका?** सामान - थोड़ा सा गुड़/टाफी/गोली, रोटी का टुकड़ा और एक चाकू। चाकू से इन चीज़ों को काटो। थोड़ा हाथ संभाल कर। पहले रोटी के टुकड़े को काटो, बाद में बारी-बारी से बाकी चीज़ों को।
कौन सी चीजों के छोटे-छोटे टुकड़े हाथों से या छुरी से चिपक गये?
कौन सी चीज़ों से हाथ या चाकू नहीं चिपके?

2. **क्या चिपचिपा हुआ?** एक तश्तरी या प्लेट पर थोड़ी सी चाय रख कर सूखने दो। एक और प्लेट पर दाल का पानी सूखने दो। जब दोनों सूख जायें तो उन्हें छू कर देखो। इन में से कौन सी चिपचिपी है?

● ऐसी चीज़ों के नाम बताओ जो खाने या पीने पर दांतों से चिपकती हैं। जैसे गुड़ ।

● गुड़ जैसी चीज़ें जब तुम्हारे दांतों पर चिपक जाती है तो उन्हें कैसे निकालते हो?

3. **दांत पर परत-** सुबह सोकर उठने पर अपनी जीभ से दांतों को टटोलो। क्या तुम्हें दांतों पर एक हल्की सी परत महसूस हुई? दांत साफ करने के बाद फिर अपनी जीभ से टटोलो कि परत गई या नहीं। रात को सोने के पहले मंजन करो। अगली सुबह देखो कि दांतों पर पहले जैसी परत जमी या नहीं।

इन सभी प्रयोगों के आधार पर सोचो कि दांतों को साफ रखने के लिए हम उनका कैसे ध्यान रख सकते हैं?

अगर हमारे दांत नहीं होते तो हम क्या-क्या काम नहीं कर पाते?

इबारती सवाल

1. लालू के पास २०५ कंचे हैं। उसकी बहन के पास १०६७ कंचे हैं और उसके भाई के पास ९८ कंचे हैं। तीनों के पास कुल मिलाकर कितने कंचे है?

● यदि तीनों ने तय किया कि वे कंचे आपस में बराबरी से बांटेंगे तो हरेक के पास अब कितने कंचे होंगे? लालू के पास २०५ से अधिक कंचे होंगे या कम?

2. एक पेड़ पर ८७६ उल्लू बैठे हैं। ७६ उल्लू और आकर उस पेड़ पर बैठ जाते हैं। बताओ अब उस पेड़ पर कितने उल्लू बैठे हैं?

3. कान्ति और संजीव के बीच एक प्रतियोगिता हुई। जो भी एक हफ्ते में सबसे अधिक ट्रक (ठेले) देखेगा, वह प्रतियोगिता जीतेगा। सोमवार को कान्ति ने ६७ ट्रक देखे और संजीव ने ५२। मंगलवार को कान्ति ने २५ ट्रक देखे और संजीव ने केवल २ देखे। बुधवार को कान्ति ने १०५ ट्रक देखे और संजीव ने १०६। गुरूवार को दोनों दिन भर साथ-साथ थे और उन्होंने ७ ट्रक ही देखे।

शुक्रवार को कान्ति ने २१ ट्रक देखे और संजीव ने २६ देखे।

शनिवार को कान्ति दूसरे गांव गई और वहां उसने १२५ ट्रक देखे। संजीव घर पर ही था और उसने ११० ट्रक देखे। इतवार को वे दोनों यह तय करने के लिए मिले कि किसने ज्यादा ट्रक देखे।

कान्ति ने कितने ट्रक देखे? संजीव ने कितने ट्रक देखे? किसने ज्यादा ट्रक देखे?

4. रेखा ने कहा - मेरे पास ५६ चूड़ियां हैं। रजनी ने कहा - मेरे पास तुमसे ३६ चूड़ियां अधिक हैं। असीम ने कहा - वो तो कुछ भी नहीं हैं। मेरी बहन के पास रजनी से १०२ चूड़ियां और मेरी मां के पास मेरी बहन से २३२ चूड़ियां ज्यादा हैं। असीम की मां के पास कितनी चूड़ियां हैं?

5. विमल के पिताजी ने २५ सिनेमा देखे हैं। सिमरन के नाना ने उनसे ७ सिनेमा अधिक देखे। सिमरन के नाना ने कितने सिनेमा देखे?

6. कल डेविड के १७६२ रुपए गुम गए थे। आज उसके ९२६ रुपए गुम गए। कुल मिलाकर डेविड के कितने रुपए गुमे?

7. अशोक को २८ पतंग चाहिएं। अभी उसके पास १६ पतंग हैं। उसे और कितनी पतंग चाहिए?

8. मेरे पास ३६ कंचे थे। अब मेरे पास पहले से १८ कंचे अधिक हैं। तो कितने कंचे हैं मेरे पास?

9. रामपुर के स्कूल में २५ बच्चे हैं। इनमें से ७ बच्चे तो रामपुर के ही हैं और बाकी आसपास के गांवों से आते हैं। तो बताओ आसपास के गांवों से कितने बच्चे आते हैं?

10. एक मधुमक्खी ने ४ सेमल और ५ टेसू के फूलों से रस लिया। उसके बाद वह छत्ते की ओर उड़ गई। मधुमक्खी ने कितने फूलों से रस लिया?

11. गुरूजी लाए रंगीन पेंन्सिल के ५ डिब्बे। हर डिब्बे में ६ पेंन्सिलें हैं। पेंन्सिलें बच्चों को दी जानी है। कक्षा में १५ बच्चे हैं। अब पता ये करना है कि हरेक को कितनी-कितनी पेंन्सिल मिलेंगी?

एस्किमो

मैंने बर्फ के बारे में कई चीज़ें नीचे लिखी हैं। जो सही हों उन पर ✓ का निशान लगाना।

- पीले रंग की होती है।
- ठंडी होती है।
- कुनकुनी होती है।
- सफेद होती है।
- चूरे सी रहती है।
- बड़ी सिल्लियों में रहती है।
- पिघलती नहीं है।
- पानी जमकर बर्फ बनता है।

यहां बर्फ के बारे में एक पैराग्राफ लिखो या उसका चित्र बनाओ।

आओ तुम्हें एक ऐसे देश के बारे में बताएं जो पूरा का पूरा बर्फ से ढंका हुआ है। सारी ज़मीन, नदी-नाले, तालाब सब कुछ बर्फ से ढंका हुआ है। वहां पर दूर दूर तक सब कुछ सफेद नज़र आता है। और ठंड इतनी कि सोचना ही मुश्किल।

इस जगह की एक और अनोखी बात है। यहां पर ठंड के तीन महीनों में सूरज नहीं निकलता। यानी तीन महीनों की लंबी अंधेरी रात। इसके बाद धीरे-धीरे सूरज निकलने लगता है। शुरू में सूरज कम देर के लिए निकल कर ढल जाता है। थोड़े दिनों बाद वह ज़्यादा देर के लिए निकलने लगता है। इसके बाद तीन महीनों तक सूरज ढलता ही नहीं। पर इन दिनों भी वह आसमान में ऊपर तक नहीं चढ़ता। बस हल्की शाम जैसी रोशनी रहती है। इस समय भी यहां बर्फ रहती है। बर्फ के थोड़ा-थोड़ा पिघलने से काई और घास निकल आती हैं।

पर ऐसी जगहों में भी लोग रहते हैं - जहां अनाज और सब्ज़ी तक नहीं उगते, वहां खाने का इंतज़ाम करते हैं; जहां सूत और ऊन तक नहीं मिलते, वहां कपड़ों का जुगाड़ करते हैं; जहां पत्थर-लकड़ी तक नहीं मिलते, वहां घर बनाते हैं।

पर किधर है यह जगह? कौन हैं ये लोग? और वे कैसे करते होंगे ये सब?

यह जगह है हमारे यहां से उत्तर की ओर, बहुत-बहुत दूर। अगर हम एक साइकिल से उत्तर की ओर जायें और रोज़ १०० किलोमीटर चलें, तो वहां पहुंचने में हमें ८० दिन लगेंगे।

रास्ते में हमें कई बड़ी नदियां और पहाड़ पार करने पड़ेंगे - जैसे हिमालय पर्वत, गंगा नदी, ब्रह्मपुत्र नदी, यांग-से नदी। अपना देश भारत पार करने के बाद कई बड़े-बड़े देश पार करने पड़ेंगे जैसे नेपाल, चीन, अफगानिस्तान, रूस।

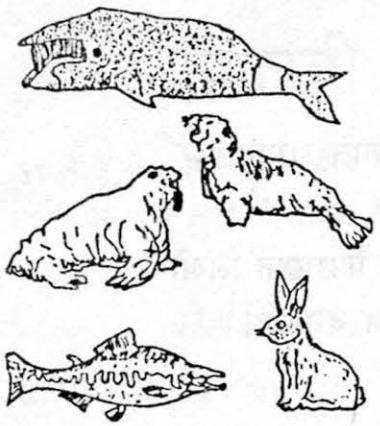

इस बर्फीली जगह पर जाने का रास्ता यहां दिए गए नक्शे में दिया गया है। उसमें देखो तो कौन-कौन से नदी, पहाड़ और देश पार करते हुए हम इस बर्फीले प्रदेश में पहुंचेंगे।

इस बर्फीले प्रदेश में कई तरह के लोग रहते हैं, इनमें से सबसे ज़्यादा जाने हुए लोग एस्किमो या इनुइट कहलाते हैं। ये लोग कैनडा और अलास्का नाम के देशों के उत्तरी भाग में रहते हैं। (इन देशों को भी नक्शे में ढूंढो)। चलो इन एस्किमो लोगों से मिलने चलते हैं और देखते हैं कि वे इन बर्फीले इलाके में अपना गुज़ारा कैसे करते हैं।

साल के ज़्यादातर समय ये इलाके बर्फ से ढंके रहते हैं। यहां तक कि आस-पास के समुद्र में भी बर्फ तैरती हुई मिलती है। ठंड और बर्फ की वजह से यहां पर कोई पौधे और फसल नहीं हो पाते।

गर्मियों में जब बर्फ पिघलती है तब सिर्फ कुछ घास या काई ही हो पाती है। इसलिये एस्किमो लोगों को सब्ज़ियां, अनाज या शक्कर जैसी चीज़ें खाने को नहीं मिलतीं थीं। अब ये चीजें दूसरी जगहों से आती हैं।

इस बर्फीले इलाके में ऐसे बहुत से प्राणीं होते हैं जिनका शिकार एस्किमो करते हैं।

एस्किमो लोगों के लिए सील, रेनडियर, कैरिबू नाम के जानवर सबसे महवपूर्ण हैं। सील समुद्र में रहने वाला एक काफी बड़ा जानवर है। इससे एस्किमो लोगों को काफी मांस, जलाने के लिए चर्बी और कपड़ों के लिए चमड़ा मिल जाता है।

रेनडियर और कैरिबू बारासिंगा या सांभर जैसे बड़े हिरण हैं। इन जानवरों से भी एस्किमो लोगों को मांस और चमड़ा मिलता है। कैरिबू के चमड़े से वे न केवल कपड़े बनाते हैं पर अपने तम्बू भी बनाते हैं। इन जानवरों के सींग और हड्डियों से वे अपने औजार भी बनाते हैं।

इसके अलावा यहां पर बत्तख और टारमिगन जैसी कुछ पक्षी , मछली, छोटे सफेद खरगोश और लोमड़ी भी मिल जाते हैं। कभी-कभी समुद्र में रहने वाली बड़ी व्हेल या बर्फ पर रहने वाला भीमकाय वालरस का शिकार भी हो जाता है। तब कई दिनों तक इन्हें भोजन की चिंता नहीं रहती। यहां पर रह रहे लोगों को एस्किमो कहते हैं, पर वे अपने आप को इन्युइट कहते हैं। इसलिए अब धीरे-धीरे इन्हें इन्युइट के नाम से जाना जाने लगा है। एस्किमो लोग ग्रीनलैंड, कैनाडा और अलास्का नाम के देशों के उत्तरी हिस्सों में हैं।

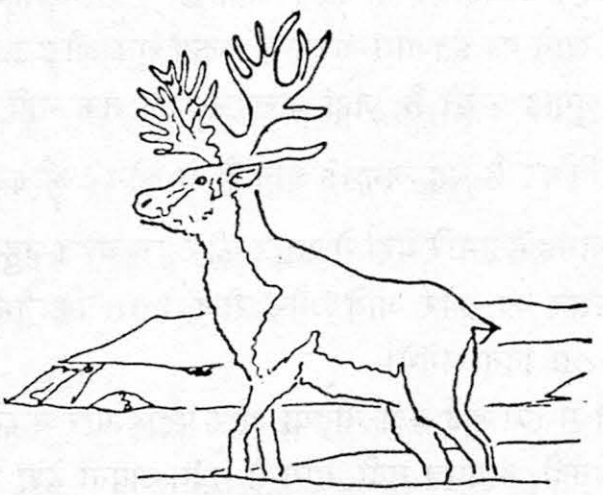

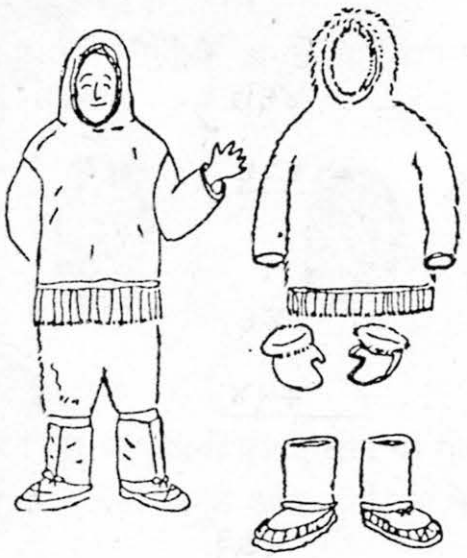

ठंड में रहने वाले इन जानवरों की खाल मोटी और ढेर सारे मुलायम बालों वाली होती हैं। जो उन्हें ठंड से बचाकर रखती हैं। इन बाल वाली खालों को फर कहा जाता है। जानवरों को मार एस्किमों इनकी फर वाली खालों से अपने लिये कपड़े बनाते हैं।

जब ज़्यादा ठंड होती है तो एस्किमो दोहरे कपड़े पहनते हैं। नीचे नरम खाल के कपड़े होते हैं और ऊपर फर वाली खाल के मोटे कपड़े।

सवाल ये उठता है कि ये जानवर भी क्या खा कर जिंदा रहते हैं? वैसे तो इन प्राणियों के खाने लायक कम ही चीजें होती हैं। खरगोश, रेइनडीयर और कैरीबू खाते है बर्फ में कुछ-कुछ होने वाली घास, काई और कभी-कभार दिख जाने वाले छोटे पौधे। बत्तख और टारमिगन खाती हैं मक्खी, मकड़ी, मच्छर और मछलियां समुद्र में रहने वाले जीव खाते हैं समुद्री घास, पानी में रहने वाले छोटे-छोटे कीड़े और मछलियां।

अभ्यास -

१. कैरीबू क्या है? ऐस्किमो लोग इसका क्या उपयोग करते हैं?

२. ऐस्किमो किस-किस जानवर का शिकार करते हैं?

३. ऐस्किमो क्या पहनते हैं?

४. तुम्हारे जीवन और ऐस्किमो के जीवन में क्या-क्या अंतर हैं?

५. इनमें पहले के आधार पर बाकी को पूरा करो-

बर्फ	-	बर्फीला	मैदान	-	मैदानी इलाका
पत्थर	-		पहाड़	-	
रेत	-		जंगल	-	
चमक	-				

६. इस अध्याय में कौन-कौन से मुश्किल शब्द हैं? इन सब पर गोला लगाओ।
कापी में छांट कर लिखो कि इनमें से कौन-कौन से जानवरों के नाम हैं?
इन सभी शब्दों के अर्थ पता करो और इन के लिए एक-एक वाक्य बनाओ।

हल करो

३६	१८	३२	३८	४६७
+४५	+२६	+३५	+१४	+ ६२६
३६	४७	२४	४७	४६
-२३	-२४	-१३	-१३	+५४
३५	४३	१६	३६	५७३
-१९	-१८	-८	-२९	+ ३३४
१३	१६	१२	२३	३५
×८	×७	×४	×३	×१७

१४ + ३३ =

९ + १८ =

३३ + १४ =

२७ + १७ =

१८ + ९ =

१९ - १३ =

२८ - १६ =

१६८+२३५=

२८७+५१२=

३३५+४५८=

७८६-२७३=

मज़ेदार बात

१४ + ३३ =
३३ + १४ =

यानी ३३ पहले लिखो या १४
जोड़ने पर वही उत्तर आता है। है न मजेदार बात।
ऊपर के सवालों में क्या कोई और भी ऐसा उदाहरण है?
जोड़ के बाकी सवालों में, दो संख्याओं का क्रम उलटकर भी जोड़ो। क्या देखा?
यह जोड़ का एक गुण है।

● *क्या घटाते समय भी संख्याओं का क्रम उलटकर घटाने पर वही उत्तर आएगा? करके देखो।*

अपना निशान

यहां तीन लोगों के अंगूठों के निशान बने हैं। इन्हें ध्यान से देखो।

इनमें बारीक रेखाएं दिख रही होंगी। क्या ये रेखाए एकदम एक जैसी हैं? इन्हें हैंडलेंस से भी देखो। हैंडलेंस से रेखाएं साफ-साफ दिखेंगी। इनमें क्या क्या अंतर दिखाई दिए?

अब तुम भी अपनी कॉपी, स्लेट या गीली मिट्टी पर ऐसे निशान बनाओ। कैसे बनाओगे? उंगलियों के भी निशान बनाओ। क्या अंगूठे और उंगलियों के निशान एक जैसे हैं? हैंडलेंस से देखकर पता करो।

साथियों के निशान भी बारीकी से देखो। क्या वे तुम्हारे निशान जैसे ही हैं? मेरा दावा है कि किन्हीं भी दो साथियों के निशान एक जैसे नहीं होंगे।

नीचे उंगली के निशान से कुछ चित्र बने हैं। तुम भी ऐसे चित्र बनाकर देखो।

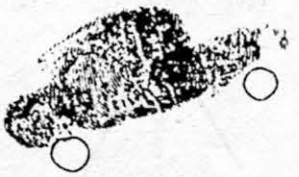

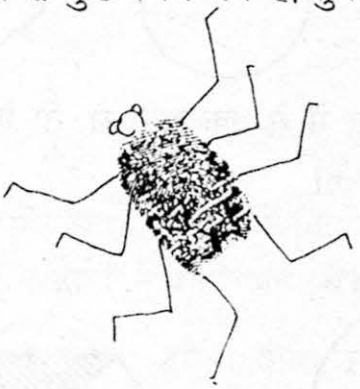

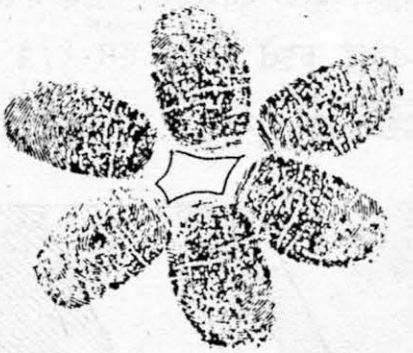

इन चित्रों के अलावा और भी ऐसे चित्र बनाओ।

सामग्री :- स्टैम्प पैड, चॉक का बुरादा, स्याही और हैंडलेंस।

भिन्न - 1

हम एक चीज़ के आधा, पाव, पौन और एक तिहाई भागों के बारे में पढ़ चुके हैं। हमें यह भी पता है कि आधे को १/२, पाव को १/४, पौन को ३/४ और एक तिहाई को १/३ भी लिखते हैं।

किसी चीज़ के दो बराबर भाग करो। उसके ऐसे एक भाग को आधा कहते हैं। इसे हम १/२ यानी *एक बटे दो* लिखते हैं। देखो मैंने कुछ चीज़ों के आधे भाग को रंग दिया है।

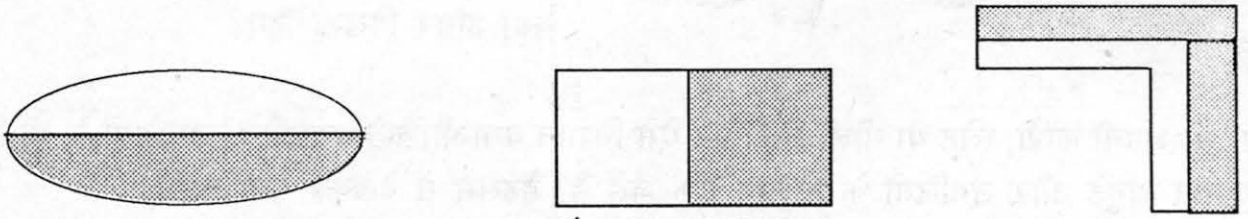

रंगा हुआ भाग एक
कुल भाग दो

तुम इन आकृतियों के आधे भाग में रंग करो।

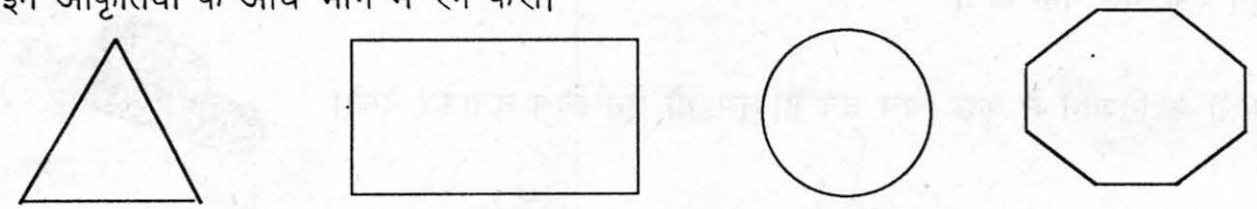

किसी चीज़ को अगर तीन बराबर भागों में बांटें और उस में से एक भाग लें, तो ऐसे एक भाग को एक तिहाई कहते हैं। इसे हम १/३ यानी *एक बटा तीन* लिखते हैं।

देखो यहां मैंने कुछ चीज़ों के १/३ भाग में रंग किया है।

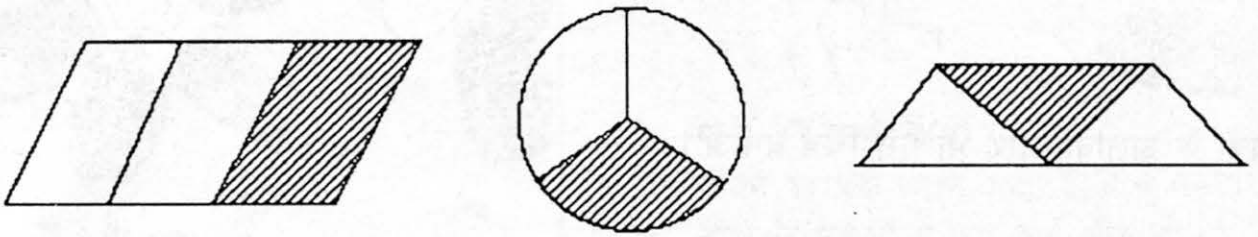

रंगा हुआ भाग एक
कुल भाग तीन

तुम इन आकृतियों के १/३ में रंग भरो।

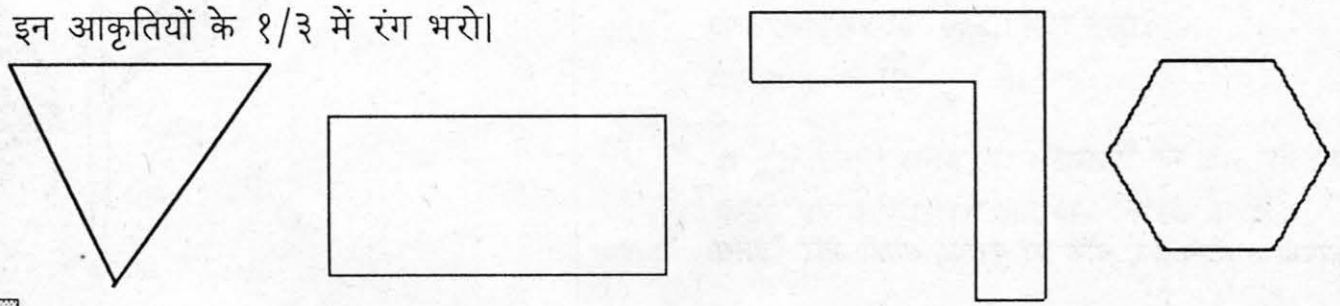

और अगर हम उसी चीज़ के चार बराबर हिस्से करें तो उसका एक हिस्सा होगा, *पाव* यानी *एक चौथाई*। इसे १/४ लिखते हैं।

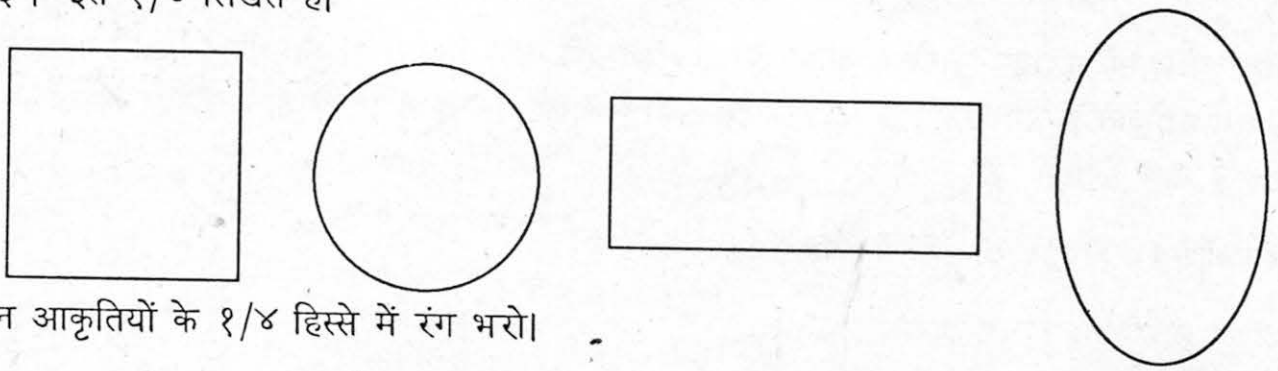

तुम इन आकृतियों के १/४ हिस्से में रंग भरो।

तुम इन आकृतियों के
२/३ हिस्से में रंग भरो।

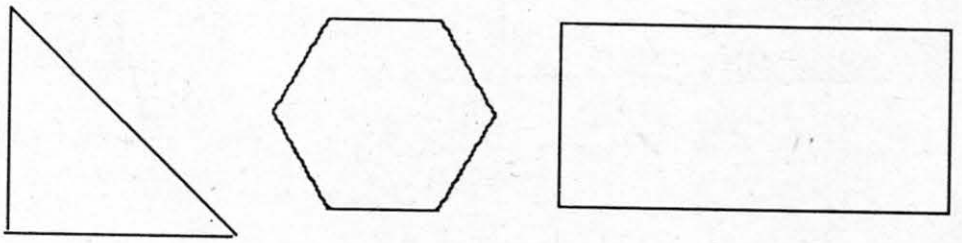

किसी चीज़ के यदि ४ बराबर हिस्से करें तो ऐसे ३ हिस्सों को ३/४ कहेंगे यानी *पौन* या *तीन चौथाई*।

मैंने यहां कुछ चीज़ों के ३/४ भाग पर रंग किया है।

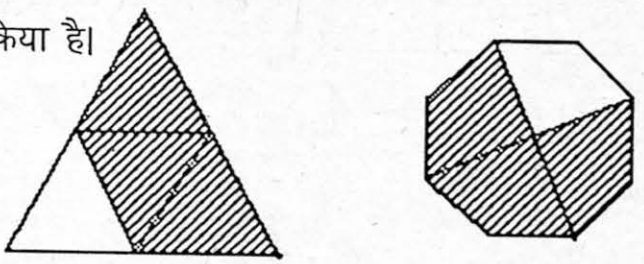

● कई सारी चीज़ों के भी आधा, पाव, एक तिहाई, पौन हो सकते हैं। तुमने कभी दो दोस्तों में बराबर-बराबर बेर बांटे होंगे। यानी तुम दोनों ने आधे-आधे बेर खाए।

संतू और दुर्गा ने मिलकर २४ जामुन बीने। उन्होंने आपस में बराबर-बराबर बांटे तो दोनों के हिस्से में कितने-कितने जामुन आए? ——— । दोनों ने २४ के १/२ जामुन लिए।

यानी २४ का १/२ हुआ ——— ।

वे अपने-अपने जामुन खाने ही वाले थे कि उनका दोस्त आज़ाद आ गया। उन्होंने कहा, "चलो फिर से सब जामुन मिला लें और बराबर-बराबर बांटें।"

अब सब के हिस्से में एक तिहाई जामुन आए। २४ का एक बटा तीन यानी १/३ हुआ ——— ।

पर फिर गड़बड़ हो गई। अब बुद्दी भी आ गई। संतू, दुर्गा, आज़ाद, बुद्दी, सब पक्के दोस्त थे। तो अब फिर से उन्होंने सब जामुन मिला लिए और चारों में बराबर-बराबर बांटे।

अब सबके हिस्से में एक चौथाई जामुन आए। 24 का एक बटा चार यानी1/4 हिस्सा हुआ. . . . . ।

१/२, १/३, १/४, २/३, ३/४ . . . इन्हें **भिन्न** कहते हैं।

हम चीज़ को जितने बराबर भागों में बांटते हैं उस संख्या को *नीचे* लिखते हैं। और फिर जितने बराबर भाग हम रंगते हैं या लेते हैं उस संख्या को *ऊपर* लिखते हैं। जैसे यदि किसी चीज़ को तीन बराबर हिस्सों में बांटा जाए तो ३ नीचे लिखेंगे और १ ऊपर लिखेंगे। इसीलिए भिन्न को बटा भी कहते है।

● **अब बताओ कि १/२, १/३, १/४ में सबसे ज़्यादा कौन-सा है?**

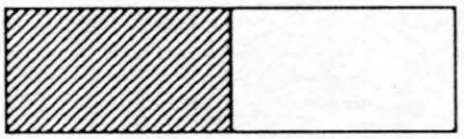

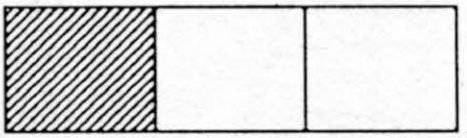

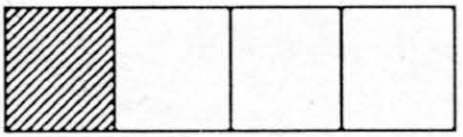

यह कितना-कितना हिस्सा है?

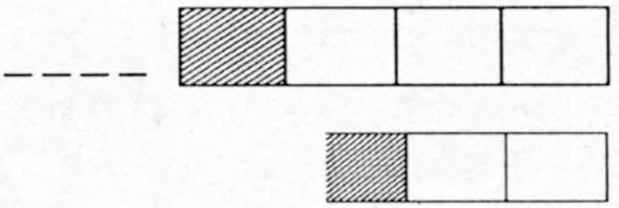

ऊपर के चित्रों को देखो मैंने हर पट्टी का कितना-कितना हिस्सा रंगा है? कौन-सा हिस्सा सबसे अधिक है?

● 9 सेब थे। 3 हो गए खराब। सेबों का कितना हिस्सा खराब हुआ?

● 5 आम थे, 4 केले और 6 सेब। कुल फलों में कितना हिस्सा आम का है?

● 15 केले थे, 5 हमने खा लिए। कुल केलों का कितना हिस्सा बचा?

समीकरण

तुमने पहले भी ऐसे सवाल किए होंगे। जैसे ८+४=१२ और १५–३=१२ यानी
८+४=१५–३, इस चिह्न (=) से भी तुम परिचित हो। यह बराबर का चिन्ह है।

इस चिन्ह के दोनों तरफ संख्याएं बराबर होनी चाहिएं। जहां भी = का उपयोग होता है, उसे समीकरण कहते हैं यानी दोनों तरफ समान बराबर संख्याएँ।

जोड़ और घटाने के कुछ समीकरण – इन समीकरणों को पूरा करो।

(क) ४ + ५ = ३ + ... (ख) ६ - ३ = ८ - .....
(ग) ४ + ३ = ९ - ..... (घ) २५ + १३ = १२ + ...
(च) ८५ - ३२ = ९६ - ..... (छ) ७६ + १५ = ६८ + ...
(ज) ६८ - ३५ = ७५ - ..... (झ) ३२ + १३ = ८८ - .....

ऐसे खूब सारे सवाल बना कर करो। एक दूसरे को देकर देखो। क्या कुछ ऐसे सवाल बने जो हल नहीं हुए? ऐसे सवाल गुरूजी को दिखाओ।

इन में से समीकरण के लिए जोड़ियां छाटो:- हल करो और देखो किन में बराबर उत्तर आता है।

८+४	१३+५	४३–२२	२६–८	११×४	३+९
५५–९	१२+४	८+४	१३+५	४३–२२	२६–८
५५–९	२२–१६	१२+४	७×३	४+२	४७+२३

● जैसे एक जोड़ी मैंने बनाई है २२–१६=४+२, ऐसी अधिक से अधिक जोड़ियां बनाओ।

यहां दिए गए समीकरण सही हैं या गलत

(क) ४+१०=३+११
(ख) ३+१३=६+१४
(ग) ५५+४४=३३+७७
(घ) ७६+१३=४५–७

ऐसे और भी समीकरण बना के या दोस्तों के लेकर सही और गलत समीकरण पहचानो।

इन्हें भी पढ़ो और समझो-

४ × ३ = ७ + ५ ६ × ८ = ३२ + १६
३ × ७ = ३५ - १४ ७ × २ = ४८ - ३४

अपने मन से ऐसे समीकरण बनाओ जिनमें जोड़, घटाना और गुणा -- सभी का उपयोग हो।

शिकारी पौधे

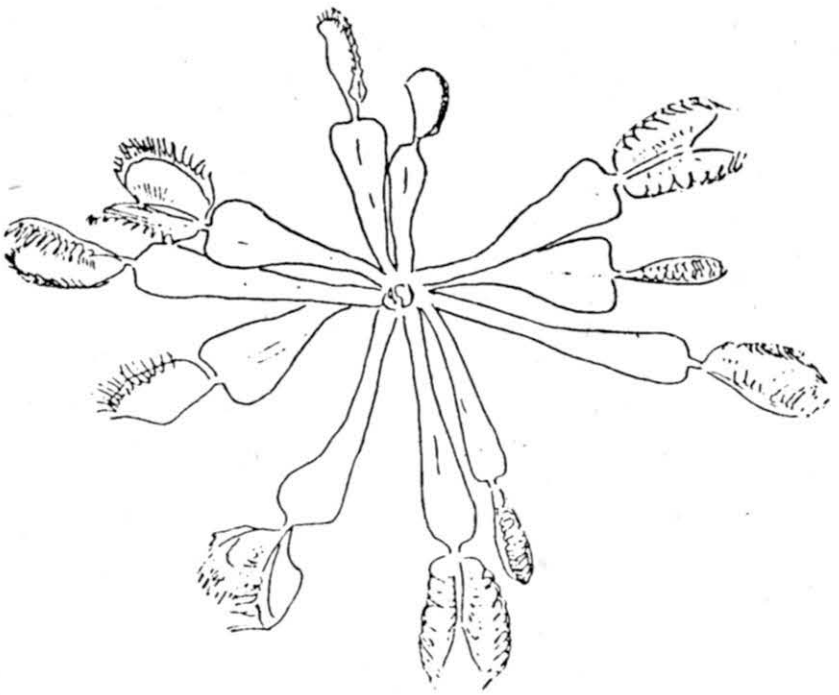

दुनिया में ऐसे पौधे भी होते हैं जो कीड़ों का शिकार करते हैं। जैसे चूहेदानी में चूहे बंद हो जाते हैं, वैसे ही इन पौधों की कीड़ेदानी में कीड़े फंस जाते हैं। देखो यहां पर वीनस कीड़ेदानी नाम के पौधे को –

पौधे की हर पत्ती में दो जबड़े से हैं। इनके अंदर मीठा शहद सा पानी है, जिसकी लालच से कीड़े अंदर आते हैं।

रेडी. . . १. . . ये देखो नीचे एक मक्खी मीठा शहद खाने के लिये कीड़ेदानी पर उतरी। जबड़े अभी खुले हैं।

. . २ जैसे ही मक्खी
अंदर घुसी कि जबड़े बंद हो जायेंगे।

. . ३ जबड़े खट से बंद हो गये और मक्खी फंस गई। अब ये कीड़ेदानी
एक तरह का पेट बन गई है जो कि इस मक्खी को पचा लेगा।

गज़ब की बात है!

सभी पौधों की पत्तियां उनके लिए भोजन बनाती हैं पर कुछ पौधों की पत्तियां उनके लिए भोजन जुटाती हैं। पिचर प्लांट, कीट भक्षी पौधा है। यानी यह कीड़ा खाता है। इसकी पत्तियों के सिरे कलश (सुराही) का आकार बना लेते हैं। कलश के मुंह पर मीठे रस की छोटी-छोटी थैलियां होती हैं, जिनसे शहद जैसा पदार्थ निकलता है। जब कोई कीड़ा कलश पर मीठा रस चूसने आता है तो वह फिसलकर अंदर गिर पड़ता है। अंदर की सतह इतनी चिकनी होती है कि वह बाहर नहीं निकल पाता। कलश में मौजूद अम्लीय द्रव कीड़े को पचा डालते हैं।

इसी तरह पानी में उगने वाले यूटीकुलेरिया नामक पौधे की पत्तियां भी पौधे के लिए कीड़ों को पकड़ती हैं। पौधा पानी की सतह पर तैरता रहता है। इसकी पत्तियां बहुत पतली और कटी-फटी होती हैं। इनमें कुछ पत्तियां ब्लैडर का रूप धारण कर लेती हैं। ब्लैडर के मुंह पर रोम होते हैं। ब्लैडर का दरवाज़ा भी अंदर की तरफ खुलने वाले वाल्व की तरह काम करता है। पानी में तैरते हुए छोटे-छोटे कीड़े ब्लैडर के मुंह पर लगे रोमों में फंसकर अंदर चले जाते हैं, जहां उनका पाचन हो जाता है।

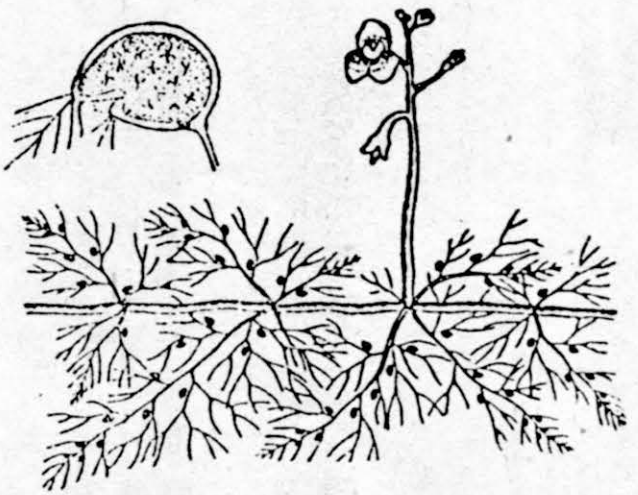

नीचे शिकारी पौधे के बारे में कुछ चीज़ें लिखी हैं। इनमें जो भी बातें तुम्हें ज़्यादा ज़रूरी लगती हैं उन पर गोला लगाओ। जो बातें फालतू की लगती हैं उनको काट दो।

1. शिकारी पौधा हरे रंग का होता है।
2. शिकारी पौधा छोटे-छोटे कीड़ों का शिकार करता है।
3. शिकारी पौधा कीड़े दानी में कीड़ों को पकड़ता है।
4. शिकारी पौधा अच्छा लगता है।
5. शिकारी पौधा लाल रंग का होता है।

हौदा हाथी

हल्लम हल्लम हौदा हाथी चल्लम चल्लम,
हम बैठे हाथी पर हाथी हल्लम हल्लम ।
लंबी लंबी सूंड फटाफट फट्टर फट्टर
लंबे लंबे दांत खटाखट खट्टर खट्टर
भारी भारी मूंड मटकता झंमम झंमम
हल्लम हल्लम हौदा हाथी चल्लम चल्लम।
पर्वत जैसी देह थुलथुली थल्लम थल्लम,
हालर हालर देह हिले जब हाथी चल्लम,
खंबे जैसे पांव धपाधप पड़ते धंमम,
हल्लम हल्लम हौदा हाथी चल्लम चल्लम

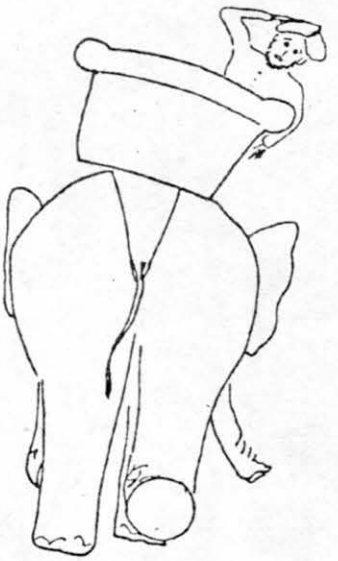

डा. श्रीप्रसाद

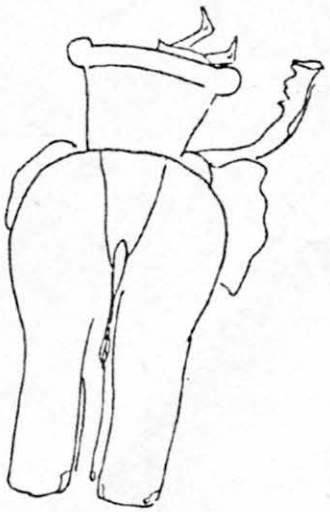

1. **क्या तुम्हें पता है -**

- बहुत सारे कीड़ों की पतली सी सूंड होती है।

- चींटी अपने जबड़ों (दांतों) से खुद के वज़न की तुलना में कई गुना ज़्यादा वज़न उठा सकती है।

- अगर चूहे चीज़ें कुतर-कुतर कर अपने दांतों को घिसे नहीं तो २-३ फीट लंबे हो जाएं।
- हाथी से बड़े जानवर भी होते हैं। बड़ी सूंड़ वाले। इन जानवरों के भी खंबे जैसे पांव होते हैं।

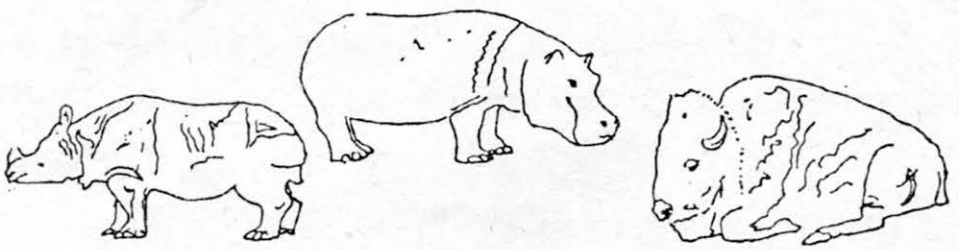

2. *तालिका पूरी करो और आगे जोड़ो।*

चल्लम	फट्टर	फटाफट
हल्लम	खट्टर	.....
.....	.....	.....

3. जांचो सही या गलत

- कविता में 22 शब्दों में **ह** आता है।
- चार लाइनों में **ह** आता ही नहीं है।
- कविता में आधे अक्षर वाले 22 शब्द हैं, जैसे- हल्लम।

4. नीचे मैंने कुछ दो-दो शब्दों की जोड़ियां लिखी हैं।

(हल्लू हाथी), (लाल लट्टू), (कारो कौआ)

इन सब जोड़ियों में एक साथ में आने वाले दोनों शब्द एक ही अक्षर से शुरू होते हैं।

● *कविता में इस तरह के कितने शब्द होंगे जो साथ-साथ आते हैं और एक ही अक्षर से शुरू होते हैं?*

जैसे - हौदा हाथी। तीन-तीन या चार-चार शब्दों के झुण्ड भी हो सकते हैं।

तुम भी ऐसे और बनाओ। जैसे - भीगा भालू, मरियल मुर्गा, चूटकु चूहा वगैरह।

5. हाथी के लिये महावंत अंकुश का उपयोग करता है।

- तांगेवाला घोड़े के लिये ..... का उपयोग करता है।
- गधे ठेलने के लिये ..... काम में आता है।
- हल गेरने के लिये किसान ..... का उपयोग करता है।

6. आज से सौ साल पहले लोग हाथी और घोड़े रखते थे। आजकल क्यों नहीं रखते होंगे?

7. एक हाथी और एक ऊंट दोनों अपनी-अपनी पीठ पर बोझा लिये चले जा रहे थे। हाथी ने थल्लम-थल्लम चलते हुए कहा - ऊंट भाई, मेरे पास तुमसे दुगना बोझा है। इस पर ऊंट ने कहा - पर इतना ज़्यादा भी तो नहीं है हाथी दादा। अगर मैं तुमसे एक क्विंटल का ही बोझ ले लूं तो हम दोनों के पास बराबर बोझा हो जाएगा। तो बताओ दोनों के पास कितने-कितने क्विंटल का बोझा था?

घोंघा - चलता फिरता यौद्धा

अगर तुम कभी खेत या कच्ची ज़मीन पर से गुजरते हुए नीचे देखते रहो, तो कहीं न कहीं तुम्हें घोंघा दिख ही जाएगा। नहीं दिखे तो ताज़ी पत्तियों के नीचे ढूंढो। घोंघा अक्सर यहाँ छिपता है। पर इसे ठंड में नहीं ढूंढना।

क्या तुम्हें घोंघे के सर के दोनों ओर एक-एक पतली डंडी दिखाई दी?

घोंघा उनसे क्या करता होगा?

इन डंडियों के सिरे पर ही घोंघे की आंखें होती हैं।

घोंघे की पीठ पर एक गोलाकार सख्त सा ढांचा भी तुम्हें नज़र आएगा। यह घोंघे का कवच है। घोंघे को धीरे से किसी तीली से छुओ? क्या हुआ? क्या वह सिमट गया? एक बार और छूओ वह अपने खोल के अन्दर घुस जाएगा। अब तुम उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

घोंघे की पीठ पर यह खोल उसकी दो तरीकों से मदद करता है –

एक तो लम्बे समय तक सोने के लिए उसे बन्द करने से ठंड नहीं लगती व शत्रुओं से उसकी रक्षा हो जाती है। और दूसरा, सामान्य समय में जब घोंघे को अपना शत्रु, कोई कीड़ा या जानवर दिखता है जो उसे खाना चाहता है, तो वह अपने बचाव के लिए झट इस खोल में घुस जाता है।

तुम्हें पेड़ के तनों पर चलते हुए भी घोंघे मिल जाएंगे। एक दिन में घोंघे को देखकर सोच में पड़ गई कि इसके न तो हाथ होते हैं न पैर, तो फिर यह पेड़ के तने पर चलता कैसे है? नीचे क्यों नहीं गिर जाता?

क्या तुम जानते हो ऐसा क्यों होता है? और लोगों से पूछो। देखो वे इसके बारे में क्या सोचते हैं?

असल में पेड़ पर चलते हुए घोंघा एक चिपकने वाला द्रव अपने शरीर से निकालता है। यही द्रव उसे पेड़ के तने के साथ चिपकाए रखता है। ठंड के दिनों में घोंघा लम्बी तान से सोता है। कवच के अन्दर घुसकर कवच के खुले मुंह को भी इसी द्रव से बंद कर लेता है।

घोंघे ताज़ी हरी पत्तियां खाते हैं। अपनी सख्त रेगमाल समान जीभ से खुरच-खुरच कर वह पत्ती छीलते और खाते हैं। रगड़-रगड़ कर जीभ पर बने छोटे-छोटे दांत घिसते तो रहते हैं, पर यह दांत धीरे-धीरे बढ़ते भी रहते हैं और अपनी पत्ती खाने की क्षमता बनाए रखते हैं।

अभ्यास के प्रश्न

1. घोंघा क्या खाता है? कैसे खाता है?
2. घोंघे को कहां-कहां ढूंढना चाहिए?
3. घोंघा तने पर कैसे चलता है?
4. घोंघे के कवच से उसे क्या फायदा?
5. घोंघा ठंड में क्या करता है?
6. पत्ती खाने वाले कुछ और नाम लिखो?
7. घोंघे पर एक पैराग्राफ लिखो।
8. घोंघे व केंचुए में ३ अंतर लिखो?
7. इन शब्दों में अंतर है, कुतरना, छीलना, नोचना, काटना, चबाना, निगलना

इन सभी शब्दों के लिए एक-एक वाक्य लिखो।

गोटी खेल

कौन सी गोटियां लाइन में हैं?

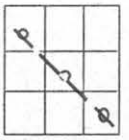

ये एक लाइन में हैं।

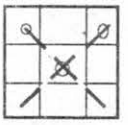

ये एक लाइन में नहीं हैं।

देखो एक मज़ेदार चीज़। इस चार्ट के खानों में मैंनें चार गोटियां रखी हैं। अब तुम इस चार्ट के किसी भी खाने में एक और गोटी रखो। देखो कि एक लाइन में तीन गोटियां आयीं कि नहीं (गोटी की जगह कंकड़ ले सकते हो)। हुआ कि नहीं?

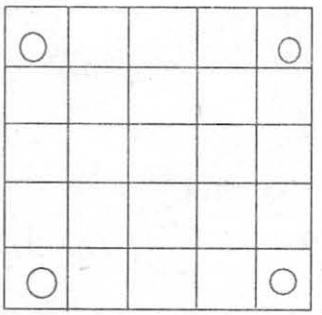

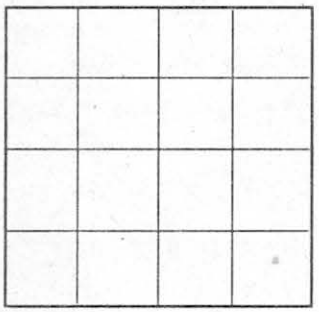

अब तुम्हारी बारी

यहां वाले चार्ट के खानों में चार गोटियां इस तरह रखो कि अगली गोटी रखते ही एक लाइन में ३ गोटियां हो जायें। शर्त ये है कि जो तरीका मैंने दिखाया है उसके अलावा कोई और तरीका ढूंढना है।

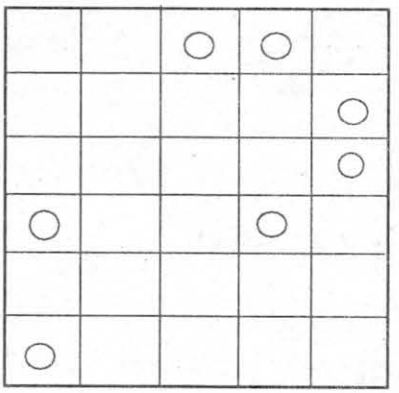

फिर मेरी बारी

गिनो इस चार्ट में कितने खाने हैं। कितनों में मैंने गोटियां रखीं हैं?

अब इस चार्ट में तीन गोटियां और रखो। इस तरह से रखो कि गोटियां रखने पर हर आड़ी और खड़ी लाइन में तीन से कम गोटियां ही हों।

इसके आगे

इसी चार्ट में चार और गोटियां रखनी हैं। क्या तुम उन्हें इस तरह से रख सकते हो कि किसी भी लाइन में तीन या तीन से अधिक गोटियां न हों?

♣ चाहो तो तुम भी ऐसे और अभ्यास बना सकते हो

एक खेल

१. लकड़ी का एक पटिया लो। उस पर एक पत्थर रखो। अब पटिया को एक तरफ से धीरे-धीरे उठाओ ताकि वह तिरछी होती जाए। देखो कि कितना ऊंचा उठाने पर पत्थर नीचे की ओर ढुलकता है। (चित्र)

२. अब पत्थर की जगह एक कंचा पटिए पर रखो। पटिए को उसी प्रकार एक तरफ से उठाओ।

इस बार कितना ऊंचा उठाना पड़ा? पहले से कम या ज़्यादा?

इसी तरह लकड़ी के गुटके और गणक का मोती रखकर भी देखो।

यही प्रयोग लकड़ी के पटिया की जगह अपनी किताब के ऊपर पत्थर, कंचा, गुटका और गणक का मोती रखकर करो। इन सवालों का उत्तर दो।

(1) किस वस्तु को ढुलकाने में सबसे कम उठाना पड़ा?

(2) किस को ढुलकाने में सबसे ज़्यादा उठाना पड़ा?

(3) क्या गोल चीज़ें कम उठाने पर ढुलक जाती हैं?

(4) क्या भारी चीज़ें कम उठाने पर ढुलक जाती हैं?

(5) क्या लकड़ी के पटिए की जगह किताब रखने से कुछ अंतर आया?

पटिये या किताब के आकार व साइज की कुछ और वस्तुओं पर इन सभी वस्तुओं को ढुलका कर देखो। ढुलकाने के लिए भी और वस्तुएं लाओ। देखो कि सबसे अधिक किस वस्तु को उठाना पड़ा?

● ऊपर दिए गए प्रयोग में भाषा की कुछ गलतियां हैं। इन्हें ढूंढ कर प्रयोग को ठीक भाषा में लिखो।

एक और प्रयोग

एक लकड़ी के पटिए को ज़मीन पर रखकर एक तरफ से दो ईंटों के सहारे ऊंचा करके रखो, ताकि वह तिरछा हो जाए। अब इसके ऊपरी छोर पर एक कंचा रखो। यह कंचा ढुलक के नीचे की ओर जाएगा। देखो कि कंचा पटिया के नीचे वाले छोर से कितनी दूर जा के रुकता है। इस दूरी को नाप लो।

अब कंचे की जगह एक पत्थर ऊपरी छोर पर रखो। नापो कि यह पत्थर ढुलकने पर कितनी दूर तक जाता है। अगर लकड़ी की जगह किताब रखी जाए तो कंचा और पत्थर कितनी दूरी तक जाते हैं?

(1) पत्थर और कंचे में से कौन सा ज़्यादा दूर जाता है?

(2) क्या गोल चीज़ें, ज़्यादा दूर जाती हैं?

(3) लकड़ी की जगह किताब रखने से क्या अंतर पड़ा?

बातचीत

ननकू बहुत दिनों बाद अपने गांव आया। सोचा, चलो दादाजी से मिल आएं। ननकू जब दादाजी से मिला तो खूब बात हुई। हमने उन दोनों की बात यहां लिखी, पर बीच का कुछ हिस्सा छूट गया है जिसे तुम पूरा करो।

१ - दादा जय राम जी की ।
२ - जय राम जी की बेटे जय राम जी की। बड़े दिनों में दिखाई दिये। सब ठीक तो है ना?
१ - हां दादा ठीक ठाक तो हैं। बीच में बहुत पढ़ाई आ गई थी।
२ - अच्छा घर पर कैसे हैं सब लोग?
१ - सब ठीक हैं। पिताजी के घुटने में थोड़ा दर्द है लेकिन ज़्यादा नहीं।
२ - चलो शुकर है।
१ - दादाजी हमने सुना है आपने एक नई भैंस ली है। क्या यह सही है?
२ - सुना तो सही है बेटा। पिछले सोमवार को ही तो लाया उसे।

१ - ----------

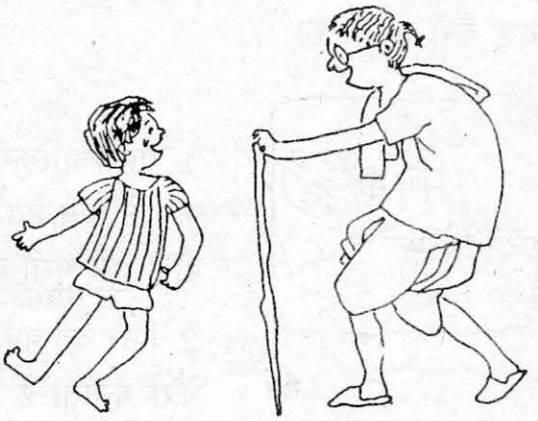

२ - वो ढोढरामोहार है ना वहीं से लाया।

१ - अच्छा ----------

२ - ज़्यादा महंगी तो नहीं है। तीन हज़ार में ली है।

१ - तो दादा ये----------

२ - अभी तो तीन-चार लीटर ही दे रही है। आगे देखो क्या होता है।
१ - पिताजी पूछ रहे थे कि आप हमारे घर कब आयेंगे?
वैसे भी वो भूरी गाय बीमार है, चारा पानी नहीं ले रही ।

२ - अरे----------

१ - यही कोई दो-तीन दिन से।

● इसका कक्षा में रोल प्ले करो। एक लड़का ननकू बन जाए और दूसरा दादाजी।

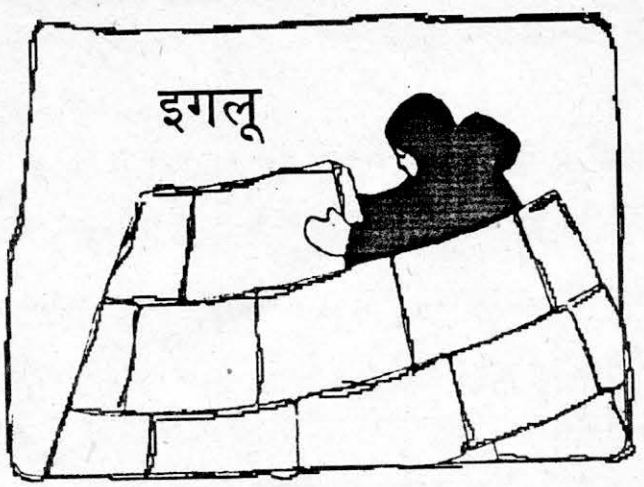

कितना मज़ेदार नाम है न, इगलू। सुन कर ही लगता है कि इगलू ज़रूर कोई अजीब सी चीज़ होगी। और वास्तव में वो है भी। इगलू होता है बर्फ की सिल्लियों से बना एक घर, और इसे बनाते हैं एस्किमो लोग।

एस्किमो लोगों के बारे में तुम ने पहले पढ़ा था। ये लोग बहुत ही बर्फीले इलाके में रहते हैं। आम तौर से वे कैरीबू के चमड़े के घर बना कर रहते हैं। ये एस्किमो लोग एक ही जगह पर बस कर नहीं रहते। जब बर्फ थोड़ी थोड़ी पिघलती है तो वे कैरीबू के झुंडों के साथ घूमते रहते हैं और कैरीबू का शिकार करते हैं।

ठंड के दिनों में तीन महीनों तक अंधेरा छाया रहता है, और सभी तरफ बर्फ जमी रहती है। समुद्र के पानी की ऊपरी सतह भी जम जाती है। इस ज़माने में एस्किमो लोग समुद्री बर्फ पर जा कर रहते हैं और वहां पर सील का शिकार करते हैं। तब ये लोग इगलू बनाकर रहते हैं। नीचे के चित्रों में दिखाया है कि एस्किमो लोग इगलू कैसे बनाते हैं।

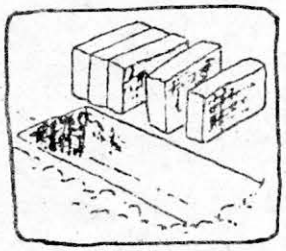

1. पहले एस्किमो एक ऐसी जगह ढूंढ़ता है जहां बर्फ कम से कम डेढ़ या दो फुट गहरी हो और ठोस जमी हो। (भुस भुसी बर्फ से इगलू नहीं बनाया जा सकता।)

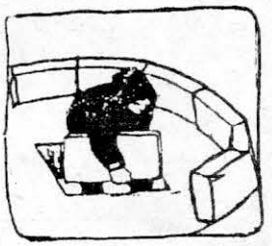

2. फिर वह बर्फ काटने के चाकू से बर्फ में उतना बड़ा घेरा बनाता है जितना बड़ा उसे इगलू चाहिए। अब इस गोले के अंदर खड़े होकर वह बर्फ की बड़ी-बड़ी सिल्लियां काटता जाता है और इन्हें घेरे पर जमाता जाता है। जमाते समय वह सिल्ली को थोड़ा तिरछा काटता जाता है ताकि वे एक दूसरे से सटकर अच्छे से जम जाएं।

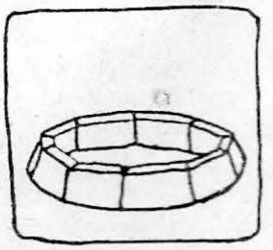

3. एक सिल्ली का घेरा पूरा होने पर वह उसके ऊपर सिल्लियों की दूसरी सतह जमाता है। यह सतह पहली सतह से छोटी होती है। इस तरह एस्किमो सतह दर सतह बर्फ की सिल्लियों को जमा कर इगलू बनाया जाता है। हर सतह नीचे वाली सतह से छोटी होती है।

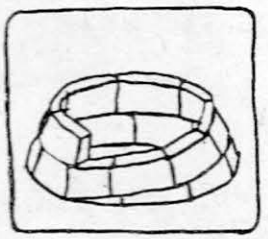

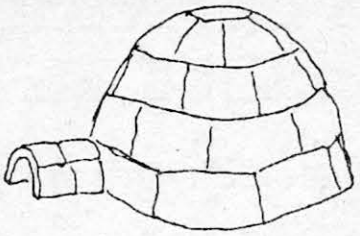

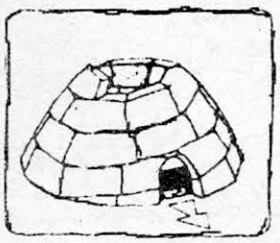

4. आखिर में इगलू के ऊपर एक सिल्ली की जगह बचती है, जिस पर एक सिल्ली अंदर से ही जमाई जाती है।

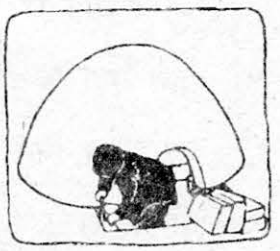

5. इगलू के लिए सभी सिल्लियां गोले के अंदर से काटी जाती है। अंदर जो गड्ढ़ा बन जाता है, वह है इगलू का फर्श जो गड्ढे के किनारे से ऊंचा भाग बचता है, उसे ऐस्किमो सोने, बत्ती रखने और मांस रखने के लिए उपयोग करते हैं।

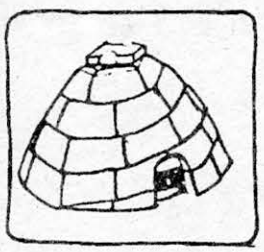

6. इगलू के एक तरफ दरवाज़ा काटा जाता है। दरवाज़ा उस तरफ होता है जिस तरफ से हवा न आती हो। इगलू के ऊपर हवा के लिए एक छेद होता है।

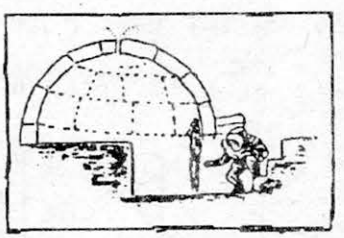

7. इगलू के ऊपर से और बर्फ थाप कर सिल्लियों के बीच की जगह बन्द की जाती है ताकि ठंडी हवा अंदर न घुस पाए।

8. दरवाज़े के आगे एक सुरंग सी बना दी जाती है। इस सुरंग में ऐस्किमो अपना सामान रखते हैं। दरवाज़े पर चमड़े का एक पर्दा लटका दिया जाता है।

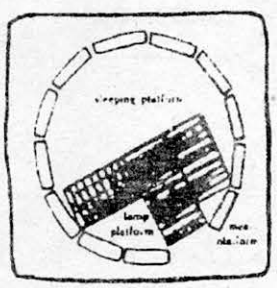

एक इगलू करीब १२ फीट चौड़ा होता है. और इसमें ५-६ लोग आराम से आ सकते हैं। और पता है एक अकेले आदमी को इसे बनाने में कितना समय लगता है – २ घंटे! है न गज़ब की चीज़।

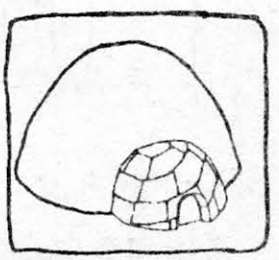

इगलू की दीवारें अंदर से छूने पर ठंड़ी तो लगती हैं, पर वे बाहर गिरती हुई बर्फ और ठंडी हवा को अंदर नहीं आने देतीं। इगलू के अंदर सील मछली की चरबी के तेल से आग जलाई जाती है, जिससे घर गरम रहता है। ज़मीन पर फर बिछे रहते हैं, ताकि नीचे से ठंड न लगे। यहां तक कि इगलू इतना गरम हो जाता है कि बच्चे अंदर फरों के बिस्तर पर बगैर गरम कपड़ों के सोते हैं।

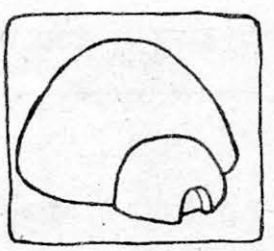

हो गया इगलू तैयार

१. एस्किमो इगलू कब बनाते हैं? ----------

२. इगलू किस चीज़ से बनता है? ----------

३. इस पन्ने पर तुम्हें जितने मुश्किल शब्द मिलें, उन पर गोला लगाओ। गुरूजी या बहन जी से उनके मतलब पता करो। इन शब्दों से एक-एक नया वाक्य कॉपी में बनाओ।

४. तुम्हारे यहां घर बनाने में किन-किन चीज़ों का इस्तेमाल करते हैं? कॉपी में सूची बनाओ।

५. अपने यहां के घर के बारे में बताओ - ----------

- ज़्यादातर किस मौसम में घर बनाते हैं? ----------
- दीवारें खड़ी करने के **पहले** क्या हो जाना ज़रूरी होता है? ----------
- दीवारें खड़ी हो जाना के **बाद** और क्या-क्या किया जाता है? ----------
- पूरा घर तैयार होने में कितना समय लगता है? ----------

६. मैंने एक घर का नक्शा बनाया है, और नीचे चार चित्र दिए गए हैं। इनमें से कौन सा चित्र इस घर का है? बाकी घरों के नक्शे तुम बनाओ।

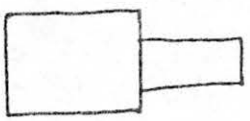

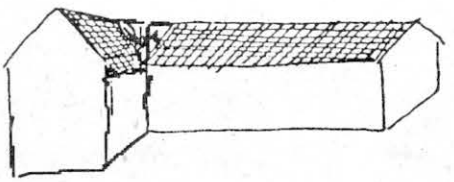

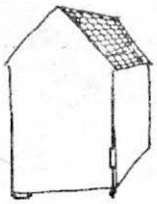

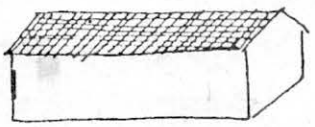

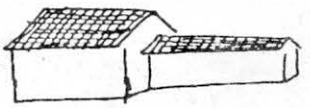

७. दौड़ीमल ने घर बनाने के लिये १००० ईंटें बनाई। बारिश होने से ६६५ घुल गई। कितनी बची?

दौड़ीमल ने ४५० ईंटें तो बना ली, पर अभी हज़ार ईंटें पूरी नही हुई। तो बताओ १००० पूरी होने में कितनी बाकी हैं। ----------

८. इगलू के चित्र को देखो। इसमें करीब कितनी सिल्लियां लगी होंगी? ----------

९. इगलू में धुआं निकलने तथा हवा आने के लिये एक छेद रहता है। तुम्हारे यहां धुआं कैसे निकलता है? ----------

१०. मिट्टी के चौकोरों से इगलू बनाओ।

उल्टे इबारती *(दी गई संख्याओं से इबारत बनाना)*

अभी तक हम इबारती सवालों को अंकों में बदलकर करते आएं हैं। क्यों न इसका उल्टा करके देखें? यानी अंकों को देखकर इबारती सवाल बनाएं। एक-दो सवाल यहां बने हैं। तुम ऐसे और सवाल बनाओ।

३५
+१३

भैंसदेही की प्राथमिक शाला में ३५ लड़के हैं और १३ लड़कियां।
इस शाला में कुल कितने विद्यार्थी पढ़ते हैं?

यह तो एक ही सवाल बनाया है। मेरा दावा है कि तुम कम से कम ५ और ऐसे सवाल बना सकते हो। कोशिश करके देखो।

अच्छा, अब एक सवाल और देखें।

४८
-३३

मेरे पास ३३ कंचे थे। मैंने कुछ कंचे टीनू से जीते।
मेरे पास अब ४८ कंचे हैं। मैंने टीनू से कितने कंचे जीते?

इस बार नए प्रकार के ५ और इबारती सवाल बनाने की कोशिश करो।

एक सवाल **गुणा** का भी देखें

१३
× ६

कक्षा के १३ बच्चों को रंगीन पेन्सिलों का उपयोग करना है। हर बच्चे के लिये ६ पेंन्सिल चाहिए। तो कुल कितनी पेन्सिलें चाहिए?

किताब में दिये सभी अंकों वाले सवालों के लिये इबारती सवाल बनाओ। मेरा दावा है कि तुम कम से कम १० और इबारती सवाल तो बना ही लोगे।

इन सवालों को भी हल करके देखो। इनसे भी इबारती सवाल बनाने की कोशिश करो।

३५ × ५ =	१८ × ३ =	२४ ÷ ४ =	५६ × ७ =
१४२ ÷ २ =	७८ × ३ =	९६ ÷ ८ =	१८९ ÷ ७ =
१५३ ÷ ३ =	२२५ ÷ ५ =	३६९ × ९ =	२१६ ÷ ६ =

जोड़ो, घटाओ और गुणा करो

इन खेलों के लिए तुम्हें खिड़कियों वाले कुछ कार्ड कागज़ बनाने होंगे। पहला कार्ड है दो लम्बी खिड़कियों वाला (कार्ड क्र. 1)। फिर एक लम्बी और एक छोटी खिड़की वाला कार्ड (क्रमांक-2) और फिर कार्ड क्रमांक 3 जिसकी दोनों खिड़कियां बराबर हैं।

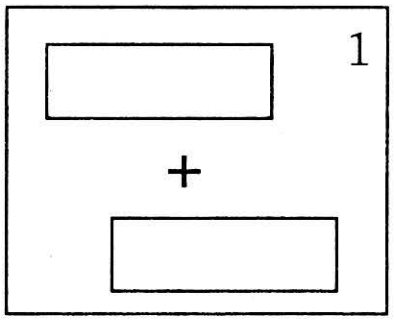

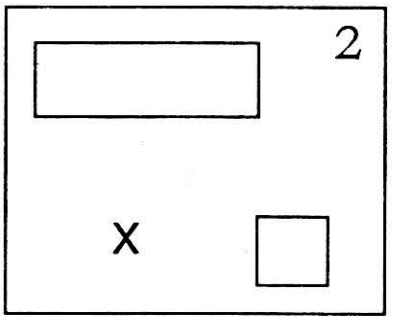

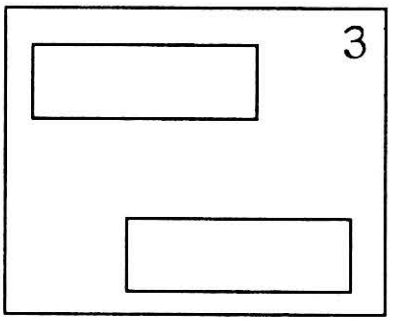

ये सब चौकोर कड़े कागज़ के टुकड़ों से बनेंगे। किसी कागज़ को मोड़ कर इसे चौकोर कागज़ के टुकड़ों में फाड़ लो। इनका साइज़ लगभग चित्र में दिखाए कार्ड जितना हो।

इन चौकोर टुकड़ों पर चित्र में दिखाए साइज़ के अनुसार काट कर खिड़कियां बना लो।

इन कार्डों को अंक चार्ट पर रखकर नई-नई संख्याएं बना सकते हैं। बस कार्ड खिसकाते रहो और उसे नई-नई जगह पर रखते रहो और संख्याएं पढ़ते रहो। ऊपर वाली खिड़की में दिख रहा है ९ १ ९

से द इ

९ १ ९

दूसरी खिड़कियों कि संख्याएं भी पढ़ो।

कार्ड 1 में दोनों खिड़की की संख्याएं देखो।

नीचे वाली खिड़की से संख्याएं दिख रही हैं ९ १ ९

ऊपर वाली खिड़की में भी ९ १ ९

और अब इन दोनों को जोड़े - ९१९

+९१९

कार्ड को चार्ट पर अलग-अलग स्थान पर रखो और नई-नई संख्याएं बना कर जोड़ो। इस कार्ड से चार्ट में **सबसे बड़ी कौन सी संख्या दिखती है? सबसे अधिक जोड़ कहां बनता है?**

संख्या कौन सी	
००६	= ६००
	६०६
	६
	६०
०८२	= ८०२
	२०८
	८२
	२८०

३	२	१	२	७	३	६	४	३	८	९	५
४	५	४	९	४	१	७	२	७	१	१	१
१	३	९	४	0	६	९	४	६	२	0	७
७	२	७	९	६	३	९	६	४	७	८	४
९	२	१	५	५	९	१	९	२	४	६	३
0	८	८	0	0	९	+	४	४	0	६	९
६	६	0	२	३	४	९	१	९	३	८	१
२	९	४	५	६	0	८	९	७	१	२	६
५	७	६	0	७	७	५	७	३	१	८	५
२	१	४	३	२	६	४	५	६	८	९	९
३	X	0	७	२	३	२	५	९	६	0	८
८	४	३	४	५	९	८	४	६	३	५	0

इसी तरह कार्ड नम्बर २ के चित्र को चार्ट पर रखकर देखो। इसकी खिड़कियों में संख्या है -

२१४ × ४

ऊपर वाली खिड़की से संख्याएं दिख रही हैं – २१४ और नीचे वाली खिड़की मैं से झांक रहा है ४

२१४ × ४ =

इसी तरह कार्ड २ को अलग-अलग स्थान पर रखकर नई-नई संख्याएं और सवाल बनाओ और उनमें गुणा करो।

ऊपर की खिड़की में सबसे बड़ी संख्या कौन सी थी? और नीचे की खिड़की में?

सबसे ज़्यादा गुणनफल कहां आया? कितना?

इसी तरह चित्र 3 जैसी खिड़कियां बनाकर खिड़कियों में से दिखने वाली संख्याओं को पहले जोड़ कर देखो और फिर आपस में गुणा करो।

सबसे बड़े जोड़ और सबसे बड़ी गुणनफल में से कौन सी संख्या बड़ी है? कितनी बड़ी है?

- इस अंक चार्ट में संख्या की जमावट को बदल कर तुम नया चार्ट बना सकते हो।

नया चार्ट बनाकर उसमें भी सबसे बड़ा और सबसे छोटा गुणनफल ढूंढो। सबसे बड़ा जोड़ भी पता करो।

३	२	१	२	७	३	६	४	३	८	९	५
४	५	४	९	४	१	७	२	७	१	१	१
१	३	९	४	0	६	९	४	६	२	0	७
७	२	७	९	६	३	९	६	४	७	८	४
९	२	१	५	५	९	१	९	२	४	६	३
0	८	८	0	0	९	७	४	४	0	६	९
६	६	0	२	३	४	९	१	९	३	८	१
२	९	४	५	६	0	८	९	७	१	२	६
५	७	६	0	७	७	५	७	३	१	८	५
२	१	४	३	२	६	४	५	६	८	९	९
३	५	0	७	२	३	२	५	९	६	0	८
८	४	३	४	५	९	८	४	६	३	५	0

शून्य से गुणा - गुणा करने में यदि एक संख्या "0" हो तो गुणनफल कितना होगा!

याने २७९ × 0 कितना होगा?
या फिर ५ × 0?

जब भी शून्य से गुणा करते हैं तो गुणनफल शून्य ही आता है। संख्या बड़ी हो या छोटी उत्तर शून्य ही है।

चार्ट और कार्ड से घटाना और भाग :

इन्हीं कार्डों व इसी चार्ट से हम घटाने और भाग का भी अभ्यास कर सकते हैं।

कार्ड नं. 1 से ऊपर की खिड़की में ९१९ ९१९
और नीचे की खिड़की में भी ९१९ ९१९
000

यानी जितनी संख्या ऊपर थी उतनी ही नीचे आई और घटाने पर कुछ नहीं यानी शून्य बचा (0)।
जैसे अगर गंजी में ३० लड्डू हो और ३० बच्चे १-१ लड्डू उसमें से लेकर खा लें तो गंजी में कितने लड्डू बचेंगे? कुछ नहीं यानी शून्य।

इस तालिका में कहां-कहां कार्ड रखकर घटाने से शून्य आता है?

किन्तु यदि कार्ड ऐसी जगह रखा जाए जहां ऊपर वाली खिड़की में छोटी संख्या हो और नीचे वाली में बड़ी, तो हम अभी ये मानेंगे कि ये सवाल हल नहीं हो सकता। छोटी संख्या में से बड़ी संख्या नहीं घटा सकते। कितने सवाल ऐसे बनते हैं, जिसमें नीचे बड़ी और ऊपर छोटी संख्या है?

- घटाने के बाद सबसे बड़ा अन्तर कहां मिला? किन संख्याओं के बीच? घटाने के कितने सवाल किए?

इसी तरह गुणा की जगह भाग भी किया जा सकता है।

बस कार्ड नं. 2 में गुणा के चिन्ह की जगह भाग का चिन्ह मान लो।
ऊपर की खिड़की में संख्या है २१६ और नीचे की खिड़की में ४, इससे सवाल बना २१६-४।
इस सवाल में २१६ में ४ का भाग देना है।

इसी तरह कार्ड नं. 2 को अलग-अलग जगह रखकर भाग का और भी अभ्यास कर सकते हो।

● **अधिक से अधिक सवाल बनाओ और हल करो। हर सवाल के लिए एक इबारत भी सोचो।**

खिड़कियां कार्ड क्रमांक १,२,३ के साइज की और उसी स्थान पर बनाने के लिए एक तरीका है :
पहले कार्ड २ के चित्र के नीचे एक चौकोर टुकड़ा रखो। एक पिन से या कांटे से खिड़कियों के कोनों पर छेद कर लो। पेन्सिल से लाईन खींच कर खिड़कियों की आकृति बनाओ। ठीक बन जाए तो लाईन पर से काटकर खिड़कियां अलग कर दो। इस प्रकार खिड़की वाले तीनों कार्ड बना लो।

स्कूल का नक्शा

टिल्लू-मुन्नी ने अपने स्कूल का एक नक्शा बनाया है। पहले उन्होंने बहुत सारी बराबर-बराबर सीकें तोड़ लीं। फिर अपनी कक्षा की हर दीवार को कदमों से चल कर नापा। दीवार जितने कदमों की थी उतनी सींके एक सीध में जमाकर रखीं, यानी उन्होंने एक कदम के लिये एक सींक ली।

उनकी कक्षा का कमरा था १५ कदम लंबा और १२ कदम चौड़ा। देखो, उन्होंने ज़्यादा काड़ियां तो नहीं रख दीं?

इसके बाद उन्होंने बाहर के बरामदे को नापा और अपने नक्शे में जोड़ा। बताओ, बरामदा कितने कदम लंबा और चौड़ा है?

फिर उन्होंने दूसरे कमरे का नक्शा जोड़ा। इस कमरे की एक दीवार बरामदे और टिल्लू- मुन्नी की कक्षा से जुड़ी हुई है। बाकी दीवारें हमने बनाई हैं। पर चित्र में दो दीवारें छूट गईं हैं। उन्हें तुम जोड़ो। एक १० कदम हैं और दूसरी ६ कदम।

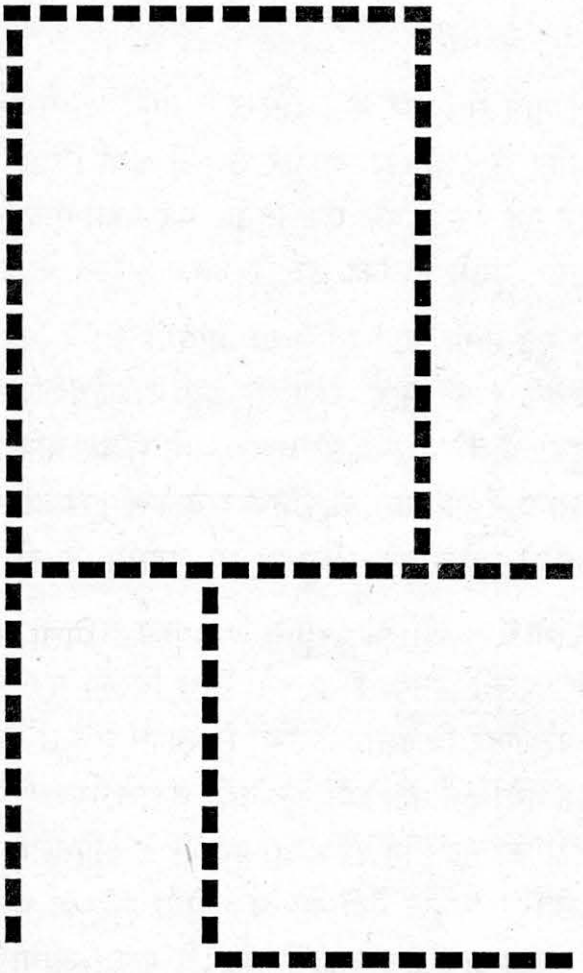

अंत में उन्होंने बरामदे से गेट तक का रास्ता और बागुड़ को नापा।
इस तरह बना उनके स्कूल का नक्शा।

अब तुम्हारी बारी है, अपने स्कूल का नक्शा बनाओ। घर का नक्शा भी बनाओ।

तिल का ताड़ राई का पहाड़

तो वक्त सबको अच्छे दिन दिखाये और समय पर ठीक अकल सुझाये कि किसी बेनाम गांव के बाहर एक कबीले ने डेरा डाला। हट्टे-कट्टे, लम्बे-तगड़े कई जवान। एक से बढ़कर एक। एक दिन कबीले का एक आदमी गुड़ लेने पंसारी के यहां पहुंचा। बोनी के समय सीधा-सादा ग्राहक आया देख पंसारी बहुत खुश हुआ। तीन बार में तीन से कम तौलना तो उसके बाएं हाथ का खेल था।

गुड़ देखकर आदमी ने कहा, "गुड़ बहुत गीला है।"

पंसारी तपाक से हँसकर बोला, "बरसात का मौसम है ना! नमक और गुड़ तो गीले होंगे ही। माल में खामी हो तो कहना।"

मोल-भाव से निपट कर पंसारी ने बोरी खोली और गुड़ तौलने लगा। वह आदमी तराजू की डांडी और पलड़ों को गौर से देख रहा था। पर उसकी कथा बिसात की पंसारी के हाथ की सफाई ताड़ ले। तभी उस आदमी की नज़र गुड़ पर चिपके एक तिनके पर पड़ी। एक तिनके से तौल में भला क्या फर्क पड़ता है? पर ग्राहक से रहा न गया, उसने तिनका उठाया और अंगुली के झटके से सामने की ओर फेंक दिया।

जहां गुड़ होगा, वहां मक्खियां आयेंगी ही। वे किसी न्योते का इंतज़ार नहीं करतीं। इधर दीवार पर तिनके का चिपकना हुआ और उधर दो-तीन मक्खियां उसकी मिठास का मज़ा लेने लगीं। मक्खियां मिठास के आनन्द में डूबी थीं कि छिपकली एक झपाटे में दो मक्खियां निगल गयी। तीसरी उड़ गयी। छिपकली दूसरी मक्खियों की ताक में दीवार पर अविचल बैठी थी। सहसा पंसारी की बिल्ली अपनी समाधि तोड़कर उस पर झपटी। वह मक्खियों समेत उसके पेट में समा गयी। बिल्ली को अपने शिकार के अलावा कुछ ध्यान न था।

कुत्ते और बिल्ली की दुश्मनी जाने कब से चली आ रही है! उस आदमी का कुत्ता इसी फिराक में था कि किसी तरह बिल्ली उसके हाथ लगे। सीधे बिल्ली पर छलांग मारी। पर यों पकड़ में आ जाये, वह बिल्ली ही क्या! वह पलटकर बिजली की तेज़ी से दुकान में घुस गयी। आगे बिल्ली और पीछे कुत्ता। उनकी भगदड़ में कई बासन लुढ़क गये। कई मटकियां फूट गयीं। बतासे, मिसरी, चीनी, मिर्च-मसाले दालें बिखर गयीं। तेल फैल गया। बैठे-बैठाये पंसारी का नुकसान हो गया। पंसारी ने अपना आपा भूल कर, ज़ोर से एक बाट कुत्ते की ओर फेंका। निशाना तो उसका अचूक नहीं था, पर होनी कहें या संजोग कि वो सीधे कुत्ते के ललाट पर लगा। खून का फव्वारा छूट गया। अब उस आदमी को भी गुस्सा आया! खुद की चोट तो शायद बर्दाश्त कर लेता, पर अपनी जान से भी प्यारे कुत्ते को चेहरे पर खून देखकर उसका खून खौल उठा। उसने पंसारी को एक चांटा जड़ दिया। पंसारी तोबा-तोबा मचाने लगा। पास के दुकानदारों ने पंसारी का रोना-धोना सुना और अपनी-अपनी तोंद और धोती संभालते दौड़े चले आये।

इधर कुत्ता भागा-भागा कबीले गया और जवानों को बुला लाया। तू-तू, मैं-मैं से बात बढ़ी और हाथा-पाई तक पहुंच गई। सैकड़ों लोगों की भीड़ मरने मारने पर उतर आयी। इतने में किसी ने पुलिस को सूचना कर दी पुलिस

आता देख कई लोग भागे, कुछ पकड़े गए और थाने में बंद हुए। बात की बात में गांव की शांति भंग हो गई। पुलिस ढूंढ-ढूंढ कर लोगों को पकड़ने लगी। काम-धंधा छोड़, लोग छिपने-छिपाने लगे।

गुड़ तौलने वाले पंसारी की दीवार पर तिनका अभी भी चिपका हुआ था। कुछ मक्खियां अब भी मंडरा रही थीं। एक दूसरी छिपकली उनकी टोह में लार टपका रही थी। एक छोटे से तिनके के कारण जितना फसाद हुआ वह ही बहुत, आगे सबको सुमत मिले। कहानी थी तो खतम। पैसे थे तो हजम।

राजस्थानी लोक-कथा

1. बरसात में नमक और गूड़ पसीजकर गीले हो जाते हैं। और क्या-क्या पसीजकर गीला होता है? उनके नाम लिखो।

2. आदमी तराजू को ध्यान से क्यों देख रहा था? तराजू से सही-सही तोलने के लिए क्या-क्या चीज़ें होना ज़रूरी है?

3. हम लीटर से क्या-क्या नापते हैं?

4. किलो से क्या-क्या तौलते हैं?

5. मीटर और फुट से क्या-क्या नापते है?

6. गुड़ देखकर आदमी ने कहा, "गुड़ बहुत गीला है" पंसारी तपाक से हंसकर बोला, "बरसात का मौसम है ना! नमक और गूड़ तो गीले होंगे ही। माल में खामी हो तो कहना।"

ऐसे ही एक बार सरजू आम वाले से बोली, "आम तो हरे हैं।" आम वाला फिर क्या बोला होगा?

- दूध वाले से जीवन ने कहा, "दूध तो पतला दिखता है।" तो दूध वाला तपाक से बोला होगा

---

7. मतलब लिखो -

कबीला	----------	पंसारी	----------
खामी	----------	समाधि	----------
बासन	----------	अविचल	----------

8.तुमने देखा होगा जरा सी बात पर कोई झगड़ा पड़ा|, देखा तो पता लगा कि झगड़ने लायक कोई बात ही न थी। ऐसी कोई घटना सुनाओ।

9. क्रम से जमाओ -

मक्खी बैठी, तिनका दीवार पर चिपका, बिल्ली ने छिपकली खायी,

दूसरे दुकानदार आये, चांटा मारा, कुत्ता बिल्ली पर दौड़ा।

छिपी हुई चिट्ठी

ललिता ने संतू को एक चिट्ठी लिखी। उस चिट्ठी में एक सवाल था। संतू ने कहा कि वो उस सवाल उत्तर कल लिख कर लायेगा।

अगले दिन संतू ने ललिता को एक कागज़ दिया और कहा - ये रहा तुम्हारे सवाल का उत्तर। सब ने देखा कि कागज़ तो कोरा था। लेकिन ललिता को कोई परेशानी नहीं हुई, उसने घर जाकर उस चिट्ठी को पढ़ लिया।

अब तो सब ललिता के पीछे पड़ गये, - बताओ ना, तुमने क्या किया? हमें बताओ ना, तुमने क्या किया?

ललिता ने कहा - पहले संतू से तो पता करो कि उसने चिट्ठी कैसे लिखी थी।

तुमने क्या किया था? सबने संतू से पूछा।

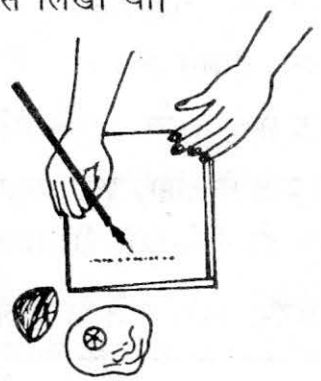

संतू ने बताया कि उसने एक कटोरी, एक ब्रश, एक नीबू और एक कागज़ लिया था। नीबू काटकर रस कटोरी में निकाल लिया। और फिर ब्रश को नीबू के रस में डुबोकर कागज़ पर चित्र बनाया और लिखा भी। सूखने पर कागज़ कोरा दिख रहा था।

और ललिता तुमने क्या किया? सब ने पूछा।

आखिर ललिता ने उन्हें बताया -

ललिता ने कहा - मैंने? मैंने कागज़ को चिमनी पर गरम किया। वैसे तो कागज़ को चूल्हे या बल्ब के करीब लाकर भी गरम किया जा सकता है। गरम होने पर कागज़ पर बना चित्र और लिखी चीज़ें दिखने लगीं।

● **तुम भी ऐसी गुप्त चिट्ठी लिख सकते हो? लिखने के लिए नीबू के रस की जगह संतरे, प्याज और मूली के रस का उपयोग भी कर सकते हो। पर पढ़ने के लिए कागज़ को ध्यान से गर्म करना, गरमी के बहुत ज़्यादा करीब मत लाना। कागज़ जल जाएगा। धीरे-धीरे गरम करने पर साफ पढ़ा जाएगा।**

एक और तरीका

सफेद मोम चॉक लो और उससे कागज़ पर चित्र बनाओ या लिखो। अब उसे पढ़ने के लिये कोई भी गाढ़ा होली का रंग पानी में घोलो। ब्रश से इस रंग को पूरे कागज पर लगाओ। ऐसा करते ही तुम्हारा छिपा संदेश चमचमाता हुआ दिखने लगेगा।

जग्गू की यात्रा

जग्गू रोनाखेड़ी से हंसीपुर जा रहा था। रास्ते में उसे कई चीजें दिखीं। कुछ उसके दाएं हाथ पर थीं, तो कुछ बाएं हाथ पर। लौटने पर वह अपने दोस्त को बताना चाहता था कि उसने क्या-क्या देखा, कहां-कहां देखा और कौन सी चीज किस ओर थी। उसने बताते समय जोश में दाएं हाथ और बाएं हाथ में गड़बड़ कर दी। बस वह इस तरफ उस तरफ कहता रहा। रोनाखेड़ी और हंसीपुर को दिखाता चित्र बना है। इसे देखकर तुम बताओ कि –

जाते समय जग्गू को :-

ट्रेक्टर किस हाथ पर दिखा? गोंदागांव किस हाथ पर था? मंदिर किस हाथ की ओर था?
प्राथमिक शाला किस हाथ पर पड़ी? मस्जिद किस हाथ पर थी

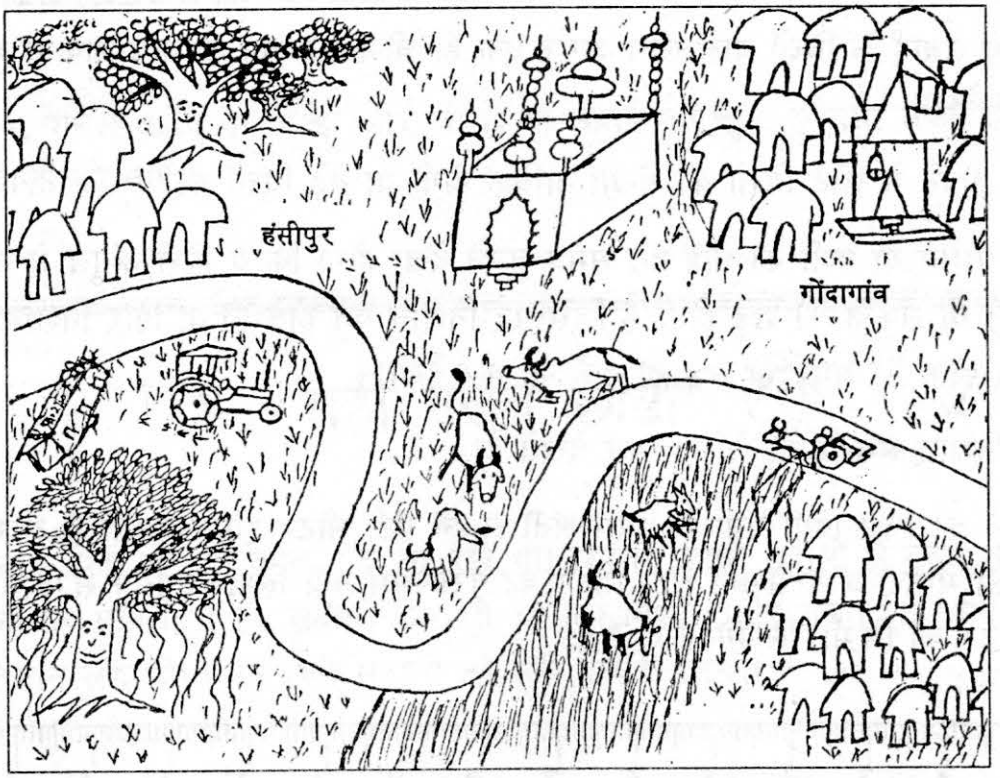

लौटते समय उसके दाएं हाथ पर क्या क्या था? और बाएं हाथ पर क्या-क्या?
गाय किस हाथ की ओर चर रही थीं? और बकरी किस ओर थीं?
कापी में दोनों ओर दिखने वाली चीज़ों की अलग-अलग सूची बनाओ। ऐसे और सवाल बनाओ और दोस्तों से पूछो।

चाहो तो इस चित्र और अन्य चित्रों के साथ भी दाएं हाथ व बाएं हाथ पर क्या-क्या, बारी-बारी से पूछ कर खेल सकते हो।

नाप

कक्षा 2 और 3 में हमने बित्ते और अंगुल, कदम आदि से नपाई की है।

इनसे नापने में एक परेशानी है। सभी के बित्ते या कदम बराबर नहीं होते। इस बात को अपने दोस्तों के साथ बित्ते मिला कर देख सकते हो।

सबसे लंबा बित्ता किसका है? _____ सबसे छोटा बित्ता किसका है? नीचे नाम लिखो। _____

● अलग-अलग लंबाई के बित्तों वाले लोग अगर एक ही चीज को नापें तो क्या नाप में कुछ अंतर आएगा? करके देखो।

एक ही लंबाई नापने में छोटे बित्तों की संख्या अधिक होगी या बड़े बित्तों की?

कपड़ा खरीदते समय या दर्जी को नाप देते समय तुमने देखा होगा कि ये बित्ते/अंगुल से नहीं नापते। इनके पास धातु या लकड़ी की छड़ होती है जिस पर निशान बने होते हैं। या फिर निशान वाला एक चौड़ा सा फीता होता है। अगर हो सके तो इन्हें जा कर देखो।

चलो हम भी निशान लगे पैमाने से नाप कर देखते हैं।

नीचे एक पैमाने का चित्र दिया गया है। इसमें लंबी लाईनें **सेंटी मीटर** इंगित करती हैं और छोटी लाईनें दिखाती हैं **मिली मीटर**। आगे से हम सेंटी मीटर का पूरा नाम नहीं लिखकर सिर्फ **सें.मी.** लिखेंगे। इसी तरह मिली मीटर को **मि.मी.** लिखेंगे। ठीक है?

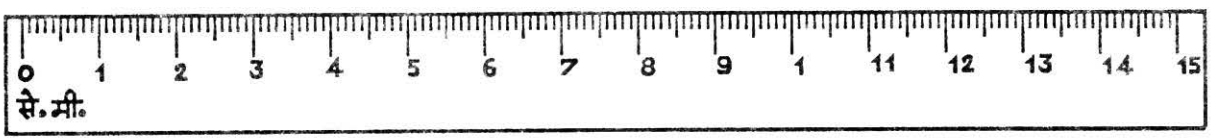

1 से.मी. से 2 से.मी. दिखा रही लाईनों के बीच कितनी दूरी है?

इसी तरह 3 से.मी. से 4 से.मी. के बीच कितनी दूरी है?

यह दोनों दूरियां बराबर हैं और इस दूरी को 1 से.मी. कहते हैं।

● 2 से.मी. और 6 से.मी. बता रही लाईन के बीच कितनी दूरी है?

इसी तरह और निशानों के बीच की दूरी पता करो। इस पैमाने से सभी दूरी नाप सकते हैं।

● इस पैमाने का उपयोग करके हम से.मी. और मि.मी. में लंबाई/दूरी नाप सकते हैं। नापने के लिए पैमाने को उस चीज़ से सटाकर रख देते हैं, जिसे नापना है।

नापने के लिए हम इन्हीं लाइनों का उपयोग करेंगे। लाइनों को हम 2 से.मी का निशान, 3 से.मी. का निशान, 4, 5, 6 से.मी. का निशान कहेंगे।

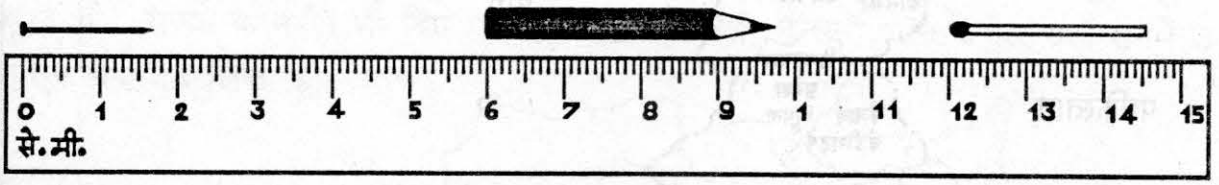

अपनी कॉपी, जेब, पेंसिल आदि या किन्हीं और चीज़ों की लंबाई नाप कर अभ्यास सकते हैं।
ऐसी बहुत सी चीज़ों को नापो।

सही गलत छांटो

सोनी ने जब सवाल किए तो उसे बहुत नींद आ रही थी। इसलिए उससे सवालों में बहुत सारी गलतियां हो गईं। तुम छांट कर सही किए हुए सवालों के आगे ✓ का निशान और गलत किए सवालों के आगे(X) का निशान लगाओ। गलत किए सवालों को सही कर के लिखो।

सवाल ये हैं :-

६ × ५ = ३०	१० × २ = ३०	७ × ३ = ३१	८ × ९ = ६४
८ × ७ = ६३	१२ × २ = २४	३ × ८ = २६	९ × ९ = ८३

जैसे तुम्हें पता है कि १० × २ = २०

तो फिर दूसरा सवाल गलत किया है। इसके सामने (×) का निशान लगेगा।

भारत का नक्शा

जिस गांव या शहर में हम रहते हैं वह आता है मध्य प्रदेश में और मध्य प्रदेश आता है भारत में। यानी हम रहते हैं भारत में।

भारत बहुत ही बड़ा है – सैकड़ों मील लंबा और सैकड़ों मील चौड़ा। इस सैंकड़ों मील लम्बी चौड़ी भारत की ज़मीन को छोटे रूप में दिखाना पड़ता है। इसी प्रकार का भारत का नक्शा यहां दिया है। तुमने शायद यह नक्शा पहले कभी भी देखा होगा – अखबार में या टी.वी. पर।

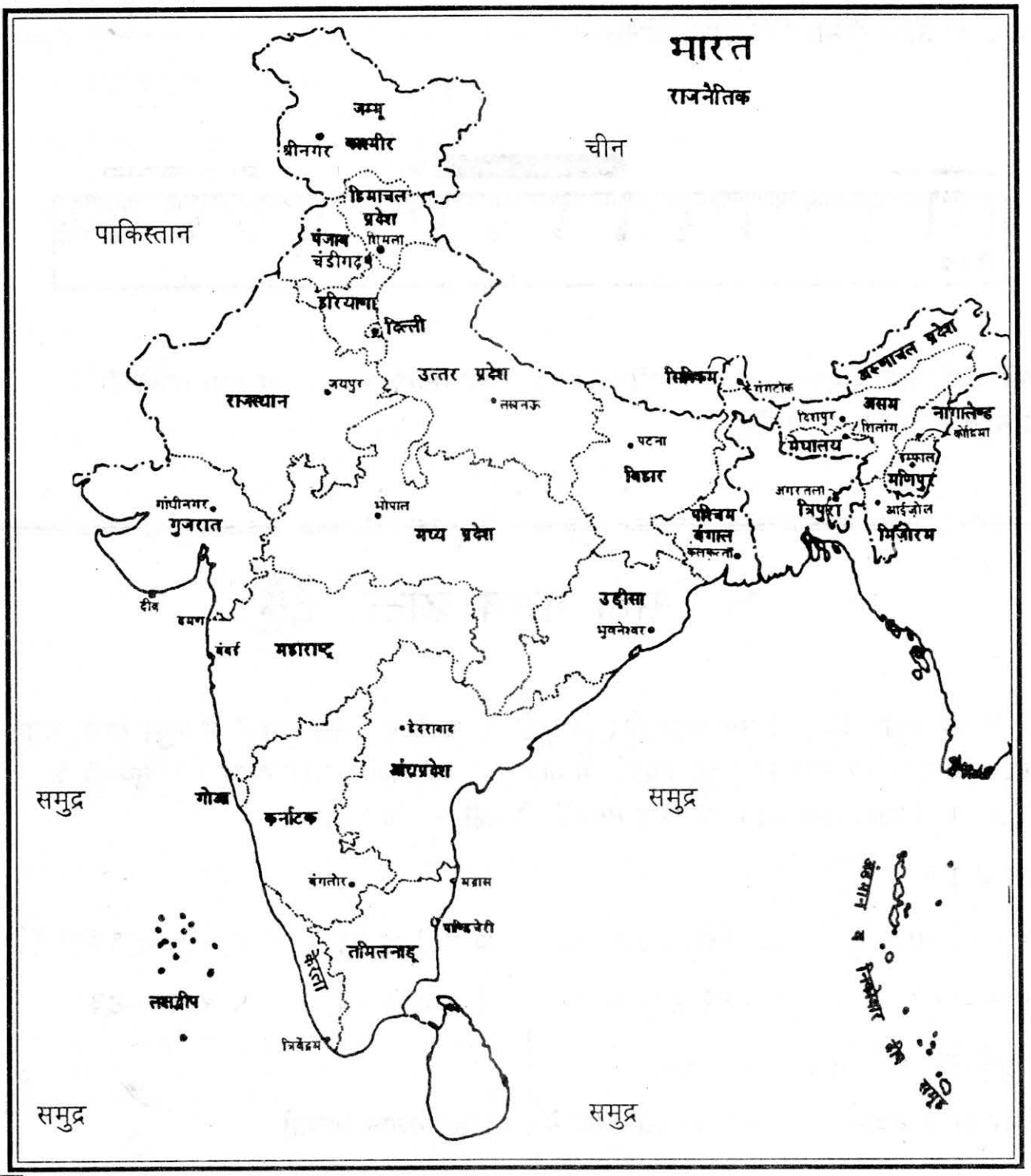

जिस तरह हमारे गांव या शहर में कई मोहल्ले होते हैं उसी तरह भारत में भी कई राज्य हैं। इस नक्शे में भारत के सभी राज्य दिखाए गए हैं। हम मध्य प्रदेश राज्य में रहते हैं। **मध्य प्रदेश** का नक्शा ऐसा दिखता है।

मध्य प्रदेश को भारत के नक्शे पर पहचान कर उसे हरे रंग से रंगो।

यहां कुछ और राज्यों के नक्शे भी दिए गए हैं। भारत के नक्शे में उन्हें पहचान कर यहां उनमें उनका नाम लिखो। एक पर मैंने लिखा है।

मध्य प्रदेश के चारों ओर कौन-से राज्य हैं। नक्शे में देख कर नीचे भरो।

उत्तर _____ पूर्व _____

दक्षिण _____ पश्चिम _____

भारत के नक्शे का निचला हिस्सा देखो। भारत की सीमा की लकीर के बाद कोई राज्य या शहर नहीं दिखाया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां बहुत, बहुत सारा पानी भरा हुआ है। इसे समुद्र या सागर भी कहते हैं। और यह है भारत के दक्षिण में।

भारत के आसपास के समुद्र को पहचान कर उसे नीले रंग से रंगो।

भारत के नक्शे में कुछ बिंदु बने हैं। और हर बिंदु के साथ छोटा-सा नाम लिखा है। जैसे **मध्य प्रदेश** में **भोपाल**। इस बिंदु का मतलब है कि वहां एक शहर है। कौन-सा शहर किस राज्य में है - यह तालिका कापी में भरो।

शहर	राज्य
भोपाल	मध्य प्रदेश

शहर	राज्य

जैसे मध्य प्रदेश के चारों ओर अन्य राज्य हैं, यानी ज़मीन है- क्या निकोबार के साथ भी वैसा ही है?

निकोबार के चारों ओर पानी है। चारों ओर से पानी से घिरी ज़मीन को टापू कहते हैं। नक्शे में और कौन से टापू हैं?

अकाल और उसके बाद

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।
दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धूआं उटा आंगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आंखे कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पांखे कई दिनों के बाद

नागार्जुन

अभ्यास

१. कई दिनों तक चूल्हा ना जलने का क्या अर्थ है? ----------

२. इस कविता में अकाल शब्द का क्या मतलब है? ----------

३. *इन के क्या अर्थ हैं? कॉपी में लिखो।*

क. चक्की रही उदास। ख. चूहो की शिकस्त हालत।

ग. कौए का पंख खुजलाना। घ. आंखे चमक उठी।

च. आंगन से धुआं उठना।

४. कॉपी में वाक्य बनाओ - क) कई दिनों से .... ख) बहुत दिनों से ..... ग) बहुत दिनों के बाद ...
घ) बहुत दिन तक .....।

५. इन वाक्यों को पढ़ो। हर वाक्य के लिए एक छोटी कहानी बनाओ।

क. चलो वही चलें उस घर में खाना जरूर मिलेगा उस आंगन से धुआं उठ रहा है।

ख. हमारे घर तो कई दिनों से चूल्हा नहीं जला।

६. कविता में अकाल के बारे में क्या-क्या बातें बताई गई हैं। ----------

---

७. अगर तुम्हारे घर कई दिनों तक पानी नही हो तो क्या-क्या मुश्किलें होगी। ----------

---

पानी नहीं होने का कॉपी में चित्र भी बनाओ।

जानकारी आसपास की

1. आकाश में उड़ने वाले दो ऐसे जीवों के नाम लिखो जो रात में भोजन ढूंढने निकलते हैं?
2. ज़मीन के अंदर से निकाले जाने वाली चार सब्जियों के नाम?
3. ज़मीन के अंदर बिल बनाकर रहने वाले पांच जीवों के नाम लिखो।
4. तुम्हारे घर में पानी कहां से आता है? पूरे गांव या मोहल्ले में पानी कहां से आता है?
5. ऐसे तीन पेड़ों का नाम लिखो जिनसे गोंद मिलती है।
6. तुम्हारे पास वाली नदी या तालाब पर लोग क्या-क्या करते हैं?
7. नीचे लिखे आठ फूलों में से कुछ फूल अलग रंग के हैं, उन पर निशान लगाओ -

मोगरा, चमेली, गेंदा, चांदनी, टमाटर का फूल, सदासुहागन, नींबू का फूल, टेसू।

सभी रंग के फूलों के 5-5 नाम साथियों के साथ मिल कर सोचो।

8. *सही जोड़ी मिलाओ - पहले (क) की (ख) से और फिर (ग) से। (ग) के स्तम्भ को भी भरो।*

(क)	(ख)	(ग)
रसदार	लोहा	खट्टा
बड़े पत्तों वाला	संतरा	
भारी भरकम, मीठा	नीम	
एक धातु है	हाथी	
कड़वी पत्ती	सागौन	
भारी भरकम सूंड	तरबूज़	

9. कौन-सी चीज़ें हम यानी मनुष्य बनाते हैं, और कौन-सी चीजें हमें प्रकृति(यानि पेड़, पौधे, पशु, जंगल, ज़मीन आदि) से सीधे मिलती हैं। अपनी कापी में नीचे की तालिका बनाओ। फिर नामों को छांटकर तालिका में भरो।
साईकिल, ताला, कपड़ा, गन्ना, कागज़, गुड़, कपास, ईंट, मिट्टी, लकड़ी, बांस, कुर्सी, जूते, दूध, चमड़ा, मिठाई, घड़ी, तराजू-बांट
जो चीज़ें मनुष्य बनाते हैं, उनमें से कौनसी तुम्हारे गांव या शहर में बनती हैं? कौनसी बाहर से आती है?

तालिका

चीज़ का नाम	*प्रकृति से मिलती है*	*हमारे यहां बनती है*	*बाहर से आती है*

● तालिका भरने के बाद इनमें संबध जोड़ो कि कौन-सी चीज़ किससे बन सकती है? जैसे कपास से कपड़ा।

कौन तेज़ चलता है?

एक दिन की बात है, दादाजी ने सुरता और गोरेलाल को कछुए और खरगोश की कहानी सुनाई। वही कहानी जिसमें दोनों की दौड़ होती है। खरगोश दौड़ के बीच में सो जाता है और कछुआ जीत जाता है।

पर गोरेलाल को ये कहानी ज़रा भी पसंद नहीं आई। उसने कहा - भई वाह, ये भी कोई बात हुई। तेज़ तो खरगोश ही दौड़ता है ना। उसको हरवा देने का क्या मतलब? दादाजी ने कहा - पर बेटा ये तो कहानी है। यह कोई असली रेस थोड़ी है। इसमें तो ऐसा हो सकता है ना?

सुरता ने भी कहा- पर असल में तो कछुए और खरगोश में से तेज़ तो खरगोश ही दौड़ता है। दादाजी ने कहा - हां खरगोश ही तेज़ है, पर अब मैं तुम दोनों से कुछ सवाल पूछता हूं। बताओ इन जोड़ियों में यदि दौड़ हुई तो कौन पहले पहुंचेगा? गोरेलाल और सुरता तो सोच रहे हैं, क्या तुम उनकी मदद कर सकते हो।

नीचे दी गई जोड़ियों में जो तुम्हें तेज़ लगे उस पर सही का निशान लगाओ।

१. घोंघा या केंचुआ?

२. तिलचट्टा या गिंजाई?

३. मुर्गी या बत्तख?

४. चींटा या टिड्डा?

५. बैल या गधा?

६. कुत्ता या चूहा

पुस्तक के पीछे के कवर पर कुछ जानवरों के चित्र दिए गए हैं। चित्र के साथ यह भी लिखा है कि कौन सा जानवर एक घंटे में कितने किलोमीटर दौड़ता है। इन चित्रों को देखकर बताओ नीचे दी गई जोड़ियों में से कौन तेज़ दौड़ता है?

चीता या काला हिरण?

भेड़िया या घोड़ा?

जंगली सुअर या गेंडा?

चूहा या लड़का?

जिराफ या कुत्ता?

शेर या जिराफ?

अब तुम भी ऐसे ढेर सारे सवाल बनाओ।

इनके बार में भी सोचो। इनमें से कौन तेज़ चलता है?

बिल्ली या कुत्ता?	चूहा या गिलहरी?	मुर्गी या बत्तख?
हाथी या गाय?	भैंस या ऊंट?	घोड़ा या कुत्ता?

● क्या तुम इन के बारे में तय कर पाए कि कौन तेज़ चलता है?
अगर हां तो तुमने कैसे तय किया।
अगर नहीं तो क्या मुश्किल आई क्यों नहीं तय कर पाए?

पुनरावलोकन अभ्यास

● *आगे बढ़ाओ और सब को पढ़कर सुनाओ।*

चाचाजी छाते लगाकर कूदे। अचानक ज़ोर से हवा आई और उन्हें उड़ा कर ले गई। चाचाजी बादलों के भी ऊपर पहुंच गये। वहां पर उन्होंने देखा . . .

● *ध्यान से पढ़ो और छुपी हुई गलती पकड़ो -*

एक दिन शंकुली स्कूल पहुंची। वहां पर उसे नींद लगी। नींद में उसने सपना देखा। अचानक उसकी नींद खुली। नींद खुलते ही शंकुली स्कूल की ओर भागी।

● तगडू शेर अपनी गुफा के पास पहुंचा तो उसे एक छाया दिखाई दी। तगडू शेर बोला –

ये नीचे किसकी छाया है? ज़रा बाहर आकर तो बताओ।

वहां क्यों छिपे बैठे हो? कौन हो?

इस बात को तगडू शेर ने कैसे कहा होगा, वैसे पढ़कर बताओ।

अब यही बात डरपोक सियार के साथ होती तो वह इसे कैसे कहता? वैसे पढ़कर बताओ।

और खोजी लड़की जो जंगल में नई-नई चीज़ें देखने निकली है। वह इसे कैसे पढ़कर बतायेगी?

● नीचे दिए वाक्यों में से आंधी वाली कविता के लिए सही सार छांटो -

1. आंधी की पहाड़ों से दोस्ती है और तिनकों से दुश्मनी है।

2. आंधी पहाड़ और पेड़ों से टक्कर ले सकती है लेकिन एक तिनके को नहीं हरा सकती।

3. आंधी को उछलने कूदने में बहुत मजा आता है और वो तिनके को लेकर दूर-दूर तक उड़ने जाती है।

● *नीचे कछुए वाली कहानी का सार दिया है। इसे ध्यान से पढ़ो और कहानी का नाम याद करके लिखो।*

एक कछुए को घूम कर चीज़ें देखने का शौक था। बगुलों को देख उसे उड़ने की सूझी। एक लकड़ी को मुंह से पकड़ कछुआ लटक गया और बगुले उसे ले उड़े। कछुए ने देखा कि उपर से दुनिया अलग ही दिखती है। हर चीज़ कुछ नई तरह की। यह सब देख कछुआ कई बार बोलना चाहता था, पर चुप रहा। लेकिन सांप देख कर उससे रहा नहीं गया। वह चिल्ला पड़ा और नीचे आ गिरा। नीचे आने पर सब कुछ पहले जैसा था।

ऐसा सार बाकी कहानियों के लिए भी अपनी कॉपी पर लिखो।

● 'क्या तुम मेरी अम्मा हो?' वाली कहानी में कितने चित्र हैं? इन चित्रों में कौन-कौन से जानवर बनाए गए हैं?
● 'इसमें क्या शक है' वाली कहानी के लिए अपने मन से सोच कर नए चित्र बनाओ।
● इस किताब में तुम्हें कौन से चित्र सबसे अच्छे लगे? ऐसे कुछ चित्र तुम भी बनाओ।

शब्दों का खजाना

अखबार - रोज की घटनाओं का विवरण देने वाला पेपर। जिसे समाचार-पत्र भी कहते हैं।

विद्या भवन शिक्षा संकाय पुस्तकालय क्रमांक..... दिनांक..... उदयपुर (राज.)

अविचल - बिना हिले डुले

आर्चर फिश - निशाने बाज मछली

इगलू - बर्फ से बने एस्किमो के घर को इगलू कहते हैं।

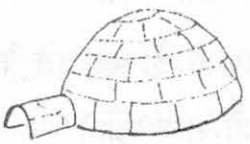

इन्युइट - कैनाडा व अलास्का के उत्तरी बर्फीले भागों में रहने वाले लोग

इल्ली - तितली या अन्य कीड़ों के बच्चे। बड़े होकर यही तितली/कीड़े बनते हैं।

गुणनफल - दो संख्याओं के गुणा करने पर प्राप्त संख्या को गुणनफल कहते हैं।

घुलनशील - जो पदार्थ पानी में घुल जाती और हिलाने के बाद अलग दिखाई नहीं देते। वे पानी में घुलनशील पदार्थ हैं।

पांसा -

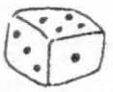

पैमाना -

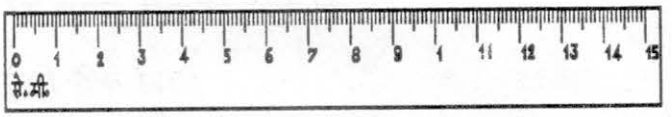

निश्चित दूरी दिखाने वाली चपटी छड़ जिलके आधार पर नापा जाता है। जैसे- स्केल, इंची टेप।

पैराग्राफ - एक विषय के बारे में कुछ लाइनों का समूह।

पैराशूट -

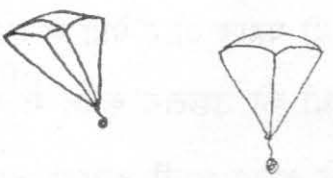

फर - जानवरों की बाल वाली खाल।

बहेलिया - जाल फैलाकर पक्षी पकड़ने/बेचने वाला।

मलेरिया - मच्छरों के काटने से आने वाला बुखार जिसमें ठंड भी लगती है।

मुखौटा - चेहरे की आकृति

मृदंग - 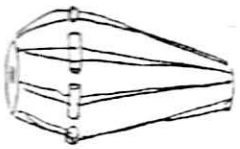

ढोलक समान बाजा। भारत के दक्षिणी हिस्से में ज़्यादा बजाया जाता है।

टापीर - चींटियां खाने वाला जंगली जानवर

तनजीर - एक ओर से गोला और दूसरी ओर से नुकीला

ताबड़ तोड़ - बहुत तेज़

बोजना - किसी काम को करने से पहले की तैयारी और सोच विचार

रपट - किसी बातचीत या घटना को समझकर उसके बारे में लिखना।

रेनडियर बर्फीले इलाकों में रहने वाले बड़े जानवर 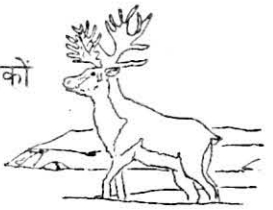

शिकस्त - हार

सील - पानी में रहने वाला बड़ा जानवर

संकरी - पतली

संगमरमर - एक तरह का सफेद पत्थर जिससे मूर्तियां भी बनती हैं।

स्वतंत्रता दिवस - जिस दिन भारत को अंग्रेज़ शासन से आज़ादी मिली, यानी 15 अगस्त

हारमोनियम - संगीत का बाजा

हैंडलेंस -

सबसे तेज़ जानवर कौन?

ज़मीन पर सबसे तेज़ जानवर है चीता और सबसे धीमा है सुस्तपांव जो कि खड़ा तक नहीं हो पाता है और अपने आपको घसीटकर आगे बढ़ता है । यहां पर सभी जानवरों की गति किलोमीटर प्रति घंटा के हिसाब से दी गई है। जैसे अगर कहीं ४५ लिखा हुआ है तो इसका मतलब ये है कि अगर वो जानवर उसी गति से चले तो १ घंटे में वो ४५ किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है।

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र
पुस्तकालय
क्रमांक........
दिनांक........
उदयपुर (राज.)

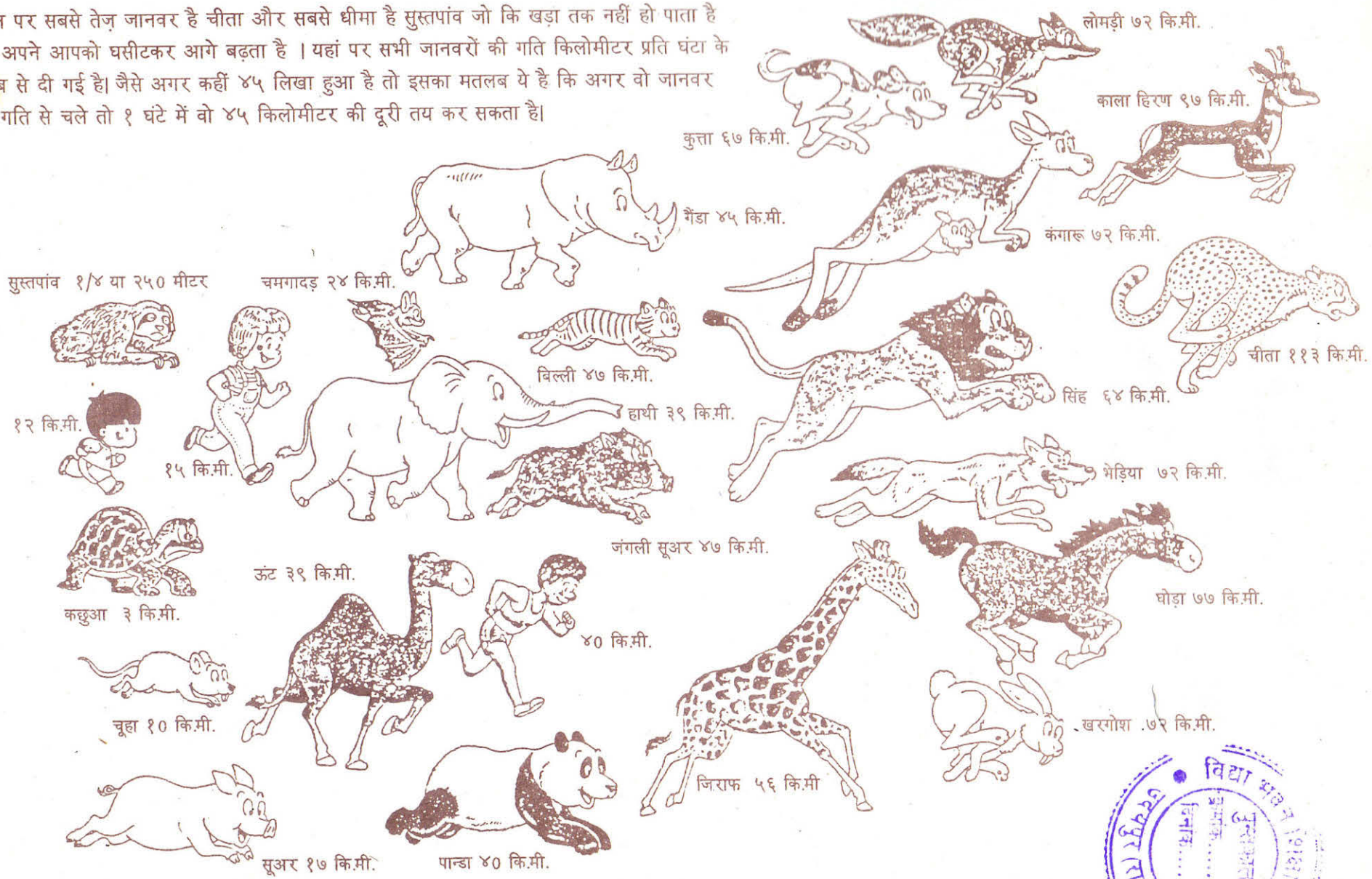

आदर्श प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिसर्स भोपाल द्वारा मुद्रित